शम् कण्णविका॥

ফলতঃ

পুর্তি শীক্ষের ব্দরেন লীলা বিষয়ক পদ

সম্পুতি শ্রীযুত গৌরমোহনদাস দ্বারা

সংগ্হীত হইয়া

কলিকাতার রাজেন্দু যক্তে যক্তিত হইল। শকাকা ১৭৭১

গৃষ্থ গৃহণেছ ব্যক্তি পশ্চালিথিত স্থানত্রয়েতন্ত্র্ করিলে পাইবেন মূল্য (১) একতক্ষা মাত্র ।। শীযুত বাবু দিননাথ দে আই এণ্ডে আরপ্তয়াটসন সাহেবের আফিস শীযুত বাবু বদনচাঁদ চল্দু চাঁপাতলা। শীব্টক্ষদাস নং ২২ পুরাণ চিনাবালার।।

### নিৰ্ঘণ্ট পত্ৰ।

<u> প্রিক্তরণে</u>	>	অভি সারোৎ কণ্ঠা	90
গৌরচন্দ্	2	ৰূপোল্লাস	<b>৩</b> ১
শ্ৰীনিত্যানন্দ চন্দ্	20	<u>জ</u> ক্ষের অভিসার	৬৩
গ্ৰিঅদ্বৈত চন্দ্	26	গ্ররাধার অভিসার	<b>⊗8</b>
এক্ষের বাল্যলীলা	30	बाम जीना	30
শ্রীক্ষের গোপ্ত লীলা	२३	সম্ভোগ নবোঢ়া	40
উত্তর গোষ্ঠ		मस्याग (भीष	98
मान जीना	৩২	বিপরীত	36
নৌকা বিহার	29	मुद्रनी भिका	93
শ্রিক্ষের গোষ্ঠ হইতে		গ্রাক্ষের পুেম বৈচি	ৰ ৭৭
গ্ছে আগমন	22	জ্বাধার পুেম বৈচিত্র	95
আরতি	8°	জল কেলি	92
শ্ৰীক্ষের ৰূপ	82	পাশাক্রীড়া	P .
শ্রীরাধার ৰূপ	83	রসালস ও কুঞ্জভঙ্গ	67
শ্রিক্ষের পূর রাগ	84	স্বাধীন ভত্কা	F8
শ্রাধার পূর্বাগ	¢°	এ ক্ষের রসোদ্গার	pæ
श्रीक्ष्यत जाश्र मृजी	CD	গ্রাধার নবোঢ়া	
শীরাধার আগু দূতী	20	রসোদ্গার	64
শ্রীক্ষের স্বয়ণ দূতী	@3	পৌঢ়ারসোদ্গার	4
শীরাধার ময়ণ দূতী	69	অনুরাগ	2.
বিপুল্স	45	(इंग्ली	<b>b</b> 8

#### 90

## নিৰ্ঘণ্টপত্ৰ।

অভি সারাণু রাগ	· 63	शिखान वार्था द् यु	লন ১৬
বাসক সজ্জা		ভবন বিরহ	353
के क्रिक उं एक थे।	24	<u> নাথুর</u>	255
জ্বরাধার উৎ কণ্ঠিতা		<b>जा</b> (वालाज	20.
বিপুলব্ধা	>.>	ভাব সন্মিলন	303
খণ্ডিতা		ভাব সন্মিলনের	
भान		রসোদ্গার	ক্র
কলহান্ত রিতা		निरवमन	202
ভাবিবিরহ		ভক্তের প্রার্থনা	200



शम् कण्णविका॥

ফলতঃ

পুর্তি শীক্ষের ব্দরেন লীলা বিষয়ক পদ

সম্পুতি শ্রীযুত গৌরমোহনদাস দ্বারা

সংগ্হীত হইয়া

কলিকাতার রাজেন্দু যক্তে যক্তিত হইল। শকাকা ১৭৭১

গৃষ্থ গৃহণেছ ব্যক্তি পশ্চালিথিত স্থানত্রয়েতন্ত্র্ করিলে পাইবেন মূল্য (১) একতক্ষা মাত্র ।। শীযুত বাবু দিননাথ দে আই এণ্ডে আরপ্তয়াটসন সাহেবের আফিস শীযুত বাবু বদনচাঁদ চল্দু চাঁপাতলা। শীব্টক্ষদাস নং ২২ পুরাণ চিনাবালার।।



× ...

-

.

### নিৰ্ঘণ্ট পত্ৰ।

<u> প্রিক্তরণে</u>	>	অভি সারোৎ কণ্ঠা	90
গৌরচন্দ্	2	ৰূপোল্লাস	<b>৩</b> ১
শ্ৰীনিত্যানন্দ চন্দ্	20	<u>জ</u> ক্ষের অভিসার	৬৩
গ্ৰিঅদ্বৈত চন্দ্	26	গ্ররাধার অভিসার	<b>⊗8</b>
এক্ষের বাল্যলীলা	30	बाम जीना	30
শ্রীক্ষের গোপ্ত লীলা	२३	সম্ভোগ নবোঢ়া	40
উত্তর গোষ্ঠ		मस्याग (भीष	98
मान जीना	৩২	বিপরীত	36
নৌকা বিহার	29	मुद्रनी भिका	93
শ্রিক্ষের গোষ্ঠ হইতে		গ্রাক্ষের পুেম বৈচি	ৰ ৭৭
গ্ছে আগমন	22	জ্বাধার পুেম বৈচিত্র	95
আরতি	8°	জল কেলি	92
শ্ৰীক্ষের ৰূপ	82	পাশাক্রীড়া	P .
শ্রীরাধার ৰূপ	83	রসালস ও কুঞ্জভঙ্গ	67
শ্রিক্ষের পূর রাগ	84	স্বাধীন ভত্কা	F8
শ্রাধার পূর্বাগ	¢°	এ ক্ষের রসোদ্গার	pæ
श्रीक्ष्यत जाश्र मृजी	CD	গ্রাধার নবোঢ়া	
শীরাধার আগু দূতী	20	রসোদ্গার	64
শ্রীক্ষের স্বয়ণ দূতী	@3	পৌঢ়ারসোদ্গার	4
শীরাধার ময়ণ দূতী	69	অনুরাগ	2.
বিপুল্স	45	(इंग्ली	<b>b</b> 8

#### 90

## নিৰ্ঘণ্টপত্ৰ।

অভি সারাণু রাগ	· 63	शिखान वार्था द् यु	লন ১৬
বাসক সজ্জা		ভবন বিরহ	353
জ্বিক্ষের উৎ কণ্ঠা	24	<u> নাথুর</u>	255
জ্বরাধার উৎ কণ্ঠিতা		<b>जा</b> (वालाज	20.
বিপুলব্ধা	>.>	ভাব সন্মিলন	303
খণ্ডিতা		ভাব সন্মিলনের	
भान		রসোদ্গার	ক্র
কলহান্ত রিতা		निरवमन	202
ভাবিবিরহ		ভক্তের প্রার্থনা	200



### শীত্রীওকচরণে।।

বেলোয়াল।। হরিব হেন দিন হোওব হাসার। আওকদের
চরিত ওণ অন্ত ভারবিধি চিত্তর হৃদয় মাঝার।। এ।। মৃদু
মৃদু হসিত বদনে বচনামৃত এবণ চসকভরি করবকিপান।
নিক্পম মঞ্জু মুরতিজন রঞ্জন নির্মাথ করব কব তুগত
নয়ান।। ললিত অঙ্গপরি মননিত নবই নাসাপুটভরি
রাথব ভায়। ইহু বদনে উহু মধুর নাম শুভ রটব নিরন্তর
হার্মি হিয়ায় ।। কি কহব অব অতিশয় সব দুরাভ করি
পরিচন্ত করি হয়হাজী প্রতিত হই পতিত এনর
হরি চরণ কঞ্জু তর ধরবকি মাথ।। ১।।

लोत्रहम्म् ॥

क्कण तागा। जय जय क्लाइव निषया नगरत । जनम लिखा भित्र जैम्द्र । क्लाइव क्लाइव मिया नगरत । जनम लिखा राज्य मित्र जिम्हा क्लाइव मान्य हाभार यूर्ग ए ए ए लिखा क्लाइव व्याप्त क्लाइव मन प्रमुद्र में में क्लाइव क्लाइव क्लाइव व्याप्त क्लाइव व्याप्त क्लाइव व्याप्त क्लाइव व्याप्त क्लाइव क्लाइव व्याप्त क्लाइव क निक् शक्ति जिनिक्षा कूल अथिल लाक प्रिथि तस्त हैं। प्रमान निक्राण । लाह्त (श्रुम नृथात्र न वित्रयस क्रमक्त जाल विनाण । लाह्त (श्रुम नृथात्र न वित्रयस क्रमक्त जाल विनाण । लाह्त क्रमण निक्र अवजात । निक्रमाम गाँथिया नाम हिछामण क्रमज लाह्य हात्र क्रमज लाह्य क्रमज क्रम

বিভাস। পরাণ নিমাই মোর খেপাবড় বটেগো এক দিন দেখিনু নয়নে। ধুলায় ধূবর তনু কিবা অপরূপ গো হামান্ডটা কিরয়ে অঙ্গনে।। সূচাঁদ বদনে হাসি মা বলিয়া ডাল্ক গো অমনি আইল শচী ধাঞা। কোলেতে চড়িয়া অতি কান্দিয়া বিকল গো তাদেখি বিদরে মেন হিয়া। কত যত্ন করি তমু পুবোধ নামানে গো হাসয় তাহার গলা ধরি। সভাই হরষ হইয়া হরিহ বলে গো নিমাই নাম্বিয়া কোল হইতে। দাঁড়াইতে নারে তমু নাচএ কৌতু কে গো হাত দিয়া জননীর হাতে।। কিলাগি কান্দিল কেউ বুঝিতে নারিল গো সভাই ভাবএ মনে মনে। নরহরি পরাণ নিমাই এইরপে গো খেপামো করিতে ভাল জানে।। ৩।।

भागुत्र। (गाष्ठ लोला (गात्रा ठाँएत भागात शिक्ता भागित भागित । धर्मी लाभनी विन मुघुत जाकिल।। भिका (वर्ग भृत्वो कतिया

जयश्रीन। रेर रेर कितिया चन किताय भाँछिन।। तामाई मुन्स द्रान्स मरू मुक्ता। भारीमाम आदि मर्छ श्राईल जानम् दामूर्पर धार्य गाय मर्पद्र इतिरय। भाष्ठ लीला भाराष्ठाम कतिल श्रकारण।। ४॥

কণার্চ কামোদ । সবহু নাচত সবহু গায়ত সবহু আ নন্দে বাবিয়া। ভাবে কম্পিত লুটত ভূতলে বেকত গৌর কাতিয়া। মধুর মঙ্গল মৃদঙ্গ বাজত চলত কত কত ভাঁতি য়া। বচন গদ্য মধুর হাসত থসত মোতিম পাঁতিয়া। প্রতিত কোলে করি বোলত হরিষ্ট দেয়ত পুনঃ যাচিয়া। অকণ জোচনে বৃষ্ণা ধরতহি প্রতিন ভূবন ভাসিয়া। এসুথ সাগ্রে লুবধ জগজনে মুগ্র ইহ দিন রাতিয়া। গোবিন্দ্ দাস রোয়ত অনুক্ষণ বিন্দু কণা আধ লাগিয়া।। ৫ ॥

थनानी ॥ जारत त्यात रगोताक तारा। मृत्रथूनी यारक यारे या निवन नाविक इरेशा महत्त्व शिवाया श्विवाया। श्रिय गमाथत मह्म शृतव तजम तक त्योकाय विभया करत किवा पुतुर करत ना वहरय विषय वारमिश हारम रगाता

वनभाषी॥ (कर काप्र উভরোল धनर र्विताल प्रात्स निया लाक परिया जुवन आइन नाइया प्रथिया विवन श्रेया युवजी जुनन नारथर ॥ जगजन চिज्हात (भीत अस्ता यावता जाराई श्रीत्ठक। कर्ह पिन ब्रामा न्मान अर्व जानमा करमा विभिन्न मूहे भका। १।। शोती।। जानिशात्राहारम्त्र आत्रिज्नी। वास्त्र मःकी क श्रमधुद्र युनि ॥ अना विविध कुनुभयुर्ण वनि वनशाला । कड़ किछि हम् जिनि बम्न উखता।। वृक्षामि (मव शाद केत (याप्रकरत। अञ्च वम्त किंग इज्वध्रत।। वीत वल्ला দাসগৌর চরণে আশা জগভরি রহল মহিমাপুকাশা।৮ (भाहिनी।। जननी जनका क्र (पथित्रा। नार्ट (गारा। হরি বোল ৰলিয়া।। ধ্রা। পুরবে পরোক্ষেভাব পরতেক (एथ लाज (जरे अरे (भारा विनामिया। जुगिक ठम्मन जात গন্ধ করবিরমাল গোরা অঙ্গে পড়িছে লোলিয়া।। ত্রিভঙ্গ क्रिया तरक् भाक्न भूवनी ठारक् वाँ १४ वूषा ठाँ ठत विकृति। क्ष्यर विचिष्ठातक भाषामाछ भारत वुत्क (क्ष्यन वुत्व में त ठाकुरत। बाइ वी यमूना जुभ जीता जक वृन्ता मन हीश (गायून मथुता। कर्ष्ट् नयुनानन (मर् मथा मथी वृन्त किलागिया काल इंडेल (गारा॥ ।।।

জীরাগা। চম্পক সোন কুসুন কনকাচল জিতল গৌরতনু লাব নিরে। উন্নতগীন সীন নাহি অনুভব জগ মন মোহন ভাব নিরে। জয় শচি নন্দন জিভুবনবন্দন মণ্ডন কলী যুগ

काम जुडाम्य थश्वनात् । विभूष भूगका कृष जाकृष करण वन गनर जाउन (शुम ज्वा। वहर कामनि भमरे जायनि

क्छ भभाकिनी नम्रन सद्या। निष्ठाखण नाठ्य नम्न दुवाग्रय গায়ত কত কত ভকত মিলি। যো রসে তাশি অবস মহি मथ्य भारिक माम जारू भन्नभना (जिला। ) ।।

(भारिनी।। यमन त्यारून उनु लोजाक जन्मज्ञा ललारहे ভিলক শোভে উর্দ্ধ মনোহর ॥ ত্রিকন্তু বসন শোভে কৃটি न कुछन। भाक् छ नश्न पूर्व भव्य प्रथम । शक् यक भ्रम (मिडिस्यिक्या भन्नीरत । गुक्रकाश अनस (य (रून कलायद वास्त्रक्षाम् मान विवेद स्वित्रा । याचे व्याप्त मान

ষেৰপ নিছিয়া॥ ১১॥

শুই মিন্দুড়া।। সঙ্গে সহচর গৌরাহ্ম নাগুর দেখিনু পথের मात्व। अस्त (मिथ्र कि कि त्याञ्च जुनिन ग्र्वे का क षात्र कि रिश्रक तरह ॥ अ ॥ यहन शनुशा धनुक किनिया नया (न गाथिन बान। मुश्र नामाथन वान्तृ नि अथन हानि खेश नित्रमान ॥ यमन ज्या कराजक ध्रत्र हान हान (भाजा। (गाशान माय कुर्ट् भठीव नम्दि मुनित मानम (वाजा॥)२॥

क्षिपात्र ॥ (श्राय एव एव कनय कत्वत्र न्छेन त्राम (ज्व (जात्र। अमिन यात्रिनी जार्तिभ जात्रभ शियु गमाध्य (का ते॥ (भारा शङ् कक्षामय अवजात। (याउन कोङ (न পতিত দূর্গত সভেই পায়ল নিজার ।। এই ।। হরি২ বলি
ভূজ যুগ তুলি পূলকে প্রল তনু । অকণ দিঠিজলে অবনী
ভাষল শুরপ্নী ধারাবছে জনু ।। পদতলে ভকত কণ্পতক্
সঞ্চক শিঞ্চিত থেম মকরন্দ । যাকর ছায় শুরাশুর নর
বর পরমানন্দ নিরবন্দ ।। পেথনু গৌরচন্দু নটরাজ। জহুম
হেম কল্পতক উয়ল কিয়ে নবদ্বীপ মাঝ।। নয়ন নীরদ
জনিত মন্দাকিনী ত্রিভূবন ভরল তরকে। নিত্যানন্দ চন্দু
রাম দিনমণি ভূমই পুদক্ষিণ রক্ষে ।। যাকর চরণ সমা
ধিয়েশক্ষরচতুরানন কক্ আশে। সোপত্ পতিত কোরে
করি কাঁদইকি কহব গোবিন্দ দাসে ।। ১৩।।

(माहिनी ॥ त्रारत (मात (गाता विकर्माण । त्राथार विव कात्मर (वारोग थत्नण ॥ त्राथानाम सर्ग (माता न्यत्न गठ (न। खत्रथूनी थाता वर्ष्ट व्यक्गनशता। क्राप्ट (गाता व्यक् जूम गिष्ठकाश । त्राथानाम विविक्तप्ट मृत्रष्टाश।। शृवत्क शृत्रव जनू गम गम (वाव । वामु कर्ष्ट (गाता क्राप्ट अठ উতরোव।। ১৪।।

কামোদ ।। নিরমল গৌর তনু কসি কাঞ্চন জনু হের ইতে পড়ি গেল ভোর। ভাঙ ভূজক্ষে দেশল মধ্যু মন অন্তর কাঁপেয়ে মোর ॥ সজনী যব হাম পেথনু গোরা। অকুল দিগ বিদিগ নাহি পাইয়ে মদনলালসে মন ভোরা ক্রা। অকণিত নয়নে ঝরিছে অলকোনে বরিথে সসুমা সরসাথে। জীবইতে জীবনে থেহনাহি পাইয়ে জন্ম গলা विषेशाय। या महाविधि कुल् जान मि यो वाशिकत विषेशाय। वामुम्पव स्थाय कर्ल् छन्२ (रू मधी शाता वाशि शावभात याया। ३०॥

টোড়ী।। বিহরে আজু রশিক রাজ গৌরচন্দ্র নদিয়া সাম অঞ্জকেশর পূঞ্জ উজর কনকক্চির কাঁতিয়া। কো চিকাম ৰূপগাম ভূবন মোহন লাবনি ঠাম হেরত জগত যুবতী উ মতি ধৈরজ ধরম ত্যেজিয়া।। অসমসরদ পূনিম চন্দ্ किन्न वमन यमन इन्स अन्स अनुय निम्स खन्य यक्ष त्रमन পাতিয়া। বিশ্ব অধরে মধ্রহাসি বমইকতই অনিয়ারাশি मुथर जिन्न निकन निकन विकन तहन छ। छ। अथून वनक বিপিন কুঞ্জ মধ্র যুবতী পিরিতি পূঞ্জ সোডরি২ অধিক অবশ মুগধ দিবস রাভিয়া ৷৷ ভাবে অবশ অলস থকা চলত নটত খলত সন্দ পতিত কোর পড়ত ভোর নিবিড় আনন্দে মাতিয়া। অৰুণ নয়নে অৰুণ চাই সখনে যুপয়ে রাই রাই নটত উমত লুটই ভূমত ফুটই নরত ছাতিয়া। উত্তम मध्य अध्य जीव जवक (श्राम अभिया) भीव जिक् বলরাম বঞ্চিত অথম সুঠাম অপরাধিয়া॥ ১৬॥

পটমঞ্জরী ॥ দুই পিরীতি আরতি নাহি টুটে। পরসে সর স তনু কত সুথ উঠে ॥ নাচেন গৌরাঙ্গ নোর গদাধর আসে । গদাধর নাচেপ্ন গৌরাঙ্গ বিলাষে ॥ গ্রা। পুক্ষ পুক্তী কিবা জানকী জীরাম। রাধা কানু কেলী কিবা महिना भीमा कि विवादिक ।। नूथ हाँ ए कि विवाद निर्जि कि स्वाद । क्रिय कि कि कि विवाद । क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय ।। त्यून की कि न मृथ निर्मा नगरम । श्रुप्त गृश्नि शिख्ठ गए। ध्रिम । त्यून भन्न भनि न नम् । उद्यानि क क्रिय क्रिया । क्रिया क्रिया नम् मज्ज विवाद । मूनि व्याद । मूनि व्याद मन इर्थ कि विवाद ।। २१।।

আসোমারি॥ নাচতগৌর সুন্দর বর রক্ষিয়া।পেনভরে (उन एग मिंगग्रा।। अ।। (गावित्मत व्यक् निक वाम (र्मा ইয়া। ভাবে অবশ চিৎ পড়ে মূরছিয়া।। রাধার ভাবে পত্ রাধার বরণ ধরে রাধা২ বয়নক ভাষে। ইঞ্জি वृक्षिया माम गमाध्र को ज्क त्रक वाम भारम ॥ मूत्रकी সুরলী বলি সহনে ফুকরই রহই সুরলী মুখ হেরিয়া। গো (गाशी बीव्नावन शूनः २ विल शर् प्रतिया॥ (गोत जान (म (गोप जाननिक जानम् (गाजन मिन्सा। ठाजत (गोर्तीमान अ गर्म जानस्य विवर्गाम मान अन गाईसा॥ १५ ললীত।। ধুমক ঘোরে ভোর শচী নন্দন কো সমধুব তা প্রেম বিলাস।পূরব নিকুঞ্জ সয়নে জনু নিম্পন বোদত रिङ्क मधुत्र मृषु जाय ॥ जागर तमनी जीत्रामनी जुनाती कउरी घुमाय भी तजनिक (भरा उर देवनाम उ भक्ष भा न वीन हक्क अवन बरीज मुश्लिय मृदीज (जाकि जब्ल मयनाक्षरण जली छ जिक् कित्र केत्र अनुभान । अन वन वक्ष नीमक कर्रे जार्र्शामी त्रजन (मार्ट्स (मर्मान ॥ मस्

অভিলায সমুঝি উঠি বৈঠহ নিজ করে বেশ বিরচক তোঁ হারি। ইহ বিধি কহত নরহরিপত্ঁ বহুঁরি নিদগত কথন বিশারি॥ ১৯॥

(मनागा। (गालक ছाড়िয়া পত্ँ किनवा अवनी। काला करण रहेल करन (गाता कर्ण थानि।। हाम विलाम हा छि (गाता करन काए। नाजानि छेकिला (गाता कात (शुम कार । करन केर विल केर विल केर । करन मधी मधी विल कर राजाना। मधुतार विल कर राजाना। करन का कर राजाना। करन विल कर राजाना। मधुतार विल कर राजाना। कर राजाना। कर राजाना कर विल कर राजाना। कर राजाना कर विल कर राजाना कर रा

পট মঞ্জরী ৷ কিভাব উঠিল মনে কাঁদিয়া আকুল প্রেমে সোনার অঙ্গপূলায় লোটায়। ডাকে রাধাহ বলি গদাধর বামে করি পীত বসন বংশী চায়।। ধরি নটবর বেশ স মুথে হেলায় কেশ তাহে শোভে ময়ুরের পাখা। ত্রিভঙ্গ ভঙ্গিম ধরি সঘনে বোলএ হরি চাহে গোরা কদম্বেরশা খা।। সুনি বৃন্ধাবন গুণ রসে উনমত মন সখী বৃন্ধ কোখা গোল হায়। তাবুঝিয়া রসবোধ প্রিয় সব পারিসদ গৌ রাঙ্গ বলিয়া গুণ গায়।। অবধৃত বলে সাবধান নাকরিছ त्रम्भान উथिलिल्न नाथ्य श्रद्धाण। यद्मत आनत्म क्र

শোহিনী। হরিব গোরা কেন কান্দে। নিজ সহচর গণ
পুছই কারণ হেরই গোরা মুখ চাঁদে।। অকণিত লোচন
পুম ভরে ভেল দুন ঝরব ঝরে প্রেম বারি। ঐ ছন শিথিল
গাঁথল মতি ফল থসয়ে উপরি উপরি।। সঙরি বৃদ্ধাবন
নিশ সই পুনঃব আপন অক নির্মাথয়া। দুই হাতে বুকে
মারিরাইব করি ধরণী পড়ল মুরছিয়া।। তহি প্রিয় গদা
ধর ধরিয়া করল কোর কহয়ে শ্রীবাস মুখ দিয়া। পুনঃ
অউ অউ হাসে জগজন মন তোষে বাসু ঘোষ নারয়ে
বুঝিয়া।। ২২।।

চুলিয়াই পড়ে দেখিতে নাপায়।। আজুরজনী বঞ্চিলাকা ক্লনো চাঁদ নৃথ সুথাইছে কিসের কারণে।। বাসুদেব ধোস বলে গোরা কেন কান্দে। নাজানি ঠেকেছে গোরা কার পেন ফান্দে। ২৪॥

কানোদ। হরে। দেখ সাজনি গৌরাঙ্গের আকুল নদী যণু
গুরয়ে নয়ান। কোই ভাবে ভাবিত অন্তর হেরিং ঝুরয়ে
পরাণ।। সজনী ক্লণে কহই বাত। ঐ ছন তক্র মত্র পড়ত
কেহ যৈছনে নহে পরভাত। তাক বিষ্টেদে হাম সহই না
পারব নিকসয় পাপ পরাণ। কি করব কৈছনে ইহ দুঃখ
নিটব মারিতে করহ বিধান।। এতসুনি ভকত গণ কাদ্দই
তিছি করব অনুবাদ। রাধামোহন দিন কিছুই নাজানত
অতএ সে করত বিধাদ।। ২৫।।

विज्ञान ।। विक्यां उक्षां क्रीवर्ता भंतारात्र भंता। रणात्र ।
रणक क्रिनथारन।। रणात्रावित भूगा क्रांत्र व्यक्ति विक्रण कित्रवित व्याधित क्रण करत्र हल्य ।। नारहत्र व हाम मूथनाणु नित्र वानी। रहन मन करत्र रणात्रा विन् भिममु धत्रनी।। रण ल मूथ मण्यम क्रज्यक्ष क्रिल । रणाल मरम्म रमात्र क्रिल त्रह रणाता। रणात्रा विस्त निर्म पिण व्यान नाहि मरन। नित्र विश्व प्रत्ने निवित्यात्र धरन।। त्रावृत्त हत्र १ व्या व्या विश्व वर्तन । याहा लाणि मन रमात्र व्यक्ति वर्तन व्या वर्णा वर्णा

পাহিডা। হরিই কিনা হইল নদীয়া নগরে। কেশব ভার ভি আশি কুলিশ পাড়িল গোরসবতী পরাণের ঘরে।। প্র প্রিয় সহচরী গণে যে সাথ করিল মনে সে সব স্থপন সম ভেল। গিরিপুরী ভারতী আসিয়া করিল যতি আঁচলের রতন কাঢ়ি নিল।। নবিন বয়েশ বেশ কিবাসে চাঁচর কেশ মূখে হাসি আছএ মিশাইয়া। আসরাপরের নারী পরাণ ধরিতে নারি কেমনে বঞ্চিবে বিক্ষু প্রিয়া।। সুরধুনী ভীরে তব্দ কদম্ব খণ্ডিত উক্ পুণণ কাঁদে কেতকি দেখিয়া। নদীয়া আনন্দে ছিল গোকুলের পারা হইল বাসুদেব মর

जूरे ॥ जकन महास्त्रिमिन जकारन जिनान कित आहेन भीताक पिथारत । भीताक गियार हा जित्र ह् तिह या ए अपि । भीते काँ पि नाहित ह्यारत । सन् आरत निजारे समान। किता जाजि पिन मद्ध जिथारेन कान जद्ध किता रहेन कि हुरे ना का निशा किता कित नर्तर ग हा प्रिया। किता निश्व ति है किन भाषारत जावारेश भीन तिरुत का राज मुश्र हा रेगा ॥ करू ता जुष्पत जावा महीत भगन प्रभा मत्रा (यन तिरुताह अप्या। २ ৮ ॥

সুই।। কলহ করিয়াছল। আগে পত্ঁ চলি গেলা ভেটি বারে নীলাচল রায়। বিছেদে ভকত গণ হইয়া বিসন্ধ মন পদ চিহ্ন অনুসারে ধায়া। নিভাই বিরহে নয়ান ভেল অন্ধ। আঠার লালাতে কাঁদিং যান পথে নিভানন্দ অবধ্ত हेना निज्ञानम् द्वाया । मान व्याप्त निया महा प्राप्त हैना निज्ञानम् द्वाया। मान व्याप्त व्याप

व्यक्ष जरूपिह भीत ॥ क्छिहि लालिङ जरूपिङ भाल। जरूप जरूरण ग्रास तमाल ॥ कडर जात विधानल जरूप समान पूर्ण पुलि (भूभ जन्न ॥ (इति गराधन लङ् र हाम समान हुला पुलि (भूभ जन्न ॥ (इति गराधन लङ् र हाम समान हुला पुलि (भूभ जन्म प्रामा। ७०॥

# वीनिज्यानम् हन्त् ॥

বেলোয়ার।। জগজন তারণ কারণ পাম। আনন্দ কল্দ শ্রীনিত্যানন্দ রাম।। গ্রা। ডগ মগ লোচন কমল ফিরায়ত সহজে অথির গতি দিঠি মাতোযার। ভাইয়া অভিরাম বলি ঘন২ গরজই গৌর পেনের ভরে চলই নাপার।। গদং থপ্তন শীভুজ মণ্ডন কনয় থচিত অবলম্বন দও।। কলিযুগ কাল ভূজকমে দংশল থাবর জক্ম পেথী। প্রেম সুধারস জগভরি বরিথত গোবিন্দ দাস তাহে কাহে উপেথি।। ১ গোরী।। দেথরে পুবল ।। বেশ ধারী। নাম নিত্যানন্দ ভাইয়া বলি রোয়ত ভাব বৃথিতে নাপারি।। গ্রা। ভাবে ঘুর্ণিত লোচন চল২ দিগ বিদিগনাহি মানে। মক্ত সিংহ জিনি গরজন ঘন২ জগমে কান্ত নামানে।। লীলা রস্ময় সুন্দর বিগৃহ আনন্দে নটন বিলাস। কলিমন দলন দোলন গতি মহর কীক্ত ন করল পুকাশা। কটীতটে বিবিধ বরণ পত্ত সহর কীক্ত ন করল পুকাশা। কটীতটে বিবিধ বরণ পত্ত পহরণ মলয়জ লেপন অকে। জ্ঞান দাস কহে বিধি মিলায়ল আনি কলিমে এই ছন রক্ষে।। ২।।

থনাজী। প্রবে গোবছন থরল অনুজ সঙ্গে জগজনে বলৈ বলরাম। এবেসে চৈতন্য সঙ্গে আইলা কীক্ত ন রঙ্গে আন শে নিত্যানন্দ নাম ।। পরম উদার কর্ষণাময় বিগৃহ ভুবন মঙ্গল গুণ ধাম। পৌর পিরীতি রসে কটীর বসন খসে অবতার অতি অনুপাম।। নাচত গায়ত হরি২ বোল ত অবিরত গৌর গোপাল। হাস বিকাস মিলিভ মধুরা ধরে রোয়ত পরম রসাল।। রামদাসের পত্ সুন্দর রসবর গৌরী দাস নাহি জানে। অখিল লোক জত ইহ রসে উন্ মত জ্ঞান দাস গুণ গাণো। ৩।।

थना भा हाल निष (भूम जत मिंग हेल मल कर्स भर जत

निक भारिष्ट ७० गारा ॥ एथ जाइ जावनी मल्ख निज्ञानमा (गारा मूथ हित कजवाहरा जानमा। ५ ॥ भित्रधान नीलपढी जाह नि नात्र हिक्टी जाउत जाव नाहि जात । जाक हिल्टि हिल्ल (गोर्डर) विल निर्मि हिल्ल जात नाहि जात्ना। यूगर त्राम मूकन भुजि भावक भाष जीत कित्र जिनामा क्षिक्ष हिज्न होन्द्र क्षिनिज्ञानमा खारा गारा वृक्तावन माना। ८॥

ধনাজা।পের মন্ত মহাবলা চলেনিতাই দিগ দলি পর্না পরিভেনারে ভারা। অব ভবি সুন্দর গতি অতি নমুর কি ছার কুপ্তর মাতয়ারা।। প্রেমে পুলকিত তনু কন্যা বংশ জানু প্রেমপারা বংশ দুটী আঁথে। নাচে গায় গোরা গুণে পূর্ব পড়েছে মনে ভাইয়ারে২ বলি ডাকে।। হুহু স্থার মালসাটে কেশরী গরব টুটে সুনি বুক ফাটিমরে পাহজী জনা।লগুড় নাহিক সাথে অবুণ কপ্তক হাতেহলপর মহাবার বানা। কিবল পতিত বন্ধু বংশর রতন নিন্ধু অন্ধের লোচন পরকাশ। পতিতের অবশেষে রহি গেল গুপ্ত দা সে পুন পহুঁনাকৈল তলাস।। ৫।।

## শ্ৰী অদৈত চন্দু।।

শীরাগ ।। সুরধুনী বারি ঝারি ভরি ডারই পুনঃ২ অবি চারি। কোজানে কাহে লাগি কাহে অকিসিঞ্চ লীলা কোই ব্যাইনাপারি।। সিতাপতি অধৈতপহু।হেরইতে মধুমন লাগি রহ। দ্রা। নবং ভুলসীক মঞ্জরী তহিপুনঃ দেই হাসিং। কবহু গৌর সিতশ্যাম বনোহিত কোজানে কতহু মূরতি পরকাশি ॥ ডাহিনে রহু পুরুষোত্ত ম কামদেব রহু বাম। অপরূপ চরিত হেরি সব চমকিত গোবিশ্ব দাস কি কহব গুণগাম।। ১।।

## क्रिक्स वाना ना ॥

ভাটিয়ারি ॥ পাখানি নাচাইয়া নৃপুর বাজাইয়া বসিয়া
নায়ের কোলে। ঈষৎ হাসিয়া মাখন তুলিয়া আখ২
বানি বোলে ॥ কাঁচা মরকত নবনী জড়িত মনহর তনুখা
নি । হাসিয়া২ অমিয়া সিঞ্চিয়া বোলে আখ২ বানি ॥
याँহালাগি শিব ছাড়িনিজ বৈত্তব বিরিঞ্জি স্থানেনাগরিয়া
দির শ্যাম দাসে বলে সেই গোপাল কুত্হলে নমুর গৃহে
প্লায় লোটায়॥১॥

मार्जेत । आक्रिनाम नाठक नन्म मुनान । किमिल बुक वश्रु नाठक भायक वानक थहर कान । धा थमकिर मृमू मन्म मधूद्र भिक्क चुक्क द्वा क्षेत्र मुन्न विश्व अभिन वार्थर वाल द्वा क्षेत्र वाल वार्थर न्युत किमिल वार्थर न्युत किमिल वार्थर व्यव वाल वार्थन क्र भिन्न वाल वार्थ व्यव वाल वार्थ व्यव वाल वार्थ व्यव वाल वार्थ व्यव वाल वार्थ वार्य वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्थ वार्य वार्य वार्थ वार्य वार्य वार्थ वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वा तामकिनी। (एथमाई नाठा नम्स मुनान। मिन मयन भूत कि भित्र माध्य (माइन छेत्र वनमान। आ। (भाशिनी का माठा वालक यूथर भाया (वाला जान। जीन्स म्मिक्यू नि उथई थई ज मूनि न्भिष ज्भिष जान। नहर हाम जाय म्मु (वाला निकमा (माठाम निक्र माठा वाला कि माठाम हाम जान जान जीवन भित्र माठाम जीवन भाव कि माठाम जीवन कि माठाम जीवन कि माठाम जीवन भाव कि माठाम जीवन क

जिति शिमित स्वित वाहा हा उत्त वजन। कल जी उला है शा जारत लहे व अथन। सित जिजा न वाला हे लहे शा जारत जारत हल का है शा घाँ पत्र नृत्र क्रमन वार् जिल्ला जाति कि का उला थला है छ हिमारम जारण घरत रत्त ला का कि कि का उला थला है छ हिमारम जारण घरत रत्त का कि की त ननी।। मूहे बहेन जा मा है शा गृह कमा रत्त लिला वहेशा भारत है रव रक्मन छे लाशा। कल जी ला तिला का रिश् हा उप ज जा जी मारक रहा त रिश् थवल शिया शा मारस त कक्षा जा स मुनिया हा जिला वाम जारत ह रता नुक् बा शा কিন্ধিণী কাছনিধনি অতি সুমধুর সুনি রাণী বলে সোনার বাছা যায়।। ভুবন মোহিয়া উরে আঞ্চু লের নথবরে সো নায় বান্ধিয়া থোপা তায়। ধাইয়া যাইতে পিঠে অধিক আনন্দ উঠে নরসিত্হ দাস গুণ গায়।। ৫।।

थनान्।। जारम याग्न यम्मिनि भाष्ट जानी थाग्ना नामुत्न নায়ের বোল ফিরিয়া নাচায়।।বাদব সোর আয়রে আয়। বাহু পসারিয়া ডাকে তোমার মায়া। গ্রা নাহি মারি नाहि थित नाहि रिलिएत। निर्मात रिलियाहि तथि गिया বাছুর ৷৷ অৰুণ নয়ানের জল পড়িতেছে উরে ৷ নাজানিকে यन विधि लाशिल (यादि॥ व॰भीवम्यन विषा जून म्याभय। কে তোমা মারিতেপারে কারে তোমার ভয়॥৩॥ विजान।। (इएएण। রামের মা ननी চোরা গেল এই পথে। नम् मम् वलु भारत लागालि शाहरल जारत माजाहै कतिव ভাল মতে ॥ শূন্য ধর থানি পাইয়া সকল নবনী খাইয়া দ্বারে মুছিয়াছে হাত থানি । অঙ্গুলের চিনাওলি বেকত হুইব বলি ঢালিয়া দিয়াছে তাতে পানী।। ক্ষীর ননী ছেনা চাঁচি উত্তকরি শিকাগাছি যতনে তুলিয়া রাখি তাতে। जानिया मथन एश जाकिया ननीत जास नागर थाकिया মুথ পাতে ।। ক্ষীর সর্যতহয় কিছুইনাহিকরয় কি ঘর করণে বসি মোরা।যে মোরে দিলেক তাপ সে মোর ङ्हेशाष्ट्र वाश शताण गातिव ननीराता ॥ यणपात भूश

क्रिक (अर्थकिकी (एशाया क्रेशित (स सात जाका स समिशि। गेर्

তাঁবিয়ারে পশি বেকত হইল শশি ধাইয়া বরিল নশ্ব রাণি ৷ যদুনাথ কয় দঢ় এবা কানুরে এড় আর কভু নাথা

इर्व ननी ॥ १॥

व्याहिती। व्यागि नाथा है ननी र । जां एक ननी जां एक व्याह्म नावाथ जननी ।। जा। व्याव हा अयाद्या ननी थाय जाद कठ वाँ एवं भारा । नन्म (द्याय च्यत व्याहेट्य भागित विमाय ।) नाथां कित (जां व्याव व्याव थां के (जां ता। व्यावाय वृष्ट भारत व्यव ननी (जां ता। ।। व्या हिया नावास भा वास्तन शा र व्याह्म (द्य (प्रथ क्य श्रम क्याह्म क्याह्म व्याह्म व

টোড়ী।। আমি কিছু নাহি জানি ভাঙ্গিছে ক্ষীর ননী তোমারে সুধাইতার কথা। নাদেথি গোকুল চাঁদ কেম্ন ক্রমে পাণবলনাগোপাল পাব কোথা।। আমি কি এমন জানি ক্রেলে ক্রিয়েদ্মণিযাদুরে করাই তন পান।মোরে বিধি বিড্রিল গোরুস উপ্পলি গেল ভাদেথি ধরিতেনারি পাণা। গোপাল নানৈল কোলে ভুলিনু রোহিনী বোদে সে কোপে কোপিত যদুমণি। কোপিত নয়নে চাইয়া ছিল মো পানে আমি কি এমন হবে জানি।। তোমারা করিছ খেলা গোপাল কোথায় গেলা দঢ করি বল এক বোল। বলরাম দাস বলে আকুল হইয়া সভে রাখালের মাঝে উতরোল।। ১।। विजाय।। (तार्श्नि विश्नी (गायापु आभात विश्नन श्रे তে হারা। পরাণপুতলী ধন দটি আঁথির তারা ॥ জ।। তিলে তিন বার খায় একীর নবনী। এদুঃখে কেমনে জীয়ে भारयंत्र शतानी।। यादा शृष्ट्रि म वल यामवनाहि दूर्था। कि कतिव किवा इड्ड आत याव (काथा।। वजु ताभान क হে সুন নন্দরাণী। কদম্বের তলে থেলে তোমার যদুমণি। ১° वार्विश मण्डारेशनल्पत वारम लाभाव काम जन রাগৈ বুক বহিয়া পড়ে ধারা। নাথাকিব তোমার ঘরে ज्यभगभा (म्र भारत मा रुरेशा वला नर्नी (চারা।। वितिसा युगल करत वाँधरय हाँ हन एए। ति वाँरिय तांशी नवनी लांशि यो। আহির রমনী হাসে দাঁড়াইয়া চারিপাশে হয় নয় চাহ সুধাইয়া।। আনের ছাওয়াল যত তাহারা ননীযায় কত মাহইয়াকেবা বাঁথে করি।যে বলো সে বলো মোরে नाथाकिक एडाइ यस जना मुक्त किएड नाभारि ॥ वना व थाहेशाए ननी मिष्टा छात्र वर्षा दानी जान मन्द नाक्र বিচার।পরের ছাওয়াল পাইয়া নারেণ আসেন ধাইয়া णिण विधा मया नाहि जाता। जक्ष विधा जाए जात यज অলক্ষার আর মণি মুকতার হার। সকল খসাইয়া লহ जागात विषाय (एक अपुः थि यभूना इव भाता। वलताभ দাসে কয় এই কমা ভাল নয় ধাইয়া গোপালকর কোলে। যশদা আসিয়া কাছে গোপালের মুথ মুছে অপরাধ ক্ষমা क्रव (भारत ॥ ) )॥

### পদক পলতিকা। শিক্ষের গোপ্ত লীলা।

শোহিনী। গোপাল নাকি যাবে দূরবনে। তবে আমি না জীব পরাণে।। এদধি মন্থন কালে সমুথে বসিয়া থেলে আহ্নির বাহির নাহি করি। আহ্নির বাহির হইয়া যদি গোপাল থেলে যাইয়া তবে পুণা পরিতে নাপারি।। গোপাল আমার ন্য়ানের তারা। কোলে থাকিতে কত চমকি২ উঠি নয়ন নিমিকে হই হারা॥ গোপাল আমার পরাণপুতলী। তোমাকে সঁপিয়ারাম কিছুই সন্দেহ নাই তবু পুণা করয়ে ব্যাকুলী॥ ২ ॥

টোড়ী। অৰুণ উদয় বেলা সব শিশু হুইয়া মেলা সতে গেলানন্দের দ্বয়ার। সিঙ্গাবেণু বাঁসীরব করয়ে রাখাল সব গোঠে আইস নন্দের ক্যার। গোপাল ভুমি যাবে

টোড়ী। গোঠে আনি যাব মা গো গোঠে আমি যাব।

শীদামের সঙ্গে আমি বাছুরি চরাব।। চূড়াবেঁধে দেমা
পাঁচনি দেমা হাতে। মোর লাগি দাদা বলাই দাঁড়াইয়া
রাজ পথে।। পীত বড়াপরা ওমাগো গলে দেমা বনমালা।
মনে পড়ে গেল আমার কদম্বের তলা।। ঘনশ্যাম দাসে
কহে সুন নন্দরাণী। বিলম্ব দেখিলে শ্রীদাম আসিবে
এথনি।। ৪।।

কানাইএর বিলম্ব দেখি খ্রীদাম আইল। ঘরে বসে কি কর ভাই বেলা কত হলো।গোভি বৎ স আশুসরি চলিল বিপিনে। সুবল আদি সব স্থা গেলভার সনে।। বিলম্ব হইল আমি আইলাম লইতে। বিলম্ব নাহিকর চলহ ল রিভে । খ্রীদামের কথা সনি কছেন কানাই। আমারে विमाय (मय ना कि कित्रव जाई॥ नाना विश्व वाक्र जित्र भाष्य्रत किशा। भारतेत्व छिनाम नीनमणि नहेशा। ६॥

কামোদ। বিসিয়া সায়ের কোলে ননী থেতেই দোলে হেনকালে প্রীদাম আইল নিতে। নিতিই সাধবো তবে। গোঠে যাবি। বিনি কড়িতে নফর কোথা পাবি।। কালি কত মেরেছি ধরেছি কান্দেতে চড়েছি তোতোকার করেছি মোরা। প্রেরের হেরেরে আয়রে কানাইয়ে প্রের গোপ জাতীর এবারা।। ভাইই পুথম খেলার বেলা বড়ই আন ন্দ। থেলিতেই শেষে হয় বড়দ্বন্দু।। কালি চুলেই করি য়াছিরে খেলাবার বেলে। প্রের সে কথাটি ধর যদি খেলা গাহি চলে। ৬।।

সুন শিশু গণ করি নিবেদন শ্বরূপে কহিয়ে তোরে। ওরে রে হাঁরেরে আয়রে কানাইয়ে বলিয়া ডাকি ও নোরে।। অগন্ধ চন্দন বিনয় বচন দিলে যত নহে সুখা ওরেরে হেঁরে রে আয় বলে ডাক দ্বিশুণ বাড় যে বুক।। ৭।।

'अज़िशी कि कि ।। আजि अफ़िशा यादि कालि (मानान नाठे। व जात मत्न। वाष्ट्र ति हता हैशा अला अभिन घुमा हैशान कालि कि हु था स ना है तामदा। अन्हेशा कि है। ति ह या हत पहुँ है आना आनि अफ़्फ़ान्म। वालक्टर (थान यत या है उ नथ जुल मुहिश ज मूर्थ मिशा काल्म। नित्र वा स पहांगि है है। इस जात । (म क्यान बत मिन्न) विश् अई जय आभात ॥ ई ॥ प्रश्च प्रभवात थाय जात नि नाहि लिथा। नवनी नूवि (गांशान शाह् अप्र अका ॥ आत अक कथा विन भून हम्बदा। यभपा नम्पन विन नाजा विह शत्र ॥ याष्ट्रियानवनी पिरु निकर्ष ताथिव। विन अव भान हहेल्म भकाल आजित्य। ৮॥

सानभी !! मरख ममवात थाय याक्षा (मरथ जाक्षा जाय (हन)
मिर्स अकीत नवनी। ताथिक जालन कार्छ (जाक्ष्णान ला)
रा भारू जामात रमानात यामु मिर्ग। मून वालू इल धत
क निर्दार त्यात अवे रमालाल मारयत भता।।। यावेरज
क निर्दार त्यात अवे रमालाल मारयत भता।।। यावेरज
कामात मरनमाध कित्रया मान्याल मान्यालया भत्र जाल मन्द्र ना
किक रमयान।। मान्या करमात जालन भत्र जाना करत निर्मेश्य
जालनि क्वेल मार्यान। वाम करत क्लध्त मिन्नश्य
जालनि क्वेल मार्यान। वाम करत क्लध्त मिन्नश्य
निर्दार मून वलावे निर्दार वानि। वमुरस्य मारम याल
जिजिलनया स्वत्र करल मृत्रिया भिष्ठल थत्री।। २।।

ভাটিয়ারি ।। বলরাম তুমি নাকি আমার গোপাল লইয়া
যাইছ। যারে চিয়াইয়া দৃশ্ব পিয়াইতে নারি তারে তুমি
গোঠেরে সাজাইছ ॥ বসন ধরিয়া হাতে ফিরে গোপাল
সাথে২ এক দণ্ডে দশবার খায়। এহেন দুধের ছাওয়াল
বনেরে বিদায় দিয়া পুণাকি ধরিতে পারে মায় ॥ যেমন
ভাগ্য করি আরাধিয়া হর গৌরী তাহে পাইলাম এদুঃখ
পাসরা। কেমনে ধৈরজ ধরে মায়ে কি বলিতে পারে বনে

शाउँक अनुभ कुछाता॥ जल थाईएं शिशाहिल जानल বৈটিয়া ছিল দুইহাতে অনল ধরি পিয়ে ৷ নন্দের ভাগ্যের विलयममात्रभाव भाषा काल (उँचे (गाभाल भाव जी द्या।) काशाम् ॥ (भारतेत्र माजिल वित्नामिया । जाजित वालक गण गांश तामक्ष खण (गांभी दिव छाममुथ ठाइसा ॥ आ। णानिक्छ नन्द्राणी माजाইया यदूमणि नाना जाउत्रण भी छ बाम। क्रश रहित वृजनाती जाँथित निमिथ छाछि शिरा क्रश गियाश शिशाम।। याशम शह्मव वितिश्वित मुह्मछ याशित अंग्रीत অভিদূর। ভাগাবতী নন্দ্রাণী পাইয়া প্রশামণি भाग्न थित भवाग्न नभूत ।। भारते याग्न छ इति हुए। वास्य भन्त भ के शिटि मिन भागेकि (छात । थछात जाँ छन जित थाई छ मिल कीत ननी कारम तानी इइया विरजात ॥ जाहित वालक मन्नो कं जना कं जन्मी जात मासि भागम नहे त्रास् । धुजवङ्गास्त्र ना िक्स त्रिक् हत्वा जिसर (भाविना मान তাহাচায়॥১১ ॥

বায় র ।। কাঁদিয়া সাজায় নন্দরাণী। চায় গ্রহণর পানে বারা বহে দুনয়নে মুখে নাহি মরে কিছু বাণি॥ দ্রা। অলকা তিলক দিতে মুখ যামে আচমিতে কান্দিয়া বিভার যাশ মতী। নারিলাম পাঠাতে বনে হেরিয়া সেমুখ পানে শিশু গণে করয়ে বিনতি।। স্তন ফীর আঁথি নীরে বসন ভিজিয়া পড়ে বেশ বনাইতেঁ কাঁপে কর। কান্দি গদ২ কহে আজি রাখি যাহ সতে শূন। নাকরিছ মোর ঘর।। ১২ ।।

কানোদ। বিপিনে গমন দেখি হয়্যা সকৰণ আঁখি কা मित्उर नम्द्रांभी। भाभाषाद्व काल नगु। भूजि जाय राज मिया तक्ता राज भएरय जाशिन ॥ अम्थानि व्याक्षाभारा व्या वाथून जाराकान वक्षा क्षण (प्रवर्ग। किटे जिंदे जुर्यावत तक्षा कक्ष यद्धिश्वत क्षत्र त्राथुन नाता य्या । जुड़ युश नथाक नी वाशिदन वर्नमानी कथे वाथुन দিনমণি। পৃষ্ঠ দেশ হয়গুবি মন্তক রাখুন শিব অধঅঞ্ त्राथुन ठक्ष भाषि॥ जल इल शिति वस्न त्राथियन जनाप्रि मनिगमनिगमनिग भाषा। यजनाव इउक भिव तक्षा कर्षे । সর্ত্র নহে তুমি হইও তারকাল।। এইসব মত্রপড়ি পুতি অঙ্গে হাত ধরি গোমুত্রের ফোঁটা ভালেদিল। 💯 भाषत्व करा नम्पतानी (भूगमस वनतात्मत कार्ज मर्ग र्शिव॥ ३०॥

ভাটিয়ারী !। যাও গো তবনে রাণী যাও গো ভবনে । এরে দিব তোমার গোপাল বেলি অবসানে।। লইয়া যাই ছি তোমার গোপাল রাখিব বসাইয়া। আমরা ফিরাব খ্রে টাদমুখ চাইয়া।। লইয়া যাইতে তোমার গোপাল পাই বড় সুখ। বেণু রবে ফিরে ধেনু এবড় কৌতুক।। একদিন দাবানলে মরিভাম পুড়িয়া। তাহাতে রাখিল ভাইয়া। কেমন করিয়া।। যেদিন যেমত করি গোপাল ভাহা জানে। জুবা লাগিলে অয় কোথা হইতে আনে।। ১৪।। টোড়ী।। আজ মনের আনন্দে গোঠেচলিল দোন ভাই।

শুই। মিজগণ সঙ্গে রঙ্গে কত থায়ত আর কত কুলবতী নারী। জয়২ কার করত নব বধুগণ কনক কুন্তভারি বারী।। আনন্দ কোককগুর। কুলবতী চিচি অউালিকা উপরি হের ইতে লুবব চকোর।। নয়নে২ কতত্রস উপজল দুত্মন ভই গেল ভোর। পোম রতন ধন দুহে দুক্ত পায়ল দুক্মন দুক্ত ককচোর।। চলইতে চরণ অথির নন্দ নন্দন শীতল পীত পটবাস। নিজহ মন্দিরে চলতত্ সবজন কি কহব গোবিন্দ দাব।। ১৬।।

#### উত্তর গোষ্ঠ ॥

বেলোয়ার ॥ জননী বিরাজিত বেশ উজর। গোঠ বিজই বুজ রাজ কিশোর ॥ জ্ব। আগে অগণিত যায় গোধন চলিয়া। পাছে বুজ বালক যায় হৈ হৈ বলিয়া।। সম বয় ক্প সবহ করি ছাঁদ। রাম বামে চলু শ্যামর চাঁদ।। ময়র শিখ্পপ্ত চূড়ে ঝল মণিয়া। মণিময় কুগুল গণ্ডে টলমণিয়া।। শিরঃ পর চাঁদ অধর পর মূরণী। চলইতে পছ করত কত খুর লী।। কট তিটে পীত পটাম্ব বনিয়া। মন্ত্র গতি কুগুর বর জিনিয়া।। মণি মন্ত্রীর বাজত ঝন ঝনিয়া। গোবিন্দ দাস করে ধনি ধনিয়া।। ১।।

টোড়ী।৷ যসুনাকো তীরে ধীরে চলু মাধ্ব মন্দ মধুর বেণু वा अहेरत। इन्ही वत नयनी वत्रखवध का मिनी जपन का जिया वर्ग था अकेरत ॥ अ॥ अभिज अत्र शत अभिज अत्र भी कर অতসি কুসুম অহি করম সূতানিরে। ইন্দুনীলমণি উদার মরকত শীনিন্দিত বপুঃ আভারে॥ শিরে শিথগু চূড় প্রব ণে গুঞ্জা ফল নিমাল সুকুতা লম্বি নাসাতল নবকিশলয় णवड॰ म (गात्र हम जनस्क जिन्हा क स्थान कार्य कि वि পিতামর বেক্রবাম কর কমুক্তে বনমালা নন্ত্র বাত্ त्राग दिक्ति कलावत्र हत्रश हत्र भित्र भाजाद्र ॥ भाष লী ধুসর বিশাণ কক্ষ তল গোছাদন রজ্জু বিনিহিত কন্মর রঙ্গ ভূমে অই বিরাজিত নটবর রূপে জগমন লোভারে ।। त्का शूत्रम्य पिन्या भक्त (याश्रम् क्यना (मर्विनित्र उत् সোহরি কৌতুকে বরজ বেস ধরি গোপ রমণী অভিলা ষারে। সোমধ্রিপু পদ অনুপম পুক্রর পরাগ লালস মান সমধুকর অভিনব সত কবিদাস জগমাথ পেম ভক্তি ञजिनास्त्र ॥ २ ॥

रहे। दी। (थन मान लाक बाक स्थान वाद्य ग्राम

काहिन विभान (वणु (वज मूत्रली थूत्रली भागति। श्रियामाम व्याप्ताम माम मिल उत्रिश उनुका जीति (थिल ध्वली भागमणी आखितर कृकित हिल्छि कानती।।वर्याण किरणांत्र (माहन जांकि वहन इन्द्रु उन्नत्र कांकि हाक हन्द्रु खुक्षाहात्र माहन जांकि वहन इन्द्रु उन्नत्र कांकि हाक हन्द्रु खुक्षाहात्र माहन (माहन जानती। आगम निगम कित्रया मात्र लीला तर्क (भाग विहात नभीतामामूम कत्र आम हत्रश् नत्रण नत्रण मानती।। अ।।

বিদ্ধান্ত বিশ্ব চরায়ত বেণু বাজায়ত যমুনাতীর পুলিন বিদ্ধান্ত বিশ্ব সাম সুদাম সুদাম সুবল মহাবল এসর পোল সংগা সগণো নাইবেল লুকেল চূড়া লিখা সাজনি মালতী মাল পুলার দলে। গ্রু তি পাল বিলাস মণি নকরাকৃতি কু গুল মণ্ডিত গণ্ডে দোলে।। কটি কুটিপীত বলায়নি কাছনি কিন্ধিণী কাঞ্চন দাম ঘনে। চরণ কমল দলে লাল মাগ্রিত পণ্ডিত তাপ ভলন্ত জনে।। জয় কৃষ্ণ দাস পত্ত গোবদ্ধন গারণা নীর বিশ্বস্থা মন্তি। অথিল বৃদ্ধান্ত ভাগু করি মন্তিত তাকর আগো কাছাকো গণি।। ৪।।

ति । ज्ञान करण्या । ज्ञान करण्या । ज्ञान करण्या । ज्ञान करण्या । ज्ञान ज्ञान करण्या । ज्ञान ज्ञ

जाि शाबी ।। (थएन ताम ताम ताम कानाहै। यमूना उक्त हा श्र (थनन एनन जाहे।। क्षा ताम कानाहे पृष्टे जाहे पृष्टे िएए पाँ पाँ हेना। पूजरन ममान (थन नाँ पिशा नहेना।। मूनन वनाहेरात पिएन नाहिए जाि ना श्री पाम मूपाम जाता कानाहेथत पिएन नहिए जाि मजाहे ममान (थन नाहिशा नहें ना हाित्र काल हिएन काल थहें भग हहेना। माजा कात एथनाए जाहे राजा हिएन काल थहें भग हहेना। माजा कात एथनाए जाहे राजा हिएन काल थहें भग हहेना। माजा कात राजा कात राजा

আজু কানাই হারিল দেখ বিনাদ খেলায়। সুবল করিয়া কান্ধে বসন আঁটিয়া বান্ধে বংশীবট তলে লইয়। যায় ।।
শীদান বলাই লইয়া চলিতে নাপারে ধায় গ্রাশ্রম জলধারা বহে অক্ষে। এখন খেলা রবে হইব বলাইয়ের দিগে আর না খেলাব কানাইএর সঙ্গে। কানাইনাজিতে কভু জিভি লে হারয়ে তবু হারিলেজিতয়ে বলরাম। খেলিক কলাই এর সাথে চড়িব কানাইয়ের কান্ধে নহে কান্ধে করিব ঘন শ্যাম।। মন্ত বলাই চালে কে পারে করিতে কান্ধে খেলি তে যাইতে লাগে ভয়। গেড়ুয়া লইয়া করে হারিলে সভারে মারে বলরাম দাস দেখি কয়।। ৭।।

भात्रभा। त्राम खनवाम कक (थला । उशन उनग्रा नीत्र

नित्रिथ निज ছायदि जा मध्य कामि कदन कन लीला ॥ त्रका गिति थर्स किति गर्ब अशोग अला भत्र भाषी म्यन मुथ (गाजा। চূড়ে অবত॰শ শিখী পুছে নব্যল্লিকা गस्स चालि वृन्त अन्ताजा।। मन्ति मानि जध्य थय नयून नर्त जाएक वाक् भूटन जान श्रीत गारक। एस क्रिन नक् एक कत्म गरी मधन नीन वही जाहि जमति नाता। जाभन সমৰূপ সমৰূপ সম ভক্ষিয়া নির্থি তাহারে পুনঃ পুছে। কে কেরে কেরে তুত্ই তুই পপ পরিচয়দে দেনারে আর किन्ननारम्य वर्षा जारक् ॥ याम जीमाम वन्नमाम जम्म जारेत (म (मच जानिस यगुना नीति। विजीय वनतान আসি মোহে পর বঞ্চশাল সেথর নিকটে নাহিদ্রে॥৮ रिंग जी। आजू वरन अवनिज आनना वाथाई। शाजिया विसाम (थवा ताथाव रूड्नेव (जावा मृत वस राव भव ग्राह्मा है।। (धनु नामिथ्या त्न ठिक्छ ताथानगण्डी माय मुमाय जाना वादा कानाई वरणन जाई (थणा जान याति नारे जानित लायन त्ना अस्य ॥ मृत्य स्ट्रिंड त्व त्र খায় খেনু বৎস সব পুষ্ট ফেলি পিঠের উপর নিরখয় চাঁদ মুখ অন্তরে পরম সুখ রছে ধেনু কানাইয়ের গোচর।। গাই अव मातिर यन राया तव कति मोडाईन क्ष्य निक्रो मुक्ष यात्र भए प्रवाहि (भूष्यत जत्रक उटि स्मार्क गार्जी मार्ग य अक् ठाए।। २॥ मक्षा। (थ्वान्याविया अभ्यक रहेया नथा गण वहेया

সঙ্গে। ভোজন সন্তার ছিল ভারেভার ভোজনে বসিলা রক্ষা। যসুনাপুলিনে বেডি স্থাগণেমাথে করে বসে কানু। পাতিবনপাত তাহে নিল ভাত জলভরি শিক্ষা রেণু ।। সব স্থা মেলি করিয়া মণ্ডলী ভোজন করয়ে সুথে। ভাল ভাল কয়্যা মুখে হইতে লইয়া সভে দেই কানু মুখে। সভে বলে ভাই আনারী কানাই মোরে বড় ভাল বাসে । আমার সমুখে বসি খায় সুখে সদারয় নোর পাশে।। এই করি মনে করয়ে ভোজনে আনন্দ সাগরে ভাসে। বিশ্বয়র দাস করি মনে আস রহে সুবলের পাসে।। ১°।।

## मान नीना॥

টোড়া।। গোঠে গেল বিনদিয়া সকালে গোধন করী দিয়া।
সিকা বেণুর নিসান। গুরজন আছিনতে নাপারিণু বাহির
হতে নাহেরণু সে চাঁদ বয়ান।। কোনপথে গেল শ্যাম
রায়। যে সোর করিছে মনপুণ করে উচাটন চাঁদ মুখ
দেখিলে জুড়ায়।। গুল মতী নন্দ ঘোষ তাহারে কিদিব
দোষ গোকুলে গোবন হইল কাল। আমাসভার প্রাণবন
গোকুলের জীবন গোঠে গেল মদন গোপাল।। চল যাই
সেই পথে গসার লইয়া নাথে ষেখানে আছয়ে শ্যাম
রায়। আহামরি ননী জিনি সুকোমল তনুখানি গোবিন্দ
দাস বলিহরি যায়।। ১।।

প্রারণ । কে মানে মথবা বিকে যাব তারস্থে। ভেতিব

नागत्र कान माथ जाष्ट्र महन॥ श्रा भरताय्क भरतत मूर्थ শুনি কানুগুণ।শুনিয়া আমার চিতে বিন্ধিলেক ঘুণ।।নিতি নিতি অনুরাগে হারাব আপনা। যেহকু সেহকু দেখিব (कल (माना॥ जन्य निथिव कानुत्र नामिव পরিচয়। বিছিম হইয়া যাব গুৰু কুলের ভয়॥ নাপরিব অভরণ না कतिव नाम। उन जाहा प्रिया लव निजनील वाम।। यपिवा नागत मिर्छ मिछि भर् भात्र । त्राथि नातिव जन इइव বিভার।। তোমরা যতেক সখী মোরে রাখিছ গোপতে। तारी विन कान (यन नाभारत निथि ।। यमनाथ मान वरन थिक स्वाया । श्रामात्र होष कन्न हा न नाए त्रा ।। ।। (म् अगिती ॥ (थला त्म हिल क्ष कीमाभात गरन। (इन विल वाथात अधिया (गन मत्न ॥ (थन मह्म निर्याजिया अव अथागन। यमुनात मार्ट निया मिल मत्रभना। ठाँ रे वृथि। विमित्नन कमस्थत उला। अकिंग घरहेत् श्रनाश गाना मान लवात ছत्ता। एवं विता नामरक्त माजाइया भगता। (मई मथ्तात विक याग्र भिनिताता॥ (हाताक (मथ भा राष्ट्राई कमरत्रत जला। (य मिथि भिरमद घटे। जामाईत्व र्जा । (कनवा आईलाम विक्क आश्रना थाईया। वे (म्थ् एकि वाभी वाधाव नाम नरुया।। भागम हास्त्र ऐश्राव धवन छाएत (भना। जाङाति उभात (भाष्ड जिभित्तत् माना॥ ठारात उभत्र मल मয়ूत्र शृह माजा (হ্ন অডুত ৰূপ কেলা দেখিয়াছে। তাহার উপর মুক্ত ময়রের

পাখা। আমা হইতে জাতি কুল নাহি গেলরাখা।। ।।। গুজারী।। কোথা হইতেএলে তুমি কোথায় তোমার ধর। কিসের প্রসার ভাষার ভাষার উপর॥ হেন ধনীক্মলিনী কোথাকে গমন। নুনি জনার ধ্যান ভাঙ্গে দেখেও চরণা। नायाई अर्थनो रिका उक्जला आईम काष्ट्र वाल शाष्ट्र हत्र । क्या ला । हाहत हिकु ति (वंशी (मानिष्ट (कामति । क शित जत्रभ (येगी गिनिय भग्न दिया। क्रिक कुछ जिनि जाग्न কুচ যুগ গিছি। গজের ভরমে পাছেপরশৈ কেশরী। সিন্দু রের বিন্দু ভালে ভানুর উদয়।রবি শশি বলি পাছে রাছ गतामग्रा। निवनी तपन ताके उत मूथ करता भाकेल का ज़ित बाई मारून जुमारत ॥ नाना जाज्यन जारू करत राजमान । माक्न वुरात्र (हार्य निहित् मकिन।। वनद्राम माम कर् श्वन विरनामिनी। भागम अरक ब्रक्त ब्राम वा विकि किनि॥ 8 গুজারী।। এইত বৃন্দাবন পথে। নিতি২ করি গতাগতে।। अ।। यमि शाउ करत्र वार्यायार भाग। जुनि क नायल একজনা।। তুমি দেখি পুছহ বড়াই। কিসের দান চাহেন কানাই।। সঙ্গে সভে দধির পসার। তাহে কেন এতেক জ্ঞাল।। তাহে আছে ঘৃতদুখদি। ইহাতেই পাবে কোন নিধি।। তুমিত বরজ যুবরাজ। তুমি কেনে করিয়ে অকাজা। प्रकार होन शतिहान। (एथ उंट् लाविन मान।। ए॥ मुड़े।। रामती राजिया नारान किन को वाली। नाजान वि कानाई आहि अभाषत्र मानी।। करतत्र कक्षण आक्ष कर्ते एउ किहिनी। पूरे लक्क मान जात मारण मिहामानी।। इमरस काठील गरल गडमिन हात । जातिलक्क मान जाहि कित्रश बिहात।। क्लारल मिनमूत आत नयात्न काड़त । इस्कक्क मान मारण गितिश्ता। तक्षन आल्जा आत त्रजन मृश्ता। आहे लक्क मान मारण मानित ठीकुत्र।। अहे मकल मान त्रिश (महमानी तार्डा। आणि मान लव रजामात तमनी ममार्डा।। छान मान करह कानाई छाड़ ठिछ्लना। जुमि यम महा मानी रजामात ठीकुत रकानडना।। ७।।

किन्त पान श्वान काना है जूनि का नृजन पानी। विकि किन्ति पान श्वान मानिएय (वरमत पान नाहि मूनि।। भिथीत मिन्दूत नयात्न काजत तक्षन आवजा भाय। अकि विकित पन ना तित तमन जाल् का हात किया पाय। मिन अजता मूतक भाजी जाम किया नाहि शरत। यहि मात्नत्र अमृन गठि जूनिज शाक्व शिव पान माथ्ह यस यस ॥ आमही हिन्दु नाजानि कहिर्जनाजानि तम कित जाना स्त याजा शाविन पान करह क्यान जानित शरत मत्न कारजा। १॥

বরাডী। এগজগামিনী তো বড়ি সেয়ান। বলে ছলে বাঁচ বি গিরিধর দান।। চিকুরে চোরায়সি চামর কাঁতি। দশ নে চোরায়সি মোতিন পাঁতি।।চরণে চোরায়সে কৃষ্ণুম ভার। অধরে চোরায়সি সুরক্ত পুবাল।।কনয় কলস ঘন রস ভরি তায়। যতনে লেচলু আঁচলে ছাপায়।।গতি অতি শস্ত্র চলন সুচার। কোন ছোড়ব তুমে বিনহি বিচার।।
সুবল লেহ তুহু গোরস দান।রাই করব অব কুঞ্জে পয়াণ।।
বাহা২ বৈঠত মন মথরাজ। গোবিন্দ দাস কহে পড়ল
অকাজ॥৮॥

শীরাগা। রহুই বলি তমু যাও। তাকিলে নাশুন কানে এত অহস্কার কেনে গরবে ফিরিয়া নাহি চাও ॥ জ॥ গোলকের মাথ আমি আমারে নাচিন তুমি কতনা বিনয় করি বলি। বুকা আছি বত দেবে আমার চরণ সেবে তুমি भारत नाष्ट्रां सूथ जुलि ॥ खिनिया कानुत वानी क्रमर्य र्शिय थनी कशां किठिन कर्ष कथा। भावक छाड़िया কেনে গোপন চরাও বনে কি সুথে গোলক পতি হেথা।। তোমার কারণে ধনী পথে আমি মহাদানী লোচারণ ছলে থাকি বনে। निभि मिनि ভৌমা বিনে জান নালয় মনে কাল আমি তোমার কারণে॥ যে তুমি বচন বল কখন न। (मिथ जान मिन लाए इस कान माला भत्मात नाहि एत पुरावि नत्मत शत शाकुल मिन वई भारभ। कीत मत (इना मिश्यु अशाल मुक्ष आमि मकलात मानमित রাধে। পাইয়া ক॰সের পান সাধিতে যৌবনের দান দেহ मान कि काज विद्यास्थ।। इतिया अञ्चा मञी जान इति র গতি সীতা হরি রাবণ সংহার। বোলাহ গোলক পতি তবে কেনে হেন মতিভাল বুঝ ধরম বিচার ॥ নিত্যানন্দ্ माम क्य भिती ए जकव इस रहजा कतिया काजनाई।

হাসিয়াদুবোলবল পিরীতে তুষিয়া লে পিরীতে গোলক পতি পাই॥১॥

कृभानी भोती ॥ त्राथामाथव नीश्रमृत्न । किनी कनातम मानहत्न ॥ मृत्त (शन मथीश्र महिलवण्डि । निल्जनीश मृत्न नूर्व ताइ ॥ जूर्कर (विक (माहात यथत व्यान । कम्मान मथुश (यन इड्रेन मिनन ॥ माहात यथत मर्पू पूर्व कक्शान । निक अक मिन ताइयन तम मान ॥ मिनन (माह जतन श्रान याम। जानत्म (मवह (शाविन्स माम ॥ २०॥

# निकाविश्वा

শ্রীরাগ।। বেলি উছর হইল বিকি গেল বইয়া। আঁট করি
নৌকা আন সুনাগর নাইয়া।। এবার বাহিয়া চাপাও তবে
সে কুল পাই। পার হইলে দিব কড়ি ভোমার দোহাই।।
ভাস্থা নৌকা খানি ভোমার বেতের বান্ধন। ইহাতেই চাহ
দান ককের বৌৰন।। আগা চাপি প্রসার থোহ ওড়া চাপি
বৈস। একে২ করিব পার যত মথী আইস্যা দেখিয়া যমু
নার ঢেউ কান্ধে গোপনারী। পার হইলে দিব দান লক্ষের
কাঁচলি।। ১।।

জয় জয়ন্তী। পৃথম যৌবনের ভার তাহে লহ পসার এত ভার সহে কার নায়। তোমার রূপ দেখিয়া আকুল হইল হিয়াসাগর উথলে বিনে বায়।। গোয়ালিনী হিতবলি জলে পেল কাঁচলি মাথার ঘণ্ঘট পেল বেশ। আগা চাপি ভ্রা তর শুড়া চাপি পানি মার আমা করি কত লাজ বাস।।
যদি নদী করে বল নৌকা যাবে রসাতল কি করিব ও না
তেওঁ সরে। তোর হৃদয়ের মাঝে দুটি পয়োধর আছে সেই
ভরা করিব সাগরে।। গঙ্গারে মান ধবল ছাগল সুর্যেরে
মান চীত। আমারে মানহ সুরতী আলিহ্নন তবে সে চা
পাইয়া দিব ভিতা। ২ ।।

ধানশী। এনৰ নাবিক শ্যামর চনা কৈছন তোহারি হ্রদ্ য় নিরবন্ধ। ধা গুরা বোলে পোরস ঘনুনার ঢার। কারণ কাঁচলি তোরিণু হার। কর অবসর নাই সিচইতে নীর। এতিক্ষণে তবহু নাপাইনু তীর। হামু নিরস তুহু হাসি উতরোল। কেহু জীউ তেজই কেহু হরি বোলা। এতদিনে কুলবভী কুলে পড়ু বাজ। চড়ি ইহু নার গ্রেক্ষালাজাণ উভরিলে পার যোজুহু সাগ। সখী সঞ্চে খোজি ধরক তুরা আগা গোবিন্দ দাসে কহে সময় কুকাজা নাবিক স্ব তণ নাবক মাঝ। ৩।।

ভাটিয়ারী।। শুনলোবড়াই বুড়ী তুমি সে নাটের ওড়িছা।
নিয়াকরিলি পরমাদ। মোর মনে রতছিল সকলি বিফল
হইল দুরে গেল বর বাবার সাধা। দুকুলে বহিছে বা কাঁপি
ছে রাধার গা নক্ষ সুত্রবিন কাগুারী। গুরুণী নবিন নয়
ভার দিতে করি ভয় ভাকা নায় বসিতেনাপারি।। হাসি
বলে গোবিন্দাই পার হবে ভয় নাই অনুগত কত পার ক
রি। দেবতাগন্ধর কত পার করি সত্র যবতী যৌবন কত

ভারি। শুন বিনোদিনী রাই নয়ন ইক্তি চাই কেন মন করিলে চুরি। হাসি২ ধীরে২ ভাকা তরণীর পরে আঁচলে ধরিতে চায় হরি। সধীগণ দেখি রক্ত আনছলে দেই ভক্ত রাই কানু রহে এক পাশে। কাম কলহ বাদ প্রলমনের সাধহরবিত দেখিবংশী দাসে।। ৪।

শ্বিষ্ণের গোপ্ত হইতে গ্হে আগমন।। শীরাগ।। রোহিণী গোকানুরে আনিয়া দেহ মোরে। আ जिस्क विषय (कन जाजि इड्ल এउक्र किन्नान (कन्नन भाग करत । अ। अन्य उत्त काल वा द्वा गर्या हता नवनी नागिन (मात्र जारगा मुहै वर जाजागिनी उँखत नाहि लं (किन नाजानि काथादा (भन तारभ।। कानि याष् यदा আইল ঘর মাঝে ঘুমাইল মুই অম নাদিনু চিয়াইয়া। সেই अनुदारि भारत या प्रव ना आहेल घर आडू निमि (भाराव वानिशा। किम्प्रा (भारान वाजि विधि रहेन कुम्जि वाम र्रेण की जगवान । यामस्त्र कार्या पुरश्य उक्र जानिन न থে কানু খিনু নারছে পরাণ।। শিবরাম দাসের বাণী সুন रिशा यमारा जागी कानु जाइरम शाधन वहेशा ছाড़िश अकल पुःथ (एथ जिया हा मिश्र अन मुर्थ नसान जीत्रया।।) (गोत्री॥ (गाविना जी जा अंज (गावन मरका रेयक्न कमल (नश्रव्ये मिन कर टिड्न वृद्ध वर्ष मत्या विन अवमान श्रित युष्ट्र नैन्त्र (धनु कित्राय (वनु भूरता गरून एक्। गित्रि

अव (थन वक कित भिनाशंख रामुनाक जीति।। क्रांगर नाठ छ क्रांगर गांशंख करार शाँठिनि किताशं। थक्नी भागमनी विस्त सन्द कृकत्र करार मृत्रनी वाकाशं। भनशंक कृक्ष मृशंक ठंकुः भभ (देभ कन्म पृष्ट भार्ता। थून प्रीम शामि भूक प्राण्य प्रा

#### আরতি॥

গৌরী।। সাঁঝ সময় গৃহে আওত বুজ সুত যশমতী আনন্দ চিত্। দীপহি জালি থালি পর ধরলহি আরতি করত গা য়ত কত গীত।। থলকত ও সুথ চনাে বুজ রমণী শণ চৌ দিগে বেচল হেরইতে রভিপতি পড়লহি ধনা। গ্রা গুটা তাল মদক বাজায়ত শংখ শরদ ঘন জয় জয় কার। অর থত কুসুম দেবগণহর্ষত আনন্দ জগজন নগর বাজার।। শ্যামর অক মনোহর মুরছিত কনি বনমাল অজানু বিশ্ল জ। গোবিন্দ দাস কহে ও ক্বপ হেরইতে সংশ্লয় যৌবন লাজ।। ১।।

কল্যানা। মোহনললিতা করত আরতি। ওওলু অওক ধুপ পরি পূরিত সুললিত কপুরকে রাতি।। দ্রা। দ্যাম গৌর দুহুঁ রূপ ঝলমল অধরে সুরক্ষিম হাস। নির্থিতে গোপ গোপী তনু পুলকিত জয় জয় ধনি পরকাশ্যা কর কমলোপরি ভ্রাই দীপাবলি দুহু মুখ শৌরড সোভা ৷ কৃষ্ণ দাস চিতভাই অবিরত ব্রণিনাপায়ই সোভা ॥ ২

# क्षित्रका क्रा

কল্যানা। দেখ সখী মোহন মধুর সুবে শণা চন্দুক চাৰু
মুকুতাফল মণ্ডিত অলি কুসুমাইত কেশণা। গ্রা। তক্ষণ
অকণ ককণাময় লোচন মনসিজ তাপে বিনাশণা অপার্কপ
কপ মনোভব মক্লমধুর মৃদু হাসণা। অভিনব জলধর
কলিকক্ষেত্র মানিণী বসন বিকাশণা ক্রিয়েজড় অজড়
সকল পুলকাইত কুজা তবন কৃতবাসণা বোপদ পক্ষ
ভব নারদ অজ ভাব অভাব বিশেষণা বুজ বনিতাগণ মো
হন কারণ বিরচিত বিবিধ বিলাসণা পঞ্চমরাগণ তাল
তরহীত অধরে মিলিতবর বংশণা অভিনব কমলজিতল
পক্ষ বিরবাহু মনহংসণা। গা

वता जी।। महामूत्र रक्ष विश्व भागा जित्र माना।
महामूत्र मिन कुछन कनमा महामूत्र जिलक तमाना। प्रथा
महामूत्र मिन कुछन कनमा महामूत्र जिलक तमाना। प्रथा
महामूत्र मिन कुछन कनमा महामूत्र ज्ञान महामूत्र महामूत्र महामूत्र जाम विश्व महामूत्र जाम विश्व महामूत्र विश्व महामूत्र विश्व महामूत्र विश्व महामूत्र महामूत्य महामूत्र महामू

(विलाशाल।। विकार महाब जान मुथ म अल मिठि जिल्म निष्धिन (कात । किए अधितम स्पूर्ण काम देशातक शिशि আননে আঁখি পড়ল বিভার।। বরণি নাছোয়ে রূপ বরণ চিকনিয়া। কিয়ে ঘন পুঞ্জ কিয়ে কুবলয় দল কিয়ে কাজর किर्य इन्त्र नोल गणिया।। आ अक्ष वलय हात गणि कु एल कनक नृश्रुत करें। किकिशी कलना। अख्रुत व्रत्न कीत्रन किरम एतर का लिन्ही जल (यह हा एकि इनना।। हाइत (क लिकिनात कुछमावली ममिन्यी शृष्ट्क हाँ मि । जनस माम कर् युवजीक लाघन हुए। (इब्रइ्टि शएल क्रांपि॥ ७॥ निक्रुणो। जबनी यत्न यात्र वागव नम् किल्नात । जिन মিথ লাখ নয়ন যব ধুগ শত হেরই নাপাই ওর।। ধ্র ॥ ইন্দ্ নীল মণি মুকুর কান্তি জিনি জগমন মোহন বয়ন। শিরদ रेन्यू अयम गूरे शक्क शक्क जन पूछ नयन। ।। वक्षु कि वक्षु অধরে অতি মোহন বিলসই রসময় বংশে। ভঙ্গিম গীম অতি মন্থর অবত॰শ বিরাজিত অংশে ॥ তালে চন্দ্ৰ চাদ त्रभगी (भार्न काम उष्टु भित्र मुकु जात्र भारा। समस क्रि (इ घन हारित्र उभारत (यन अघटन वित्रिथ == वात्रा ॥ १४) श्रीवाग।। অভिনय नील कलाम जनु एव एव नियं भूकृषे । भ (त्र जाजनीता काक्ष्न रजन त्रजन अग्न जाजन नृश्त कपू युन् वाजनीति ॥ जश्र जगजन लाग्न काम । त्राया त्रभा व्नावन हाम।। इनी वत्र यूग खाला विलाहन हथन जाक्षन कुम्राभारत । जिक्किल कुल तुम्भी ग्राभ मानम जुन्

অম্বর পেুম ভরে॥ বনি বনমালা অজানু লখিত পরিম্লে অলিকুল মাতির্ভ'। বিস্থাধর পর মোহন সুরলী গায়ত (गाविम माम शङ्गा । ।।

বেলোয়ালা৷ কুবলয় নীলরতন দলিতাঞ্জন মেঘ পুঞ্জ জিনি বরণ সুছাদ। কুঞ্চিত কেশ থচিত শিখী চন্দ্রক অলক তি लक लिकानन होम। आयुक्त नवनागत कान। जाविनी ভাব বিভাবিত অন্তর দিন রজনী নাহি জানত আন ॥ ধ্রু॥ মধুরাধর পর অতিহাস মনোহর তহি সুমধুর মুরলী বা (डी डीड किया कृष्टिम म्यायर कुमरे कुमरेडी मुद्रा तर्णाका। गजनाज जाजिगमन जाजिमस्त्र मिन मिक्षित রণ ঝন ঝনিয়া। হেরইতে কতহি মনোরথ ম্রছই গো विना माम कर् शनि शनिया। ७॥

(विलायान ॥ अञ्जन गञ्जन जगजन तञ्जन जनम भूक जिनि বরশা ভৰণাৰণ থল কমলাৰণ মঞ্জীর রঞ্জিত চরণা ॥ দে थ मशी नीमत बाख विवादा । अध्य मुधातम् । विकामी उ (रुति (रुति ठाँम मिना (उन नार्षा। अ।। इन्ही वत वत গরব বিমোচন লোচন মনোমথ মনোমথ ফাদে। ভাঙ ভূজগ পাশে বাঁধল কুলবতী কুল দেবতি মন কাঁদে॥ ভূম র করম্বিত আজানু লম্বিত কেলী কদম্বক সাল। গোবিন্দ দাস চিতে নিতি২ বিহুরতি নাগর তকণ তমালা। ৭ ॥ সারক্যা মরকত মঞ্জু মুকুর মুখ মগুল মুখরিত মুরলী স তান। শুনিপশুপাখী শিখী কল পলকিত কালিন্দীবহয়ে

উদান। কুঞ্জে সুনরে শ্যামর চনা। কামিণী মনছি সূরতি ময় মন সিজ জগজন নয়ন আনন্দ।। ক্রা। তনু অনু লৈপন ঘন সারে চননে মৃগ মদ কুক্ষুম পক্ষ। অলি কুল চুম্বিত অব নী বিলম্বিত বনি বনমাল বিটক্ষ।। অতি কোমল চম্বা ত্ল শীতল জিতল শরদর বিনা। রায় বসস্ত মধুপ আনন্দিত নিন্দিত দাস গোবিনা। ৮।।

মায়ুর। কুবলয় কলরে কুসুম কলেবর কালিম কান্তিক লোল। কোমল কেলিকদম্ব কর্মিতকু ওলকান্তি কপোলা। রাধা রমন রমণী গণ মোহন বৃন্দাবন বলদেব। অভিনব রাস রসিক নব নাগর নাগরী গণ কুড়সেব।। বৃত্তপতি হা দমুআনন্দ নন্দন নব মন বর শ্যাম। নন্দীশ্বর পুরুপ্রিত পটাম্বর রামানুজ ওপ ধাম।। নামান্দিন বর মরণী শুধা কর মুখরিত মোহন বংশং। শ্রীদাম শুদাম শুবল শুধ শুদ্রে চন্দুক চাক অবতংশং।। কালীয় দমন গমন জিতি কুঞ্জর কুঞ্জ রচিত রতি রক্ষ। গোবিন্দ দাস হৃদয় মণি ম শিরে অবিচল মূরতিত্রিভক্ষ। ৯।।

মলার ।। কুটিল কুন্তল কুসুম কাছনি কান্তি কুবলয়ভাস রে। কুঞ্চিতাধর কুমুদ কৌমুদী কুন্দ কোরক হাসরে ।। কালিন্দী কূল কদম কাননে কুঞ্জে কুঞ্জ রাজরে । কামিনী কুচ কুলু মাঞ্চিত কাম কোটী বিরাজরে ।। কনক কিন্ধি ণী কন্ধণাল্য কুণ্ডলাকৃতি অংশরে। কেকী কোকিল কণ্ঠ कक्ष (कन्मत्र पायदा विकाल काली सक्वल किन्निक पाय (भाविन्स भानदा ॥ ) ॥

গৌরী।। ধুজ বজাঙ্কু শ পঙ্কজ কলিত । বুজ বনিতা কুচ কু ক্ষুম ললীত । বন্দোগিরিধারী পদ কমল । কমলা কর কমলাঞ্চিত্রসমল ।। গ্রা মঞ্জুল মাল নূপুর রমণীয় । অচপল কুল কমরীয় ।। অতি লোলিত মতি রোহিত ভা স । মধু মধু পিকৃত গোবিন্দ দাস ।। ১১।।

শুই।। অভিনব জলধর অক। হেলন কলপতক ললী ত জি ভক্ত দি জান চূড়ার উপার মণ্ড ময় র শিথাও। চঞ্চর কুগুল ঢল ঢল গণ্ড।। সদন মুম্নছি তনু ভাড বিভঙ্ক। বিসম কুগুল শার নয়ান তরক।। তকণ অকণ জিনি চরণার বৃন্দ। নথম ণি নিছনি দাস গোবিন্দ।। ১২।।

শুই।। কি কহবরে সথি কানুক কপ। কোপাতিয়া ব্র স্থপ ন শক্ষে।। দ্রা। অভিনব জলধর সুন্দর দেহ। পীত বসন পরে সৌদামিনী সেহ।। শ্যামর কামর কুট বিক্তিক। া জরে সাজল মদন সন্দেস।। জাতকী কেতকী কুসুম নবাস। তাদেখি মনোমথ উপজল হাস।। বিদ্যাপতি ক হে কি বলিব আর। শ্ন্য করিল বিথি মদন ভাণ্ডার।। ১৩ পট মঞ্জরী।। কিপে খিনু মধুর মূর্ভি পিরীতিরসের সার। হেন লয় যনে এতিন ভুবনে তুলনা নাহিক আর।। দ্রা। নব জলধর রসে চরহ বরণ চিকন কালা। অক্সের ভূষণ রজত কাঞ্চন মণি মকতার মালা।। বড় বিনোদিয়া চড়াব টালনি কপালে চন্দন চাঁদ। জিনি বিধুবর বদন শুন্দর ভুবন মোহ ন ফাঁদ।। জোড়া ভুক জনু কামের কামান কেবা করিল নিরমাণ। অৰুণ নয়ানে তেরছ চাহনি বিষম কুসুম বানা। সুরক অধরে মধুর মুরলী হাসিয়া কথাটি কয়। দ্বিজ্ঞ ভী মের পহুঁও নবনাগর পরাণ কাটিয়া লয়।।১৪।।

थाननी।। एक का कल् नाहि (मंथि। य काल नयान थूड़े (महे जल कहें ज मूटे कि ताहेया जानिए नाति जांथि। जल कहें ज मूटे कि ताहेया जानिए नाति जांथि। जल नाना जलता का कि कि ताहेया जानिए नाति जांथि। जल नाना जलता का कि कि ताहे य कि ताहे कि ताही। तिमानि कि ताहि कि ताहि (क् के कि ताहि के कि ताहि कि ताहि के ति ताहि ति ताहि ति ताहि ताहि ताहि ति ताहि ति ताहि

बित्राथा ठाकु त्राभीत क्था।

নবোটা বয়ঃ।তিরোত থানশী। শৈশব যৌবন দরশন েল। দুঁহু দলে বলে ধনী দ্বন্দু পড়ি গেল। কবছ বাঁথরে কুচকবহু উঘার। কবহু বাঁথরে অক্কবহু বিথার।। থির নয়ন অথির কভু ভেল। উরজ উদিত থল নালিম দেল।। চঞ্চল চরণ চঞ্চল ভান। জাগল মনসিজ মুদিত নয়ান। বিদ্যাপতি কহে কর অবধান। বালিকা অকে লাগল পাঁচবান।। ১॥

তথা রাগা। দিনে২ উয়ল পয়োধর পীন। বাঢল নিতম্বনা या (जल क्षीवा। ननी मुथी हा एवं निनव (महा। थंड (महे (उज्जल जिव्हि जिन्दिन्।। जवगरि भएन वाण शिन छि। भिभव अकलि চभकि मिल शीरे।। अर्यनय योजन विक्रिभ पिछ। উপজ্ञन नाज शाम जिन मिछ। पितिर जानक जारिया রল অহ্য দলপতি পরাতব শৈলক ভঙ্গা ২ ॥ (गोती।। हन्त वननी थनी (श्रम जतका। नयम निनी यूग ভাঙু বিভঙ্গা।। ধ্রা নাসাখগপতি অধর বিষু জ্যোতি 'ব্যোভিষ্করে কচ সিব শিয় গঙ্গা। কেশরী জিনি কটী নাভি সবোবর কিঞ্জিণী ঝলকই মুগপ অনঞ্যা। পুতাপ নারায়ণ হ॰স কুল গামিনী ভামিনী বিলস্তি মোহন সহা।। ৩।। भोती ॥ अन्तरी वार्ष जा अस्य वनी। वुक त्रमनी गण मुक्ट यशि। आ कु अव गायिनी (या जिय मायिनी नाराय (नर्। বিশী চমকি নীরে। অভরণ ভারিণী নবঅনুরাগিনী রস আ (विभिनी जबक्रीरत ॥ अक जबक्रिनी अथव जबक्रिनी म স্থানবং রিস্মীরে। কৃষ্ণিত কেশিনী নিকপম বেশিনী, त्रभ আবে भिनी जिन्नीता।। नव अनुताशिनी निथिवारमा ্ হাগিনী পঞ্চা রাগিনীরে।রাস বিহারিণী হাস বিকাশি नी (भाविमर माञ हिट्छ (जाशांगिनीवा ॥ ८॥ দক্ষিণাত্যশ্রী।৷ মুরতী সিক্ষারিণীরাস বিহারিণী মণিময় ভূষণভূষিত অহা। মধুরিম হাসিনী রসময় ভাষিনী দশণ করিণমণিমোতিম রহী।। জয় জয় জয় ব্কভাণু কিশোরী। গোরচণ কচি চোরণ গোরী।। গ্রা। চমকিত থঞ্জনগতি জিতি লোচন সনমথ সনমত ভাঁতি। নাচত রিষ্টনী ভাঙ, ভুজিবিনী কালীয় দমন মদন মদে মাতি।। শাম মনোহর মনমথ কুপ্তর কুচ কনকাঁচলে বিহরত দে থি। নীল নিচোল জালে ঝাঁপি বাঁধল গোবিন্ধ দাস যুগ তি না উপেথী।। ৫।।

शक्षित्र भूब जाग॥

वाला थानभी ॥ काली एमन एन माइ। कालिमी कुल कए स कि छाँ हा। कड भेड वुजवत वाला। (भथन जन थीत विज तीक माला।। (डार्ट् कट्ट मुवल मालाडि। डव थित हाम नाजान। एत ताडि।। छ।। डिट विन मिन पूर्व हाति। डिट मन मालान। एत ताडि।। छ।। डिट विन मिन पूर्व हाति। डिट मन मालान। एत विज ने माला । (का कि प्रमान कि प्रमान का थूम नाहि एडि।। अनुकान डिनिक ममाथि। (का कान वित्रव विद्याधि। एतन कीन डिन एका। (गाविन प्रमान कर विद्याधि। एतन कीन डिन एका। (गाविन प्रमान कर विद्याधि। एतन कीन डिन कमाथि।

श्री शाक्षात्र ॥ नित्रभन वहन कमन वत्र भाषुती (इत्रहेर्ड रेड)
रागु (जात । अनक्षित्य त्रिक्षणी जाडु ज्रुक्ति मत्रभिक्षण हा भागात्र ॥ स्थान मक्षणी क्षत्र (श्रथन त्राह्र । भागात्र ॥ स्थान मक्षणी क्षत्र (श्रथन त्राह्र । भागात्र । स्थान विक्रम स्थि निमाणन मज्जमन आकृत्व कृत्व नाषाह्र । स्थान विक्रम स्थान विद्यान अक्ष्य मजुषित (स्वाहित (स्वाहित विद्याणनी क्षत्र विवाणनी त्रुक्त रुप्त मामात्र (ज्वा। मत्र व्याणनी किर्य विवाणनी त्रुक्त रुप्त मामात्र (ज्वा। मत्र

ति हिया श्रास्त नाभारे ॥ किवा कृत जान जथी (मिथ्नू তাহারে। সে ৰূপ লাবনিনয়ন উপরে॥ গ্রা । মেলিয়া দীঘল (कम लिया निज्या हिल नाना हल थनी तम जनल्या তাহে মুখ মনোহর ঝলমল করে। কাম চামর করে পূর্ণ कामध्य ॥ जिल्लाम वित्राष्ठ्र याम विन्तूर । मुक्जा ज् यि जन् श्रामिक इन्त्रा। कुष्तवनी विभ वाभ त्र जाय उ (तः। (रूभ गिति भार्य जन नवजन श्रतः। উतः जाभ भन লোলে মুকুতার হারে। সুমেক শিখরে জনু সুরপুনী ধারে।। মজুমন রহত কি করত সিনান। গোবিন্দ দাস কহত পর गगा 8॥ यनाळी। अत्रभ भिनान अभाभशि अन्मती मन्दित हल अशि

পদ কণ্পলতিকা।

সাথ। নিরজন জানি কান তহি উপনিত সহচর সুবল সা হাত ।। দেখি বিমোহন গোকুল চন্দ । রাধা রসবতী রসিক শীরোমণি নবপরিচয় অনুবন্ধ ।। দ্রা। সহচরী পা শেহাসি হরি পুছত স্বরূপে কহবি বর রামা। রমণী সমা – ঝেগজবর গামিনী এখনী কে অনুপামা।। সরস, সম্বাদ সম্বোধই সহচরী কনক দাম কুচি গোরী। মাঝই মাঝ বিরাজই ওখনী ব্কভানু কিশোরী।। শুনইতে নাম পেমে পরি পুরল মাধক অমিয়া সিনান। জ্ঞান দাস কহে আর কি বিছুরয়ে নিশিদিসি ধরল ধেয়ান।। ৫ ।।

গান্ধার ॥ ঢল ঢল সজল জলদ তনু মোহন মোহন অভরণ সাজ। অকণ নয়ন গতি বিজরী চমক জিতি দগধল কুল বতা লাজ। শুন সজনী যাইতে ভেটনু কান । তবধরি ভ্রম ভরি ভরল কুসুমশর নয়ানে নাহেরই আন ॥ গ্রা। মজুমুখ দরসি বিহুসি তনু মোডই বিগলিত মোহন বংশ। নাজা নিয়ে কোন মনোরথে আকুল কিশলয় দলে করে দংশ।। অতএ সে মজুমন জ্লত অনুক্ষণ দোলত চপল পরাণ। গোবিনদ দাস মিছুই আশ আশল নিয়তে নামিলল কান।। ১।।

গান্ধার।। মরকত দরপন বরণ উজোর। হেরইতে প্রতি

জানক জাগেরার ৷৷ নারমান্ত ক্রিক্তম তারুণ নয়ান ৷

অতএ হানল কুসুম শরবান।। এসখী কাহে ভেটনু নন্দ্র নন্দা। মন্দির গহন দহন ভেল চন্দা।। গ্রা। তব ধরি দক্ষিণ পরন ভেল বাম। সহইনাপারিয়ে হিম কর নাম।। সহজেই সেজি কনল দল পাতি। কুলবতী যুবতীলেডু নিজ সাথি।। তাঁহি রহলমন লাগি। ধৈরজ লাজ দুহুঁ গেল ভাগি।। কি ফল একল বিকল পরাণ। গোবিন্দ দাস কহে মিলব কান।। ২ ।।

সিন্দুড়া।। দেখ মথী শ্রামসুনাগর রায়। মরমে লাগিল লপ আর নাহি ভায়।। খু।। মরকত স্তম্ম জিনি সুবলিত অসং। অলসে মধুর হাসি মুয়ান তরক্ষ।। কটীতে পিয়ল ধুড়া কিন্ধিণীকাছনী। ধাচিয়া যৌবনদির আপন নিছনি।। মধুর থৈরজ গতি পুরে মন্দ বেণু। চরণেতে বঙ্ক রাজ বাজে বণু বুনু ।। নয়ানের কোণে কহে মনের আকুতি। অনন্ত জানেন দুহুঁ দুঁহার পিরীতি॥ ৪ ॥

विनाक्षी॥ क्षेन गंजनी वर्ष त्रजरमत कथा। अठि तम मकाल -वित्त मुक्षि शिलू यमूना जत्त का लिया त्या या देश हिल ठ था॥ इ। जानस्य करंजक कला लहेया हन्मन माला माँ फाइे या हिल भय भाष्म। जामात गमन मिश्च देलमिं कुं पूर्णी जाथि तरमत हिल्लारल कं जारंग। निकर्त जामियावरल भत्र हन्मन मार्लाकाथा अनाक्षिन रहन दोल। नाजानि भित्री कि कित घरत जारमा हारमा मित्र स्व जात्म यार्थ काला। अठि मिल मुताभय काहारत नाकरत ज्या काहार कानरन देवरम कना। यमुनाथ मारम वर्णा जात्र ना याहे क जात्म मुजन रही वर्स मिरन मांगा।। दे।।

ভাটিয়ারী।। কপের সাগরে আঁথি ডুবিয়ারহিল। যৌৰ বনের বনে মন হারাইয়া গেল।। ঘরে বাইতে পথ আমার হইল অফুরাণ। অন্তরে বিদরে হিয়া কিবা করে পুাণ।। আ গে মুঞ্জি জানিনাজানিলে ঘাঁইতুঁনা কদম্বের তলে। চিত হরিয়া লিল ছলিয়া নাগর ছলে।। গ্র ।। চল্পনের চাঁদ মাঝে ম্গমদ বান্দা। তার মাঝে পরাণ পুতলী রৈল বাঁধা।। ক ট তিটে বসন কসন লাল বেঢ়া। বিধিনির্মিল ঘাটে কল ক্রের কোঁড়া।। জাতি কুলশিল মোর হেনবুঝি গেল। ভুবন ভরিয়া নোর কলক্ষ রহিল।। কুলবতী হইয়া মোর দুকুলে ভেলদুঃখ। জ্ঞান দাস কহে দ্ট করিয়া থাক বুকা। ও।।
সিন্দু ডা।। রাধার কি হইল অন্তরে ব্যথা। বসিয়া বির্লে
থাকয়ে একলে নাশুনে কাহার কথা।। সদাই থেয়ানে চা
হে মেঘ পানে নাচলেনয়ান তারা। বিরতি অন্তরে রাজা
বাস পরে থেমত যোগিনী পারা।। আলুইয়া বেনী ফুলের
গাঁথনি দেখয়ে থসিয়া চুলি। হসিতবয়ানে চাহে মেঘ পা
নে কি কহে দুহাত তুলি।। এক দিঠি করি মউর মউরী কণ্ঠ
করে নিরিক্ষণে। চণ্ডি দাস কয় নব পরিচয় কালিয়া বন্ধুর

সনে।। ব।।
ধনাজী ।। পহিলেশুনিনু অপক্প ধনি কদম কানন হইতে।
তার পর দিন ভাটের বর্ণনে শুনি চমকিত চিতে।। আর এক
দিন পুণণ সথী কহিলে যাহার নাম। গুনি গণগাণে শুনিনু
শ্রবণে তাহার এগুণ গুনম।। সহজে অবলা তাহে কুলবালা
শুক্তবন্ধুলা ঘরৈ। সেহেন নাগরে আরতিবাঢায়ে কেমন
পরাণ ধরে।। ভাবিষা চিন্তিয়া মনে দড়াইনু পরাণ রহিবার
নয়। কর্হ উপায় কৈছে সিল্যু দাস উদ্ধবে কয়।। ৮।।

শ্ৰীক্ষের আপ্ত দূতি॥

শ্রীগান্ধার। কাঞ্চন জ্যোতিঃ কুসুম ময় গোরী। নিরমিল মূরতি যতন করি তোরি।। তুয়া অনুভবে আলিক্ই তাই। সোতনু তাপে ভযম হই যাই।।শুন শুন শুন বৃকভাণু কি उर्ण अक्ष। नात्त नार्श्व नयान जवक्ष।। विशिष्ट मूत्र शिक्ष भूत्र शिक्ष भूति वर्ण मृत्र । अनुक्षण अमन म्हून जित्र शृत्र ॥ विष्ठु त्रण शिक्ष मृत्र है भित्रभाष्टी। अहत्री रहित्र मत्र जित्र की दे का हि॥ की दे वह है वत ज्या तम आएम। जाहाति हत्र शिक्ष राज्य । ३॥

ধানশী। পুন নরী আগোরাই তোনারে নিলিল গুণ নিধি। জনমেই কত তপ করিলে সেকল সফল কৈল বিধি।। দ্রা। করে কর পরি যতেক বিলে হরি সে সব কহিব কত। তোবিনে কান আন নাহি জানে রাধাই জপে অবিরত।। বিলম্বনাকর বৃদ্ধেনে আগু সর নাগর রহল তুয়া আশে। যদুনাথ দাসে কয় যদি বা আজ্ঞাহয় কানুরে আনিয়ে জু য়া পাশো। ই ।।

ভাতিয়ারী। সৃশ্বরী ভোতেলাগি আকৃল কানাই। মাববি কুসুন কুঞ্জে ঘন আদ্বিয়ার পুঞ্জে বৈঠল বেশ বনাই।। দ্র ।। কুসুন শ্রন করি আবেশে অবশহরে তুয়া রূপ সৌজরে। তুয়া রূপ হেরি২ চৌদিগে ফিরি২ নাম ধরি মুরলী পুরে ॥ দেখনা মধ্র নিশি উজর পূর্ণিমাশশী চৌদিগে পিক কৃল নাদ। মলয় পবন বায় সেহেন নাগর ভায় যৌবন করল পরসাদ।। বেশ বনাহ কভ নাকর বিলম্ব এত মুরলী নাশুন ঐ কানে। তরুলতা আদি যত অনুরুগে পুলকিত কৃষ্ণ দাস রুস গানে।। ৩॥

## পদ কণ্পলতিকা। শীরাধার আগু দূতী॥

श्रीत्राग।। (लाठन न्यामत वठनल् न्यामत न्यामत ठाक नि চোল। শ্যামর হার হ্দয় মণিশ্যামর শ্যামর স্থী কৰু (काর। खन नाग्रम इत्थ জनि (वानिविज्ञान। जाइशन कुन বতী মতি উমাতায়লি কিএ তুহু মোহন জান।। জা। মর মহিশ্যামর পরিজন শ্যামর ঝামর মুখ অরবিন। ঝল মল নোরে লোলত কাজর বিগলিত লোচন বৃন্ধ।। মনমথ সাগর রজনী উজাগর তুহ নাগর পুন ভোর। গোবিন্দে। স কতহি আশ আশ্ব মিলব সুনন্দ কিশোর ৷৷ ১ ৷৷ थनाञी।। त्रिक्नो जाक जुक मिन मिना त्र मिना एक दे हैं। ज ুরামা। কোজানে কিক্ষণে তোহে দিঠি লাগল মুরছি পড় ल (সই ঠামা।। মাধ্ব কি তুয়া নয়ান সন্ধান। কুল গিরি त्राज लाज यन कणेक जिम नत्रम शर्म श्वा का वित्रष् विवासला जना कलावत थन नुष्ट्रे गशी शका। वृद्य शक थ गणि তোহে हा यद्यनि जित्रिविश विश्व कल्का ॥ भव नथी (मिलिक छल् जाना जानव (वसन क्याई नाजान। গোবিন্দ দাস তন তোহারি দরশ পুনঃ নহে কৈছে রহত श्रवागा। २॥

কেদার ॥ শুন্থ নিরদয় হৃদয় মাধব সে যে সুন্দরী রাই। বিরহে জুর্থ কনক মাজঁরি রহল ৰূপক ছাই।। আ ওয়ে মধু ঋতু মধুর যামিনী কামিনী চিতক চোর। কুসুম সার ক ক্রীবন গালক কেলঁ সে ব্যাহ্রমে কেল্ব মা সে ক্রাহ্র ফটি কৈছে মিটব তপত সহচরী অঞ্চ। নয়ন নোরে ঝরহ লোচন নোরে মহী করু পঙ্কা। এতহি বিরহে আপই মূর ছই শুনহনাগর কান। পুতাপ আদিত এরসে তাসিতদাস গোবিন্দ গান।। ৩।।

ধানশী।। হরি২ সাধব কি কহব তোই। তুয়া গুণে মুগধ
লুবধ ভেল রাই।। দ্র ।। মলিন চিকুর ভেল চীরে। করতলে
বয়ন নয়ন ভেলনীরে ॥ উরঃপর দোলত চাঁচর বেণী। কনয়
কটোর মাঝে কাল সাপিনী।। কোই সথী হেরই কোই
নিশাসা। নলিনী দলে কোই করয়ে বাতাসা।। কোই সথী
বোলত আপত হরি। শুনিয়াচেতন হোএনাম তোহারি॥
বিদ্যা পতি রসগায়। বিরহিনী বিরহ সমুঝায়।। ৪॥

वीक्षमाभाग एजी।।

গৌরী নট। কাননে কুসুন তোড় সীকাহে গোরা। কুসুমি তরসতনু নিরমিত তোরি।। ধ্র। আনন হেম কমল পর কাশ। সৌরভে শ্রাম ভুমর মিলু পাশ।। অপরুপ তিল ফুল সুললিত নাশ। সৌরভে জিতল অমর তক বাস।। নয়ান যুগল নীল উৎ পল জোর। সহজে সোহায়ন শ্রাম শ্রাম প্রকলিত বেড হাস। অস্কুলিত কুন্দ কুসুম পরকাশ।। সবতনু ফুটত চম্পক গোর। পানিক তল থল কমল উজোর।। গোবিনদে দাস অত্ত অনুমান। পূজহ

গান্ধার।। মদন কিরাত কুসুমশর দাকণ বৃদ্যাবন বনমাঝ।
তাঁহি আকুলহরি তোহারি মারণ করি পরি হরি পৌক্ষ
লাজ।। এধনী তুয়া দিঠি অথির সন্ধান। মনমথ মাতল
জোরি নয়ান শর হানল হামারি পরাণ।। গ্রা তুয়া শরে
জ্বাহ জীবন অন্তর কিয়ে করব নাহি জান। নিজ যশ চাহি
রাই অব দেয়বি অথর সুধারস পান।। মণিময় হার তর
কিনী তীরহিঁ কুচ কন কাচল ছায়। এছে তপত জন ওপতে
সাথবিগোবিদ্দ দাস ওণ গায়।। ২ ।।

শীরাধা ঠাকুরাণির স্বয়॰ দূতী।।

ধানশী। মুরলী মিলিত অধ্বনৰ পল্লব গায়ত কত২ রা গ। কুলবতী হোই মনিরে ছোড়ি আয়নু সহই নাপারি বিরাগ। মাধ্ব তোহে কি শিখায়ব গাণ। গৌরী আলা পি শুনাম নট সঞ্চল তব তুহু বিদগধ জান। পুনা মুরলী ছোড়ি অব মধুর আলাপবি তেসর জনজনি কান। কণ্টিই কণ্ঠিনি একু নাহি সমন্বাই ৰতিক্ষণে হোত সুঠান।। নিরলজ জানি হাদয় অব ধারবি এছন গুণ মতি ভাস। গুনিজন লাজ এছে নাহি হোওত কহ্তহি গোবিন্দ দাস।। সা বরাড়ী।। পাপ চকোর চাঁদ বলি ধায়ত মধু কর কমলিনী ভানে। আঁচরে কাঁপি বদনে তেঁই পুছত তাহে পার পুক্থ ঠানে।। মাধ্ব মজুমনে এবড় সন্দেহ। কি ফল জগমন মন করয়ে সোপুন কৈছে কুসুন শর জালা। কৈছে জুড়ায়ত একই নাজানিয়ে জনি কহ নুগধিনী বালা॥ সহচরী মেলি হাসি মুখ মোড়ই উত্তর নাদেবই কই। গোবিন্দ দাস কহে মোহে উপদেশল অতএপুছল তোই॥২॥

### বিপ্ৰস্থা

अहै।। कार्क्कान यनर जायुक्यायुक् कितिर वद्यारन (न श्री। श्रित्र यथभभी उगरत श्रीया भभी कि (उार् কহল পূছারি ৷৷ সজনী কহ কিছু বচন বিশেষ ৷ হেন অনু মানি চিতে নাজানি কাহার ভিতে আছয়ে পিরীতি নব লেশা। ধ্রা সহজেরসিকরাজ অলখিতে করে কাজ অনু ভবি ওরনা পাই। যাহারে ইক্ষিত করে কুল শীল সব হরে जारगार् जामना अफ़ाई।। अकई नगरत रिरम मम् अमि গে আইসে দেখি শুনি কাপয়ে পরাণা জান দাসে বলে তুমি কহ কোনছলে করিতে নাপারি অনুমান।। >।। প্রিরাগ।। তোমরানাকিবল আমি কানুর সনে আছি । এবোল বলিতে মুখে নাহানিল মাছি॥ अ॥ यि দিগে কানু র ঘর সে মুথে না বিস। সতী সাধে সে মুথের বায়ুনা পরশি।। কে ধরিল হাতে নোতে কে দেখিল কোথা। মি ছाशिष्ट् विद्याणिनी जाणाय नाना कथा।। नाजानियाना अ নিয়া এবোল বলে কে। পুত খাইনির মাথা থেয়ে ভাজা গেল দে।। এৰূপযৌবন আমি কোথা লইয়াথেয়ব। মিছা

কথা লাগি মাগো কত আমি সব।। লোচন বলে আগো দিদি কারে তোমার ডর। শ্যামনাগর লইয়া তুমি সুথে কর হর।।২।।

বরাড়ী।। ননদিনী কেবল লোকের কথা। কানুর সনে যদি
পিরীতি করিয়া থাকি শপদি তোমারি মাথা।। গ্রা। নিজ
পতি বিনে জন্য নাহি জানি সেই সে জামায় ভালা। কোন
কাজে আগি রাখালে ভজিব যাহার বরণ কালা।। মণি মুকু
তার নাহি অভিরণ ভূষণ বনের ফুলে। সবে পরে রাজা কঁচে
র মালা তাহে কিরুমণী ভূলো। সব স্থী সঙ্গে যমুনা য়াই
তে তার মাঝেই আমি। কল্সী ভরিয়া ভিলেক নারহি
মিছা কলক্ষ কর ভূমি।। মা হইয়া যারে দেখিতে নাপারে
মায় বলে ননী চোরা। শিবরাম দাসে বলে বসিয়া কদ্ম
তলেমিছা কথা নাকহিও তোমারা।। ৩।।

# अञ्जाबागु द्वाग ।।

ভাটিয়ারী॥ নাথহি তপন তপত পথ বালুক আতপে বদ ন বিথার। ননীক পুতলী তনু চরণ কমল জনু তবহিঁ চললি অভিসার।। হরি২ প্রেম কিগতি অনিবার। কানু পরশারস রসবতী বিছরণ বিছর সবহি বিচার।। দ্র। ওকজন নয়ন পাপ গণবারত মারত মণ্ডল ধূলী। তাঁহিক মেলি চললি বুজ রিহ্ননী পতি গেহ নীতহ ভূলী॥সবহু বধুজন চলু বৃন্দা বন গোরা আরাধনলাগী। এছন মুগব বচনু রচনকরি ওক্ জনে অনুমতি মাগী।। যত২ বিষিনি জিতল অনুরাগিনী সাধসি মনসিজ তন্ত্র। গোবিন্দদাস কহই অব সমুঝহ হরি সঞ্জে রসময় তন্ত্র।। ১।।

কামোদ।। হরিং কাঁহা শিথলি পরকার। জগজন বঞ্চি
নিঠুর বচনামতে দিনহি চললি অভিসার ।। গ্রা। বেশ বনা
রতি ননদি শুনায়তি চতুর স্থি সঞ্জেবাত। আজু গৌরী
আরাধনে মনরথ প্রব পশুপতি নন্দন হাত।। বাসিতক
পূর কুসুমিত তামুল ভরিলেহ চন্দন কটোর। গোবিন্দ
দাস পত্ন দর শায়ব বাঁহানাহি কণ্টক আঁচর।। ২ ।।

#### অভি সারোৎ কণ্ঠাা৷

যব অভিসারবি হরিকে উদেশ ॥ গ্রা। আঁচরে ঝাঁপবি আনন চন্দ। দূর কর কামিনী কিন্ধিণী মন্দ ॥ নূপুর মুখ ভরি তুলক পুঞ্জ।মন্থর গতি চলু কেলি নিকুঞ্জ।। চলইতে চৌকী নগর পুর মাঝ। ঝনু মণি কঙ্কন ঝক্ক বিরাজ।। তি নির পন্থ যব হোতিম কেহ। গোবিন্দ দাস সঙ্গে করি ছেছ।। ২।।

শোহিনী।। মনিরেবাহির কঠিন কপাট। চলইতে সন্ধিল পান্ধিল বাট।। তাহে অতি বাদর দর দর দোর। বারি কি বারণে নীল নিচোলা। এসখী কৈছেকরবি অভিসার। হরি রহু মানস সুরশুনী পার।। জ্ঞা ঘন্য ঝন্য বালা নিপাত। শুনইতে অবন মরম জরিজাত।। দশ দিগ দামিনী দহন বিথার। হেরইতে উছকই লোটন ভার।। ঐছন সময়ে কি তেজবি গেহ। পুেম কি লাগি উপেথবি দেহ।। গোবিন্দ দাস কহ ইথে কি বিচার। ছুটল বান কিয়ে যতন নিৰার।। ৩।।

#### ৰূপোলাস।।

সুই।। সুন্দরী আঁচরে বদন ছাপায়। লুব্ধ ভুলল মধুপ চ কোর বিধুন্তদ আনত আনত চলি যায়।। দ্রা। মুখ মণ্ডল কিয়ে শরদ সুধাকর ভালই নিরমল চন্দ। মধু রিপু ভরমে মরম যাঁহা এছন তাহে কি গলয়ে মতিমন্দ ।। জনি কহ গরবে পদতলে বারব ওথল কম্ল উজোর। তাহাঁ ন্থচন্দ্ ভরম ভরে আকুল ততহিঁ পড়ত জনি ভোর !! ভাঙ ধনুয়া জনু সূত্র ধুনায়সি ষছুশরে গিরিবর কাঁপ! সোকিয়ে অত নু পত্য শিরে ডারবি গোবিন্দ দাস হিয়ে তাপ !! ) !! শ্রীরাগ!! এবনী পদ মিণী পড়ল অকাজ ! জনি ভেট বিহরি কুজর রাজ !! দ্রা! তুঁত গজ গামিনী মতি অতি তোর ! উচ কুচ কু দ্র গরবে নাহি ওর !! যৌবন গৌরবে নাহেরসি পছ ! পরিমলে বাসিত করল দিগস্ত !! যব তোঁহে করব অকালিত ভাল নিয়ড়ে নাহেরবি সহচ । যক্ত লোত !! সাথর নথর পরশ যব হোতি ! একুচ কু দ্রে নারাখীব নোতি !! গুঙে করব যব দশনক ঘাত ! মূরছি পড়বি তহিঁ ধরণী নিপাত!! গোবিন্দ দাস তবহিঁ সোঁওরাব। অধর সুধারসে যবহি জীয়াব !! ২ !!

কেদার।। শুন সুন্দরী বচন বিশেষ। আজু হামু তোহে ক কি তিলালা। আৰু নেহারবি বঙ্কিম গীম। পাই লাই ভে টবি শয়নক সীম।। হরি পরি রম্ভনে মোড়বি অলু। হাঁহ নাবোলবি প্রেম তরক।। কহে কবি শেখর শুনবর নারী। যে কিছু নাজানু শিথাব মুরারী।। ৩।।

थनानी ॥ मथी ज्यवन प्रत हनिव निजि त्रिनी खग्न विमूथ मभी
(थ । यहि इति कर्त्र वित क्लार्त्र देशो ग्रेड्रे निकाल हाना ग्र वि ही श्री। मुन्दती मान नात्र इर्ग्स जेहारम। वहन जाथ विनू भाष नाशृत्रवि कुछ हत्र ना ग्रवि शास्त्र।। वङ् जनुरता श्र शङ्का का जत (हिथ्र विमूर्थ विशेष वारम। शानि शत्र होन চমকিত চপলা সেজতেজি আন ঠামে ।। ভুজ, যুগ জোরি মোরি কর পল্লব অম্বর সম্বর্ধি পীঠে। দিন রানচন্দু ভনত উৎকট শঙ্কট বঙ্কিম দিঠে।। ।।

### শ্রীকঞ্চের অভিসার॥

কামোদ। রাই বিপতি শুনি বিদেগধ শিরোমণি পুছই গদ
গদ ভাষা। নিজ মনিরে ত্যজি চলুবর নাগর পুনঃ ২ পর্র
শিয়া নাশা। পুনা বিছুরণ চরণে বনিত মণিমঞ্জির বিছুরণ
মুরলীক রন্ধে । বিগলিত কেশ বসন ভেল বিগলিত বিগ
জিত শিথী পুছ চন্দে ॥ পরিমলে আকুল ভরল দশ দিশ
যামিনী রহ বহু পুঞ্জে। চিরদিন দরশন পরশ রস লালস
দুরিতহি মিলল কুঞ্জে। দুহু মুথ দরশনে মুগধ ভেল দুহু
জন কর ধরইতে দুহু কাঁপি। নরহরি হৃদয় নাবে। অপ্রপ
জাগল জলপ্রেরে বিধুবর ঝাঁপি।। ১।।

কামোদ ৷৷ রাইক কুঞ্জ গমন শুনি মাধব অচপল প্রেম্ব অনুমানির মিলইতে গমন করল বর নাগর আনন্দে আপ না নাজানি ৷৷ চলইতে নথই চলই নাপারই কত্য ভাব বিথারি ৷ পদেহ হেম কদলি হেরি আকুলগদহ পুছে সেই নারী ৷৷ এছে রহু যভনে পহুঁ মিলল দুহুঁ হেরি দুহু ভেল ভোর ৷ দুহুঁ মন মানস সফল ভেল জীবন দুহুঁ ক গদ্মে প্রেম নোর ৷৷ ধৈরজ্ব ধরি হরি অঞ্চল পরশিতে ধনিক মুগ ধী পরকাশ। রাধামোহন বুনিতে শংসয় পিছে বুঝল পরিহাস ৷৷ ২ ৷৷

# পদক পেলডিকা।

# শীরাধার অভিসার !!

নবোঢ়। অভিসার।। শোহিনী।। হরি অভিসারে চলল বুজ
নারী। গুৰুজন গৌরব দূরহি ডারি।। গ্রা সংগ্রুছত
প্রেমক বাত। পুরুষক কর কভূ নালাগয়ে হাত।। সহচরী
কহতহিঁ সুনবর নারী। হামু কহব ভোহে সোসব বিচারি।।
নয়নে২ কভূ নাকরবি মেলি। করে কর পরশিতে দেয়বি
ঠেলি।। পহিল মিলনে রন্থ অবনত মাথ। গোবিন্দ দাস
কহে করি লই সাথ।। ১।।

वर्षाणि मात्र ।। मळ्ला। गगगि निमगगि पिनमि निर्वाणि ।
नथ्य नाभातिर किरमि किरमि ताणि ।। येष्ट्रन जला किरमे कि

यवधनी कुछ भिल्ल इति भाषा पृत्तक पृत्त तक लगिविन माजा। ७॥

मिया অভিসার মিলন। বরাড়ী।। দিন মণি কিরণে মিলন মুখ মণ্ডল যামে তিলক বহি গেলা। কোমল চরণ তপত शथ वाल्क जा उभ महन अया जिला। (इत्रहेर जा गयत हम्सा কোরে আগোরি গোরা মুখ মোছত বসন দুলায়ত মন্দা। अ। कर्न्त जामल जायत्रिं (एराल हम्पन (लभरे जाइ)। শ্যামর অঞ্ পরশে নব নাগরী বাচল প্রেম তরকে।। কুঞ্জ কুটির ঘর সেজি মনোহর মধু কর শ তিধর ভাস। গোরী শ্যাম দুহু করত কুত্হল কহতহি গোবিন্দ माम॥ ८॥

জ্যোৎ সাভিসার। সিশ্বড়া॥ कुम कुमुभ कर्क कर्वर्ता ভার। হৃদয় বিরাজিত মোতিম হার ॥ চন্দনে চরচিত ক্ हित्र नुश्रुत । जक्ष जक् जनक जित्रश्रुत ॥ हिम्तनी व्रती উজাগরি পোরী। ইরি অভিসার রভস রস ভোরি॥ বর্ণ विज्या जश्य वनहै। धविषय को यूनी यिषिजन हलहै। (इत ইতে পরিজন লোচন তুল। রক্ পুতলী জনুরহে সমৃতুলা। পুনবতী মনমথ গতি অনিবার। শুৰু কুল কণ্টক কি করএ পার।। মূরতি শিক্ষার কিরিতি ময়ভাষ। মিললি নিকুঞ্জে कर् (गाविन माना। द।।

অশ্বকারাভি সার।কেদার॥ মনিময়মজির যতনে আনি थनी (माभनि दनि पृष्ट्रशा किकिनी भीम शात वनि भक्ति রই হার সাজায়লি মাথ। সুন্দরী অপরূপ দেখলি আজ।
হার অভিসারে ভরম ভেলি সুন্দরী বিছরণ সাজ বিসাজ।
ঘন আন্ধিয়ারে রজনী জনি কাজর গরজত বর্থত মেহ।
বিষ ধরে ভরল দুতর পথ পাঁতর একলি চলিতেজি
শেহ্যা চচল মনোরথ দোসর মনমথ পন্থ বিপথ নাহি
নান। গোবিন্দ দাস কহই বুজ সুন্দরী এছনে ভেটলি
কান॥ ৬॥

মল্লার ।। বিপিনে বিশ্বল গোপ নারী ছেরি হাসত ন্রলী ধারি নিরখি ব্য়ানপৃছত বাত প্রেম সিন্ধু গাহিনী। পুছত সবক গনন খেন কহত কিয়ে করব প্রেম বুলক সবহ কুলল বাত কাহে কুটিল চাহনি।। হেরত প্রছন রজনী ঘোর ভাজি তক্ষণী পতিকে কোর কাহে আওলি কান্তর থোঁ রক্ত কাহিনী। গুলিত লুলিত ক্বরী বন্ধ কাহে ধায়তি যুবতী বৃদ্ধ মন্দিরে কিয়ে পচল দ্বন্ধু বৈচল বিশিথ চাহিনী। কিয়ে শরদ চাঁদনি রাতি নিকুঞ্জে ভরল কুনুহ পাতি ছেরত শ্যাম ভরম কাঁতি বুঝি আয়ল সাহিনী। এতহি কহত নাকহ কোই রাথত কাহে মনহি গোই ইহই আন নাহোএ কোই গোবিন্দ দাস গায়নী।। ৭।।

ধনাত্রী।। কি শুনি সুধা সুরলী রব। নাসদরে অমর ধায় গোপী সব।। দ্রাকেরে তুলি পরে কেহ পদ অভরণ। কেহ পরে আধ নয়ানে অন্তন। সদন ছাড়িয়া কেহ কাননে ধা য়। পয়ঃপানে শিশু ছাড়ি সেহো গোপী যায়।। এক গোপির পতি ধরিয়ারাখিল শোস অনুরাগে সেহো তনু তেয়াগিল ৷৷ সকল গোপির আগে পাইল সেইরামা ৷ গোবিন্দ দাস কহে কিদিব উপাসা৷৷ ৮ ৷৷

মুই।। ধনী বিন অভিসারে। সন্ধিনী রক্ষিনী রূপ তরক্ষিনী সাজলি শাসে বিহারে।। জনা চলইতে চরণ সঙ্গে চলু মধু কর মকরক্ষ গান কিলোভে। সৌরভে উনমত ধরণী চুম্বই চরণ চিক্ল যাহাঁ। শোভে।। সাজলি মদন কলাবতী রা ধে যুবতী বৃন্দ করি সাথ। রাজ হংস জিনি গমন বিলম্বন তাবলম্বন স্থী হাত।। কনকলতা জিনি জনু সৌদামিণী বিশিক্ষারাধে। বৃদ্ধাথ দাসভলেগমন নিকুপ্তাবক্ষে প্রাইতে শ্যামক সাধে।। ম

কানড়া।। শরক্ষন্ধ পবনমন্দ্রিপিন ভরলকুসুম গন্ধ। ফুল্ল
মল্লি মালতী যুথী মন্ত মধুকর ভোরণী। হেরত রাতি
উচ্চন ভাতি শ্যাম মোহন ময় কাঁতি মুরলী তান পঞ্চম
গান কুলবতী ছিত্ত চোরণী। শুনত গোপা পুেম রোপি
ননহি মনহি আপনা সোঁপি তাঁহি চলত যাঁহি বোলত
কনক লোলনী। বিসন্ধি গেছ নিজহু দেহ একুনয়নে কাজ
র রেছ যাহে রঞ্জিত মঞ্জির একু একু কুগুল দোলিনী।।
শিথিল বন্দ পবন মন্দ্র বেগে ধায়ত যুবতী বৃন্দ সহত
খসত বসন চোরি বিগলিত বেনি দোলনী। ততহিঁ বেলি
স্থীনিমেলি কেন্ত্ কান্ত কপথ নাহেরি প্রছে মিলল গো
কুল চন্দ্র গোবিন্দ্র দাস গায়নী।। ১০।।

2

### बीताथा क्ष्यत ताम नीना॥

কেদার।। গিরিধর মূরতি পিরীতি অধি দেবা। যাকর দর শনে সবদুঃখমেটল সোই আপনে কৰু সেবা॥ জ্ঞা আ নিজকরে চরণ নিরমঞ্চই ছেরত চিরথির আঁখি।। হিমসম भौजन नीत्रहि जिजन कत्रजल माजरे मुथा मजन निनी मला गमूर वीजन शृष्ट्य शञ्च किमुःथ ॥ वम्य जामून श्रुति अन्द्रल हिनुक कित्र मधुत्र मसाम्य कान। शादिन पाम जन नार तिनक श्रनः तार्केक जिन्या जिनान ॥ > ॥ श्रानभौ॥ शिह्ल मञ्जामन हित जानुताभौ। भिन्न पूर्ण पूर्ण गल गल लागि ॥ अ॥ उरि शिय मिनी शत्रम तमाल। मुख् गल (मश्रम এक कुम भाम।। ऐहि जानि मुख् श्राम् वक्ष। दिव वाणायम रूपय जानमा। अभिन वद्यान (रुति जा नम् (जिना पूष्ट् शवानीन पूजिशाहा (पिना। ताथिन भत्रभ (मार्गिगीनाम। शतमाम शार्म् जि कत्रण शतगाम।। व ছন চিরদিন রহু অঙ্গে অঞ্। রতি পতি জানি কভু নাকর विजया। थेष्ठ (भूभ कज्नाश्य विष्ट्रम । (भाविम म्।भ व्रक्षिशार ॥

সুই।। রাসে ভুলল নাগর কানু। বিছুরল নিজবেশ আর প্রিয়া বেণু।। দ্রা। করে ধরি নিজ শিরে সোঁপইরাইক হাত।। ঐ গুণেনাম ধরল রাধানাথ।। রাই কোরে করি মুখ মো ছায় পীত বাসে। ও পুেন বলিহারি যায় শ্যাম দাসে।। ৩ (कमाর।। আজু রাধাকানু নিকুঞ্জ মনিরে মাঝ। চৌদিগে
বুজনারী মকল গায়ত ত্যজিয়া কুলভয় লাজ।। দ্রাঃ শরদ
বামিনী বরজ কামিনী চঞ্চল নয়নে চায়। মদন ভুজক্মে
রাইকে দংশল ঢলিয়া পড়ল শ্যাম গায়।। কানু ধনুস্তরি
রাই কোরে কোরি চুমনে বিষ করে পান। নাগর নাগরী এ
রসে আগরিস্থাই কানাই একই পরাণ।। সারী সুক পিক
মকল গায়ত অতি সুলিলত তান। শ্রীবৃদ্ধাবন ভরি রসের
বাদর ভুলসী দাসুরসগান।। ৪।।

खबु मुझाब ॥ ठाम वमनी नाठल (मिश्र लाक् लाक (थाह (थाई जिनिकिंगि जिनिकिंगि भा। पिन पिन पिन पिन पिन मिश मिश मिश थि। इसिम् शिम् मिम् मिम् मिम् मिम् मि তন্তা দিমিতা তাতা থোই তিনি কিটিঝা।। ধা ।। নাহবে ভূযণের প্রিনানড়িবে চির। দুতগতি চরণে নাবাজিবে मिखित । विवस मक्ति जाता वाजा हैव वानी। धन जात्कत ाथिना व्वित्व शियुनी।। श्रातिल जागात लव विभव কাঁচলি। জিনিলৈ তোমারে দিব মোহন মুরজী।।যেমন বলে न भाग नागत (उमनिनार्छताई। मुत्रनी नुकान भाग । চারিদিগে চাই।। সভাই বলেন রেএর জয়নাগর হারিলে। मू : थिनो कहिए लाभी मखनी हामात्न ॥ द ॥

শুরট মল্লার।। শ্যাম তোমারে নাচ্তেহ্বে দিগেদা ঝেনা কাটা থোর লাগজিগ মাঁ। উড় ভাড়া থোই ঝন্রহ ঝন্ ঝন্৪ स्थारे विश्व मिलिंग जां शिवा कां है। वें।। क्षी नाम ज़ित कां है। विश्व मिलिंग कां है। नाम ज़ित नित्र कां है। किम जा है। नहें हैं। किम जा है। किम जा है। नहें हैं। नहें हैं। नहें हैं। किम जा है। किम जा है। नहें हैं। किम जा है। किम जा है। किम जा है। नहें हैं। किम जा है। किम है। किम है। किम जा है। किम है।

कारगाम। नन्म नन्मन गर्म (गार्न (गार्न कार्यनी। उने न नन्मिनी जीरत जारम वनी जूवन (गार्न कार्यनी।। अ ।। जारेथर ग्मम वाजरे गूथत कक्षण किकिनी। नार्छ गूत रत तारे करत कत अथरत (वन वत (गारिनी।। तारम गाजन महम यह अजु कुछ कान्सन वाजरे। खेक मिथी शिक छाजक हाल क जुगता गारारे।। ताम महम (गाशिनी कुन महाम সঙ্গে नव तकिनी। (परे कत्र जानि (वाल जानिर कानी पात्र विन गारेनि॥ ৮॥

किमात्र ॥ कालिम्सी जीत मुनीत मनीत्र ग कुमा कुगुम जात বিন্দ বিকাস। নাচত মোর ভোর মন্ত মধুকর শুক সারী পিকপঞ্ম ভাষ ৷৷ নাচত নিধুবনে মূগধ মুরারী ৷৷ মুগধ (गाभ तथ अधिक लाथ अदम तक् विरुद्ध व्क जानू किएना রী॥ ধ্রা। নাচত নটিনী গায়ত নট শেথর গায়ত নটিনী चार्टन देवाडा। भागग्र (गार्वी (गोर्वी मस्य भागभ्य नव्डल ধরে জন বিজয়ী বিরাজ।। (হ্রি অপক্সরাস কলারস মন ग्रिथ लागनियम्ब स्था। उस्त गर्गान मग्रि राजनीकरा চৌদিগে ফেরতদীপ ধরি চন্দা। ভারাপতি সঙ্গে ভারা গণ হেরি লাজে লুকায়ল দিনমণি কাঁতি। গোৰিন দোস পত্ঁজগমন মোহন বিছুরে কলপ সম রাতি ৷৷ ১ ৷৷ (करात ।। निध्वतन भागम वित्नामनी (कात । विधि अमिड लश श्रात्मक अध्यक्ष नार्षिक अपा अध्यक्ष भारत (भारत मश्री गुक्र जाधिलिए (मालि विशेष क्रिम्म केन भन करत कृषि (यन উপাत्रन भि।। এक अवन भकत कु एन এক রতন ছবি। আধ কপালে চাঁদের উদয় আধ কপালে আাধ গলে দোলে বনমাল মনোহর আাধ গলে গজমতি।। সৌরভে আকুল কুঞ্জ ভবন ভৰুলতা দোলে মন্দ বায়। নিকপ্ত সন্দিরে রসের সায়র বাহিরে শেখর রায় ৷৷ ১৯ ৷৷-

কেদার ।। রাস বেহারে মগন শ্রাম নটবর রসবতী রাধা বামে। মণ্ডল ছাড়ি রাই করে ধরি হরি চললি বন ধামে।। যবহরি অলথিত ভেল। সবহু কলাবতী আকুল ভেল অতি হেরইতে বন মাহা গেল।। ধুনা সখী গণ মেলি সব হু টুড়ত পুছত তক গণ পাশো কাঁহা মঝু পুনণ নাথ ভেল অলথিত নাদেখি জীবন নৈরাসে।। কহ্হ কুসুম পুঞ্জ তুই ফুল্লিত শ্রাম ভুমরাকাহা পাই। কোন উপায়ে শ্রামে ভেটিব উদ্ধব দাস তাহাবাই।। ১১।।

যত নারী গণ বিরহে আকুল থৈরজ ধরিতে নারে।রসিক নাগর বুঝিয়া সময় দাঁড়াইল যুমুনাধারে।। কদম্বের তলে বসি কোন ছলে মৃদুহ বায় বাঁশী।শুনিতে অবনে বুজ বধু গণে তাঁহাই মিলল আসি।। মরণ শরীরে পরাণ পাওল প্রচন সবছ ভেলি। বন দাবানল পড়িয়া যেমন অমিয়া সাগরে কেলি।। বুজ বধুগণ হেরি নবঘন মনের জান্দের ভাষে। জিনি শশধর বদন সুন্দর চকরিণী চাঁদ পাসে।। বিরহ তাপিত ভেল তিরপিত বরিখে অমিয়া বাণী। জ্ঞান দাস ভণে শ্যামের বদনে জাধ ইমদ বাণী।। ১২।।

### मस्याग नरवाहा ॥

গোবিন্দ দাস কহই পরিণাম। কথক কৃপে নগন ভেল কাম।। ১।।

প্রাগ। সুরতিক আশে ধরল পছঁ পাণি। করে কর বার ই তরল নয়নী।। হঠ পরি রম্ভনে পরশিতে গাত । নহিং বলি চুলায়ত মাথা। অভিনব বদন তরিক্নীরাই। শ্রা ম তরক রক্ষেরস অবগাই।। ধু।। চুষনে শীচকই লোচন ভার। পিবইতে অধর রচই শীৎ কারা। নধর পরশে ধনী চমকই গোরী। দশ য়িতে চমকি উঠই তনু নোরি।। কহ ইতে কহ গদ গদ পদ আধ। আলোডন মনসীজরস উন মাদ।। তৈথনে রোখত বহিঁ পরসাদ। গোবিন্দ দাস কহ মরিয়াদ।। ২।।

প্রাগ।। পহিল সমাগম রাণাকান । অতি মানাকান। ত্রেল পাঁচবান।। পু।। পুরু মুখ দরশনে পুরু ক বিলোকনে আনন্দ নীর নিঝায়ইরে। আরতি পরশতি কুচ কন চা চলে গিরিবর ধর কর কাঁপইরে।। দুরু পরি রয়ুনে দুরু ত্রু পুলকিত অক্ষহি অক হেলায়ইরে। গদ্হ ভাষে আলা পাই দুরু ২ চুমন নয়ন ঢুলায়ইরে।। দুরু রসে ভাষি দুরু অবলম্বই অকে ভরন্ধিত অক্ষইরে। নবনাগরী সংক্ষ নবনাগর লার ভাষা ভ্রুলিল গোবিন্দ দাস পরু রে।। ৩।।

পৌটা সম্ভোগ।

किए। त्रा म्यून नुस्न नुस्न नार्न जानम जुका ज्का रक्षन

কাঁপ। অতরণহীন তনু পরশই বিপুল পুলক ভরে কাঁপ।।
দেখ সখী রাধা মাধব সক্ষ। রতিরণ লাগিয়া দুলুঁ যামিনী
নাহেরিয়ে জয়া জয় ভক্ষ। হা। ঘন২ চুমন দুলুঁ অচেতন
অপর সুধারসে মাতি। প্রেম তরক্ষনয়ন পরি প্রল চুরল
নামথ হাথি।। গদ২ আধ আধ পদ কহই মদন মুরছন
বাণী। দুলুঁ দুলুঁ মরম মরমে ভালে সম্থাই গোরিনা দাস
ভালে জানি।। ১।।

বিপরীত ৷

বিহাপড়া । অনুকুল অলক বেছল মুখ শোভ। রাত্ত করল শালা মণ্ডল লোভ।। উতরণ কুসুম মালে কক রছ। জনু যনুনা জলেগক তরজ।। বড় অপকপ দুত্তে অতেওন ভেলি।। বিপরীতসুরতি কামিনী কক কেলি।। ক্রাপিয়মুথে সুমুখী চ্যুএ ওজ। চাঁদ অধােমুখী পীয়ে সরোজ।। বদন সোহা গল আম কল বিশ্বু। মদন মতিলয়ে পূজল ইন্দু।। কুচ পরলি যত মতিমহারা।। কনক কলস পর সুরধনী ধারা।। কিকিণীর বায় নিতিবিনী সাজ। মদন বিজয়ে জনু বাজন বাজা। ভনই বিদ্যাপতি রসবতীনারী। কাম কলাজিনি বচন হামারি।। ১।।

তথারাগ।। বিগলিত চিকুর মিলিত মুখ মণ্ডল চাঁদ বেচলা ঘন মালা। চণ্ডল কুণ্ডল চপল গোডায়ল ঘামে তিলক দুর গেলা।। সুন্দরী তুয়া রূপ মঙ্গল দাতা। রতি রণে রম্পী পরাত্তব পায়ল কি কহব হরি হর থাতা।। দু।। কিন্ধিণী কলরব কন্ধণ ধন২ ধন২ নূপুর বাজে। রতিবিপরীত ভেল মদন সমাপল জয়২ দুন্দু তি বাজে।।২॥

মুরলী শিক্ষা।

काभाष।। यङ दित्रत जाश जाहि रुति। याजाई एउ भार्म भुतवी।। जुभिष्ठ्भात नीव माणी। जवनीज थए। (मर् পরি॥ তুমি লহ মোর গজমতি। মোরে দেহ তোমার गान्छो।। योभा त्थाभान्य थमार्था। त्यात (पर प्राहि বান্ধিয়া।। তুমি লছ সিন্দুর কপালে। তোমার চন্দন দেহ ভালে।। তুমি লহ্ কঙ্কণ কেওড়ি। তোর তাড় বালা দেহ পরি ॥ তুমি শহুমোর অভরণ। মোরে দেহু তোমারি जुषा। खन भाव वह निर्वतन। खनि इत्रविक तुम्हानमा कानजा। गूतनी कता ७ जिल्ला। (य तस्तु रग ध्रिन जिले জানাহ বিশেষ। কোন রক্ষে বাজে বাশী অতি অনুপাম। कान तरहा दाथा वरण छाक जामात्रनाम ॥ कोन तरहा वाष्ट्रा वाभी मूलाणि अवि। कान त्रासु किका भक्तिना (চ मग्न विभी।। (कान वस्तु, तमात्व कृतिम भाविषाक। कान तरक, करम कृटेस् शां नाथ ॥ कान तरक, यए अञ् र्य अक काला कान वस्तु निश्वन र्य कुल कुला। कान त्रसि, (काकिन भक्षम म्रात्र गाम्ना । এकिर निथा है सा (पर् न्धामत्राया। ज्ञान माम कर्ष्ट् रामि शामा मून तार्थस्यात (वान वाजितक वानी।। २॥

कारमाम ।। (कोजुक मूत्रकी नित्थ तमवजी त्राचा ।

मन भारन मन भारिनी माथा ॥ (शुम तस्म नाम निमा

जाम (रुवाहेगा । मूत्रकी शृतरम ताहे जिल्ल हहेगा।। विमा

जस्म विमामस्त्र कल कृकर हो वास्त वा नावास्त वानि मूथ

शिमा हाई।। ताथात ज्यस्त (वन भरत नम्माकी। शामि शक्स

क श्रिमा वावस्य ज्वनी।। कान (कार्य कवावकी किन्न न

বহাগা। আজু কে গোমুরলী বাজায়। এত কভূ নহে শ্যা
ম রার্থা ইহার গোর বরণে করে আল । চূড়াটি বাজিয়া
কোবা দিল ।। তাহার ইন্দু নীলকান্ত তনু । এত নহে নন্দ
সূত কানু ।। ইহার কপ দেখি নবিন আকৃতি। নটবর কেশ
পাইল কতি ।। বনমালাগলে দোলে ভাল । এনা বেশ কো
ন দেশে ছিল ।। কে বনাইল হেন কপ খানি । ইহার বামে
দেখি চিকন বরণী ॥ নীল উয়লী নীলমণি। হবে বুঝি ইহার
সূন্দরী ।। সঞ্জীনশ করে ঠারাঠারী । কুম্নে ছিল কানু কম
লিনী ।। কোথা গেল কিছুই নাজানি। আজু কেনে দেখি
বিপরিত। হবে বুঝি দোহার চরিত ॥ চণ্ডী দাস মনে মনে
হাসে। একপ হইবে কোন দেশে।। ৪ ॥

## शक्षम। (भूभ रेविविश्व॥

মঙ্গা। সজনী কোকত পেমতরজ।রাইক কোরে চমকি
হরি কছতহিঁ করে হবে তাকর সঙ্গা। থ্যা আর কিয়ে

কনক কসিত তনু সুন্দর দরশ পরশ হোয়ে। উরঃপর পী ণি হানি ক্ষিতি সুতল মুকত কণ্ঠে বিরোয়ে ॥ ক্ষণে কছে অধর মধ্র নব পল্লব আর কি মিলিব অবসই। তাকর (পুমে নগন মজু মানস নয়নে রহল ৰূপ গোই॥ আর কিয়ে শ্রবনে শুনৰ তাকর বোল সোকিয়ে মধ্রিম হাস ৷ नशन्कि वसन हम् किस्स एवत कु मु मिनी भाग विकाम।। রাইক কোরে কান যব বিলপই বুজবনিতা কুল হাসা वृक्षिया थन्म वन्म गुर्व नागन कर्छिर्वसान मात्र ॥ ३॥ बीगाक्षात्।। धनी जक मध्य (भोतरज भाग्य जाकृष उष्ट শা পেন তরঙ্গ। রাইক কোরে ভোরি নন্দ নন্দন কাতর ' न्त्रिक जक् ।। एति २ कर्व विधि एरव जनुकूल। व्थजानु निमनी मिठि छति (क्त्रव श्रामका एवं मुक्त ज्ञान সোতনু অমিয়া উদ্ধিকরে পরশ্ব হেরব সোম্থ চন। निवा मध्य वहनक हाजुरी शिमकश्य गम् गम्।। भाग भ विद्यात वहन रहिन मरहिती भरक शहल थनी थमा। भा ডি বয়ান ধনী হেরই স্থা মুখ উলসিত দাস অনস্ত।। ২।।

# শীরাধার প্রেম বৈচিত্র।।

কেদার।। শ্যাম কোরে যতনে ধনী সুতলি মদন মদালসে ভোর। ভুজে২ বন্ধন নিষিড় আলিঙ্কন যত্ কাঞ্চন মণি জোর।। কোরহি শ্যাম চমকি ধনী বোলত কব মোহেমি লব কান। হৃদয়ক তাপ তবহি মজু মিটব অমিয়া করুব

मिनाम ॥ (मान्य माध्री तक (नश्तरे मडितर मनसूत । সোত্ত সরস পরশ যব পায়ব তবহু মনরথ পুর। এত কহি সুন্দরী দীঘ নিশাসই সুরছিত হরল গেয়ান। আকুল त्राइन्। ग्रम् भत्रवाथइ (गाविन्स्माम भत्रभान ॥ )॥ বিহাগড়া।। রোদিতরাধা শ্যান করি কোর। হরি২ কাঁহা भागनाथ (भात।। जानस्त मथी (भ्रम्भान। नागत्र (कारत नागती नाहि जान।। आ। मृत्र हिल नागत अत इलि तारे। वितर्वाकुल कृल नाश्यारे॥ मार्गवितर्ह नस्भूत्र जाया। मह्द्रती हिल शुल्ली सम् हाया। श्रेष्ट्रन रस्त रेट बारेक की जा मिल्ला मान किंग्र महिक्क गार्थ। विश्वाणा ।। नागत मान त्राम यव विष्म हे कुछ मुख्य जुज शाला कानुर कति त्राउरै मुम्पती मारू वितर ए তাসে॥ এসখী আরতি কহন নাযাই। হেন আচরে রহ ভুরমতি থৈছন খোজি ফিরত অনুচাই ৷৷ কাঁহা গেও সো गड़ प्रमिक मुनागत (मार्ट्ड) बन कि नाशि। काउत हरे गरी जल लुटेरे समत्न सम्बद्ध स्थित। दारेक वितर कान ভেল চমকিত বয়নে বাণী নাহি কুর। প্রিয়সখীলেই করে ना वाक्षड़े (गाविना मान वर्ष पूर्वा। १०॥

## क्रम्दिनी ॥

শ্রীরাগ।। রাস অবসানে অবস তেল অক। বৈঠল দুইজন স্থী গণ সক্ষ্য। শুমতরে অকে ঘাম বহি যায়। কিক্রী

भगकक ठाभव वास।। रिश्रेल भवक् यमुना जल याई। शानी अभारत पूछ कर व्यवगाई॥ नाती भगन जल व्यक्षिती। पूर्ण पूर्ण भाषा कर्ता कल (किता करे भगन कल कर्ता शर् न। पुत्रसानाइ जरव जवङ्बयान।। इत्न वत्न कानु ताई नई (भवा। (जायाजिनाम कवन पूछ् (भवा। इन मध्य छेठि मव নুছই শরীর। জনু বিধু মণ্ডিত যমুনা তীর ॥ রাস বিলাস कित्रिभागे विनाम। एम जनस कर्ष्ट् भूदल जामा। भा বেছাগ।। কেলি সমাধি উঠল দুছ্ তীরছি বসন ভূষণ পরি जन। तजन मिन्ति माश्र विठेल मागत कतल (जाजन वस्र। আনন্দকো কৰা ওর। বিবিধমিতাই ক্ষীর বহু নব ফলভুঞ্জই নন্দকিশোর মাধ্যানাগর শেষহ,ই সব সন্ধিনী ভোজন কৰু রস পুঞ্জে। ভোজন সমাধি তামুলখা ওল সূতল নিত্র বিজ কুঞ্জে।। নলিতা নন্দ কুঞ্জ যম্নাতট স্তল যুগল কিশোর। माम नत्राख्य केंब्रेड्र (मयन चलमनयन (क्ति (जात ॥ २

#### शाना की ए।।।

বরাড়ী।। বৃথভানু নন্দিনী নন্দ নন্দনে রতন মন্দির মাঝরে।
কেলি কুণ্ড তীরে শোভিত কানন কলপদুন ছাইরে।। ধ্র।।
নীপ তব্দ বরে পল্লব ফুলভরে পরশি বহাবণী চরে। ফুল্ল
মালতি কমল মাধিবক বহই মন্দ সমীররে।। মাতল অলি
কুল শারী শুক পিক নাচত অনুক্ষণ মোররে। রাই কানু
দুহে দুতে খেলত হার রাথত হোররে।। চৌদিগে বেচল

ললিত সথীগণ বসন তুষণ সাজরে। বৈছন জলপরে উদিত
সুধাকরে শোভিত উড় গণ মাঝরে।। রাই ষব ধরি জিউই
লাগল দশবাপঞ্চ বলি ডাকইরে। কতল রভিপতি উদিত
ভৈগেল হেরি আকুল কানরে।। শ্যাম চঞ্চল করই চুষন
করহিঁ বারত গোরীরে। রোখ লোচন কমল কানুমন তৃষ্দি
ক জল চোরিরে।। রাইজিতল হুতই মাধ্যব ধরল রামা কি
হাররে।। রোথে রাই পুনঃ হারধরি রল্ ছিঁড়ি দুলুঁক
মালরে। মদন কলহে দুলুঁ কত ভিষ্কি করতহে হেরি
স্বীগণ হাসরে।। পুনঃহি থেলত হার ধরি রল্ বছত
গোবিন্দ দাসরে। ১।।

त्रमाणम अर्थाट् कुछ जम्।।

বরাড়ী ।। রতিরণ পণ্ডিত নাগর কান । রভিরণে পরাত্তব করি পাঁচবান।। অলমে সুতিরত্ কুসুম শায়ন। দুভ্ উরে উক্রত্ বয়নে বয়ন।। দুভ্ ভুজ উপরে দুভ্ শিরঃ রাখি। কনয় জ্যোতিঃ আধ মরকত কাতি।। স্বেদ্ মকরন্দ বিন্দু ২ গায়। নরোভ্য দাসে কক্ চামরের বায়।। ১।।

কেদার ।। গোরী সূতল শ্যামর কোর। লাগল নীল রতন কিয়ে কাঞ্চন কুবলয় চম্পক জোর।। গ্রারী সুনায়রী অধরে অধর ধরি ঘুমল বিদগধ চোর। কনয় কমলে অলি মাতি রহল কিয়ে হিম করে শ্যাম চকোর।। তুক্ত মনোহর পীন পয়োধর রাতুল করতাল সাজ। উল্টল কমল বিক্চ করে কাঁপল কনয় ধরাধর রাজ। নাগর ওক উক্ নাগরী বেচল নাগর ভুজ বেচি অঙ্গ। জলদ বিজরী জনু বেচল দুর্ছ তন্ গোবিন্দ দাস কহ রঙ্গ। ২।।

বিভাল ।। রজনী জনিত জাগরি নাগর নাগরী সুঁতল কিশ লয় সেজে। রতিরস অলসে অবস কলেবর দুহু তনু দুহু নাহি তেজে ।। সজনী সৃতি রহু নিলজ কান । রাই জাগর লেচলু সন্দিরে জানই ক্ষেত্রিহান ॥ জাগরীকী কার্মী নাম ই সম্বরী পিঞ্চ মুকুট গড়ি যাউ। মণিময় সুদরী মোহন মুরলী এদুহুঁ লেহ চোরাউ।। যুমল কান যুকতি শুনিএ সং রাইকে কোরে আপোরি। গোবিদ্দ দাস পহুঁ চতুর শিরে মণি নিবসল সহচরী কোরি।। ৩।।

বিভাঁস। বৃদ্ধা দেবী সময় জানিয়া। পান্দ্রী নিহে সংঘ বিষ্মা। হের দেখা নিশি বাঁছ গোলা দশদিক অঞ্চিম ভেল নিজহ সুমধুর শ্বরে। জাগায় মোর শ্যামেরে। বৃদ্ধা দেবির আদেশ পাইয়া। রাই শ্যামে কহে সংঘাধিয়া।। ওহে শ্য ম বুজেন্দু নন্দ্র। মোরা কিছু করি নিবেদনা। সুবদনী কর অবধান। নিশি গোল হইয়াছে বিহান।। জাগহ বুগলাবি শোর। অঞ্গ কীরণ হেরি ঘোর।। কুমদিনী তেয়জি অভি ধায়। আরত রহিতে না যুয়ায়।। স্থীগণ শুনি চন কিত। গোবিন্দু দাস চিত ভিত।। ৪।।

বিভাস। অৰুণ উদয় ভেল নিশি অবসান। কপোত শ রিকা শুক সমধর গাণা। জয়রাখে২ জয়রাখাকাস্তা জা (र तिमक वत किल्मात्री भागनाथ ॥ आ गारा (ठाँ रा ति पत्रभन व्र लाक। ठाप मूथ पत्रभम पूर्त पृथ्य (भाक पि जागन जथी जव (बाल गन्दर) ठत्रभ (जवन करू जागवजी नन्दा। ८॥

लिल्। मनिद्र ज्या इन जुल कान। निमा ज्या भाष (र। उड़ान भा उद्ग मणिय (ज्व यान यान ॥ कार्र जिद्य বরিহা তিলক সাম্ভারত কোই মুরলী দেই হাত। মন মঞ্ ক্রোটি পুকট রভ সাইতরাই বরজ তছু সাথা৷ অধরহি तामसाग्राज्य विष् का जब मिलार्य जरे मथ आही। एनर नयन कमल विश्व जाकल जाठत काई (पर्शिति॥ प्र দুভূঁক গদ্ধ ভাষ। পদ এক চলইতে কোই নাপারই গায়ত মোহন দাস॥৬॥ ললিত।। কিয়ে লাবনি কিশোর কিশোরী জোর বনি।পা তর সময়ে কুজ্রে নিক্সে বাহু বাহু জোর আয়নি॥ নিজ निज गन्तिय वाहर् भूनः २ म ल ग्रेशिन्स (निश्वाति। व्यस्तिः उथनन (श्रम शर्यानिश (नाहत्न भ्रम वादी॥ वार्ड कर्छ थित गम गम (वालाजम क् जन (श्रुच विराजात । मूक् कि (इममुङ् मरुरेनाभातियः भूनः २ कत्र ७ रिकात ॥ विभ लिउ कु उरल कु मुभ माभ मारल लाल अनका वली (भाजा) लक्लक् राम विलाम ललिउ मुथ पूक्र मानम (लाउ।।। गम् गम् क्थ क्ष्रे नाभात्र इत्र नाभात्र म्या भिवा भक्

### शम कण्शलिका। सारीन जल्ला।

बीतागा। भाग नाथ मृत्र गर्यात्म ज्याता कृत गर्ग ल शङ् हन्मरन।। शनि कु कुम्म (कन्म शाना। मस्ति वाथ नि वाम॥ अभ कल निधिन वमन । किञ्चिनी कत्र वन्तन ॥ बार्य जिनक गरशा मूता ग्गम्य कत्र छ खाता। गृश्य করহ সুজোতি। কহে ক্ফদাস পিয় অনুগতি॥)॥ कारमाम।। धनी मुथ शक्क कुक्कु स्म माजह विम्राध नागत কার্ম। রচইতে সিন্দুর গর গর অন্তর অঝরে ঝরে নয়ান।। (एथ मथीताक्षामाधव (मही। मूक्रमुथ मागदाचानतम् छ। সলদু ভূরসে নিমগন ভেলি॥ ধ্র।। বয়ন কটোর জোর কুচ गुउल जिहु शाम (तमगिधि माज। गुगमम हिंछ जामत कर्क পद्मव गुगथन भगमिक ताका। जानम भीत नश्न जीश जाश ত কাঁচলি করি নিরমাণা দীলবলন সনিত পুসরি কিছিণী (र्बर्ट र्वन भाषान ॥ मछ्या मछित एत्। भाव देखें মুকুর ধরই নিজপাশ। নিজ তনু ছেরি হাসি তোহে সোপ व (इतव (गाविन माना। २॥

कारभाष ।। जून्मती अवजूल कत्र अवधान । कह भूनः कि कत्रव अनुष्ठत कान ।। आ। शहिलाई जाङाति घष्टन शत्रभा भारत । किम्मलय जाडान भएन अयान ॥ हम्मुक शवन अधन उनु एका। जिल्हा अभावन अव पृत शिल ॥ विश्वालि । विश्वति । यज्ञत भूनः अभिती। वकुल भान अव्या वाँथन कवित्री।। अक्ष भित्र ने तकुन नयमा। जाम ल श्रुव श्रुव व्याना।। मृगभष निथई एउ उठ कुठ জाর। काला ठशन कत्र शक्षत भाता। इत्थियि (द्राथित्रिका काल्यन लाजी। लाजिन एक्स श्रम श्रमः गाराव (हाजी।। ७।।

क्षित्रकत्रत्राम्गात् ॥

निल्छ।। वाला तमनी तमनी तमन नाहि मुथ। अछरत महन विल्य एक पूर्थ।। मूथ नाहि भायल (वहन नात। गक्या (छारथ जन (थात आहात।। महन्ती आनि मूजायल भाण। हमिक क्या कि शनी हाएस निलाण।। कतहर (कारत (माएह नव अक्। मख बामूत बन् वाल जुकका।। अकि जिल कर्म धनी मूकि नयान। (तानी कतस्य जन केथर भान।। जिल अक पूर्थ जनम जित मूथ।। इथ जनम जित मूथ।। जनहे विर अभि छन वतकान। वाला तमनी छह जूर तिन मुथ।। जनहे विर अभि छन वतकान। वाला तमनी छह जूर तिन मुथ।।

শোহিণী। अनर मुक्त माहा जि। करु नाजा स मुख्या कु क ता जि।। ता हैक (भूम महिमा नाहि अत। भत्न भि तरु है जन हि सा हि सा (जात।। जार्व विख्यात ता है मजू भत महा। व्यानिमय (इतरे नसान जतक।। तमवे जी ता है के उल्ंतम जान। (भूम तरम वाक्षण हा माति भता।।। (माधनी व्यथत व्यथत यवरमण। ता ज ह॰ म (यन मतवत (कण।। उनहें जिक अम ना गत्र मुजान। है ह तमनो ना मवजू हैं जान।। र।।

#### পদ কণ্পলতিকা।

## <u> श्रितावात्र नरवा हा तरमाम् भात्र ॥</u>

शह मा अहा । श्री विश्व विश्व श्री शृह्य छा । किल कला तम कहित भा । । । । विश्व विभाव में । विश्व किल श्री । व्यवक जिलक में विश्व शिष्ट ।। कुछल कु मूम (जिल जिल जिल । व्यवहर्षि नागन प्रभाक कि ।। किल व्यवस्थ छात्र कु किल थ (प्रन । हाहा मा गु, ज्यम जिल्ला ।। व्यवस्थ श्री न मकल हि गा। वसन (न हे यन र कक वा।। जनहें विम् ।। शिष्ट स्थान न ति ।। ।।

बीतागा। नाकतर मथी (माति वानताथ। कि कर्व राम তাক পরবোধ।। অলপ বয়স হাম কানুসে তৰুণা। অতিহ সেলাজ ডর অভিহ সে কাৰুণা।। লোভে নিঠুর হরি কর निह (किन। कि कर्व जामि यज पुः भ स्थित। एक एजन त्रम श्राम श्राम श्राम । निर्मात्रनम् (जाएन कथन (क ब्राम।। (मणिश् जाणिश्न जुड़ युग जाणि। जिथ्य क्रम्य भार्य উठेल काशी॥ नयन वाबो प्रमायन (बाई। जवल कान छिश्रमभ नाहि (हाई।। अथव निव्यम भयुक्त लहि भना। রাহ্ন গরাসি নিশি তেজল চন্দী। কুচ যুগে দেওল নখপর श्रात। (कन्तरी जन् गज कुमु विमाता। जनस्य विम्राशिष्ठ व्यवि नाती। वृद्ध (म महिजनी नुवंश मुवाती।। २॥ जुनाली ।। येष्ट्रन खनइएक मुगिशनी त्रम्भी। मशी गग इकि (७ ज्यन् वयानी।। लाज व्यन्न गर्विकत्त्र भत्कान। मधी

गण कङ्ज्ञि शिशुज्य जाय॥ कङ्डेर्ज नाकङ्भि त्रज्ञनिक

কাজ। হামারি সপদি নাগে যদি কর লাজ॥ পহিলে স্মা গমলাগি এতদুঃখ। পুন মিলনে কত পাওবি সুখা। এছন বচন শুনি রাই মৃদু হাসি। শিবরাম দাস ইহ রস পর কাশি॥ ৩॥

পৌদা রসোদগার ৷৷

বিভাস।। কহু সুন্দরী রাজনী বিলাস। কৈছনে নাছ পুর ল তুয়া আস।। গ্রা পিয়াক পিরীতি হাম কহুই নাপার। ল্লাখ বয়ান বিহি নাদিল হামার।। করে ধরি পিয়া মোরে বৈঠায়লিকোর। বুলজিচন্দদে তনু লেপই মোর। আপন মালতী মাল হিয়া সে উতার। কত যতনে চড়ায়ল কথে হামার।। ফু য়ল কবরী ভার বান্ধেকত ছান্দে। চম্পক মা লতী মাল দেই কত ছন্দে।। মধুর মধুর দিঠি হেরই বয়ান। আনুন্দ নীরে তরল নয়ান।। তনই বিদ্যাপতি স্থী গণ

 आथि। के जिस् भवमाम कर्ड्स नाभाविस भाम पाम अकुमाथी॥ २॥

সিন্দু ডা।। কাজর তিমির ভমর জনু তনু কচিনিবসই কুঞা কুটীর। বাশি নিশাশে মধুর বিশ্ব উগরই গতি অতি কুটি ল সুধীর।। সজনী কানুসে বরজ ভুজঙ্গ। সোমজু হৃদ্য় চন্দন কহ লাগল ভাঙ্গল ধরম বিহঙ্গ।। গ্রা। লোচন কো ণেপড়ত যব নাগরী রহুই নাপারয়ে থির। কুঞ্জিত অকণ অধর ভরি পিবই কুলবতী বয়ত সমীর।। এক অপরূপ নয়ন বিষ তাকর মোটয় দশনক দংশে। বিষমৌষধি বিষ অবধারল গোবিনদ দাস পর শংসা। গ্রা।

খট।। বন্ধু সে পরেশ মণি।সো অঙ্গ পরশে এঅঞ্জ আমার বেশাবার বর্গাথানি।। কতনা আদর করয়ে নাগর কত উঠে তার মনে। পালঙ্গ সয়নে নারাথে কথন আপুন হৃদয় বিনে।। দুবাহু পসারি কোরেতে আগোরি বয়ান নিরথেশানা । আপনি নাগর যাবক পরাইয়া লেখই আপন নাম । চরণের রেণু আপনি মাথয়ে জুড়ানু ২ বলে। একথা কহিতে দাস যদুনাথে তিতিল নয়ানজলে।। ৪।।

বরাডী।। বেণুক ফুক বুক সদনানলে কুল ইন্ধনমে জোরি।
দরশন পানি দুহু পরস সোহায়ন শ্রমজল জারণবারি।।
সজনী কানু সে শৈল সোনার। নজুমন কাঞ্চন আপন প্রেম
ধন জোরি পিন্ধায়ল হার ।। গ্রান ব অনুরাগে রঙ্গ পুন
বঞ্জন মূলনাজানয়ে কোই। শুকুজন নহান চোরপথ চাপিয়ে

পাণ নাথ সোগোই।। যোরস আগরি বিদগধনাগরী ছের তহিঁ তাকর সাধ। গোবিন্দ দাস কহ আন আনোহ বচন হোএ জনি পরমাদ।। ৫।।

मुहे मिक्रु ए।।। जवना किङ्गानि खन राज । त्रामक मुकु । मान ना यक रुरेया (कत्न এउ जामत्यात्रकत्या। आज्ये र्या करती जात (यभ करत वाद वात वमन भनास कुंज्र्हान । রাখিয়া আপন উরে নৃপুর পরায় মোরে চরণ পরশে কর उला। अङ्ग मङ्ग तङ तम लालम रहेशा वरम भाग नाथ वलि जिने जिने। मधीय मुशाय जात जात सामग्री तर क मान वाभना (जागादा मिन्र ॥ विम्मथ न गमताय वीजन कत्य गाय जाभाग जुङ्गाय छया भाग। भागितन वह स्य ध्यो छन वाशा ठाकुत्रामी जुगि (म कागुत अक भाग॥ ७॥ थानभी॥ कि शृष्ट् मित्र मशी कानुक मि (नश् । अकडी फ्र विश्विम शतेन जिम (एर्॥ किश्न काश्नि) शृहरे केज (ब রী। কত সুথ পায়ই মজু মুথ হেরি।। মোবিনুদরশ পরশ नाहि जीव। (नाविन शिया भारत भानी नाहि शिव।। छेक विन (अकि भन्न नाहि भारे। हिन्न विन् जाश्व नाहि थारे।।

রতস আয়াসে যদি পালটি দুহু পাশ। মান তয়ে মাধ্ব উঠয়ে তরাস। আন সভাসনে হরত গেয়ান। আন সনে কাহিনী নাসহে পরাণা। কহে কবি শেথর শুন বরনারী। তোহারি পরশবিনু লুবধ নুরারী॥ ৭॥ শ্রীরাগ। এমন পিয়ার কথাকি পুছ সিরে স্থী পিয়া সে পিরীতি জানে। যে দেখি যে শুনি চিতে অনুমানি নিছিয়া পেলি পরাণা। মো যদি সিনান করো আগিলা ঘাটে আর ঘাটে পিয়া নায়। মোর অঙ্গজল পরশ লাগিয়া চৌদিগে সাঁতারায়।। বসনে বসনে যোগহইব বলিয়া একই রজকে দিই। যে নাম আমার আদি আথরে সেনাম সদাই লেই।। হাত দিয়া মুখানি মাজে দীপ লইয়া যায়। অনেক যতনে পরশ পাইয়া থুইতে ঠাই নাপায়।। ওপত পিরীতি বেকত করিতে কতনা সন্ধান জানে। দয়ার সেবক শেখর রায় কিছু জানে অনুমানে।। ৮।।

বিভাস !! মরমের।থিবে সই কারে নাকহিবে। অবলা এ তেক তপ করে ছিল কবে।। পরম পুক্ষ এই নন্দের কুমা র। কিলাপি সেধরে সই গো চরণে আমার।। আপ্রনার মুরলী দের চূড়া বাঁষে শিরে। আপনি রমণী হইমা বসে মোর উরে।। কহিতে সরম সই বলিতে সরম। মোরে আচ রিতে বলে পুক্ষ ধরম।।বন্ধুর কাজরে পিঞা বোনায় মো র বেশ। বলিয়া২ পিয়া বাঁধে মোর কেশ।। সুগন্ধি চন্দ্রন পিয়া মোর অকে লেপে। নথে করি নিজনাম কত সুথে লি থে।।নাকহিওসইগো এ গোপত কথা। নাপিতিনী হইয়া দেয়চরণে আল্তা।। এ গোপত কথা সই নাকহিও কারে।

অনুরাগ।।

ধনাজী। ৰূপে ভরল দিতি সোঁয়রি পুরশ মিতি পুলক

লইতে সব অঞ্ । মধুর মুরলী রবে শু-তি পরি প্রিত নাসু-(म जान शत अक्।। अजनी व्यवकि कत्रव उत्रम्भ कान् व्यन्ति। विनयन या जल ना मृत्न शत्य निवलिया। अ।। ना म কায় সে অঙ্গ সৌরভে উনমভশ্রবনে নালয় আন। নবং खनगरन वाक्षण मजुमन ध्रम त्रम त्रम कान ठाम ॥ गृर्भिड भन्न वस्य अक्षय गङ्धाय का जात्य प्रभाव हा म। जारम् अक মনোরথ জনি হয় অনরথ পুছুই গোবিন্দ দাস॥ ১॥ नीताग॥ खनिया (मिथन मिथया जुलिन जुलिया भिती जि. दिन्। शित्रीि विद्धिप की वन मण्या युतिया रमन्।। मर् (ला निर्देशिक स्मान माना मिन स्वयं निर्देशिक स्वयं निर्वेशिक स्वयं निर्वेशिक स्वयं निर्देशिक स्वयं निर्देशिक स नाख्य भवन कथा।। आ। मजाई करक भिन्नी का किनी কেবলে পিরীতি ভাল। শ্যামের পিরীতি ভাবিতেই র হইল কাল।।পিরীতি মিরিতি তুলাইতে পিরীতি গৰুমা जाता याश्रत व्यस्तत शित्रीजि व । शि क्या कारन जारिकाल (स्टब शिक्षिक क्रिय (प्रियो क्रम्स्य उला। उडान माम करर कागुत्र शित्री कि शास्त्रित कार्यन (वाटना। २ ॥

সুই।। সুথের লাগিয়া এঘর বান্ধিনু আগুনে পুড়িয়া গেল। অনিয়া সাগরে সিনান করিতে সকলি গরল ভেল।। সন্ধী রে কি মোর করমে লেখি। শীতল বলিয়া চাঁদ সেবিনু ভাগুর কীরণ দেখি।। উচল বলিয়া আচলে চড়িণু প্রড়িণু অগাধ জলে। লছমি চাহিতে দরিদে বেচল মানিক হারাণু হেলে॥ পিয়াস লাগিয়া জলদ সেবিনু পাইনু বজর তা পে।জান দাসে কহে পিরীতি করিয়া পাছে করহ অণু তাপে॥ ৩॥

শোহিনী ৷৷ শুক্ দুরজন দূরে তেয়াগিনু পতিক্ষুর ধারতায়৷
কানুর পিরীতি কিরীতি করিণু কলক্ষ এলোকে গায় ৷৷
সইলো নরম কহিনু তোরে ৷ কানুর পিরীতিসপদি করিতে
যে বলু সে বলু মোরে ৷৷ ধা ৷ ধরম বচন মনেতে নালয় ক
রমে আছিল যে৷ সে সব আঘর তাদর বাদর কেমনে
ধরিব দে ৷৷ হিয়ার পিরীতি কহিল নাহ্য চিতে অবিরত
জাগে ৷ জ্ঞান দাস কহে নব অনুরাগে অমিয়া অধিক
লাগে ৷৷ ৪ ৷৷

বারাড়ী।। পিরীতি বলিয়া একটি কমল রসের সাগর
সাঝে। পের পরি সলে লুবর ভ্রমর মারল করেন কাজে।।
ভ্রমর জানয়ে কমল মাধুরী তেঁই সে তাহারি বলা রসিক
জানয়ে রসের চাতুরী আন কহে অপবল।। ধরম করম
লোক চরচা একথা বুঝিতে নারে। এতিন আখর যাহার
হৃদয় সেইসে বুঝিতে পারে।। কহে নরহরি শুন সুনায়রী
পিরীতি সুখের সার। পিরীতি মরম মরমে নহিল কিছার
জীবন তার।। ৫।।

আশোয়ারী। মনু ২ মরিয়াগেন ঠেকিয়া পিরীতিরসে। নাজানি কি আর হয় পরিণামে পিরীতি মিরিতি অবশে সে।। ধা। এঘর করণ ননদী দাৰুণ বসতিপরের মাঝে। এই মাপোবর মরণসফল জীবনে কিসুথ আছে। কালিয়া কালিয়া বলিয়াই জনমে কি সুথ পাইনু। হিয়াদেশ দ্গি মনের আওনি দিশুণ পুড়িয়া মৈনু॥ নাছিল গিরীতি জা ছিল কিরীতি জনম গোয়ানু ভাল। পিরীতি করিয়া এসব জঞ্জাল বিষাদে পরাণ গেল।। গোকুল নগরে কেবা কিনা করে ভাহে কি নিষেধ বাধা। এসব যুবতী সতী কুলবতী কানু কলক্ষিণী রাবা।। শুক গরবিত ভয় কত নালয় কি বৃদ্ধি করিব হায়। জগমাথ দাসেবলে সকল ভাষাইয়াজ ল এখনি বিকাব রাকাপায়।। ৬।।

বরাতী। সমনী ও বড় বিষম লোক জালা। তাসনে নাক হিয়ো কথা যার বরণ চিকন কালা।। গ্রা যদিবা কহিবে কথা পাষাণে বান্ধ হিয়া। তিলেহ দণ্ডেহ মারিবে ঝুরিয়া।। যেজন নাজানে কানুর পিরীতি সেজন আছে ভাল। হাসিয়াহ পিরীতি করিয়া জনম পড়িতে গেল।। যদুনাথ হাসে কহে অই বোল । কানুর পিরীতি বছরি জানতা হুইতে জ্লিয়া উঠে।। ৭।।

সুই।। পিরীতি মিরিতিএদুই বচন মোবলু পিরীতিভাল। হাসিতে২ পিরীতি করিয়া জনম কাঁদিতে গেল।। সইলো এ বুকে দাৰুণ ব্যথা। সে দেসে যাইব যে দেসে নাশুনিৰ পাপ পিরীতির কথা।। জা। কুলবতী হইয়া কুলে দাঁড়া ইয়া যেজন পিরীতি করে। তুষের আনল যেন সাজাইয়া অসনি পুড়িয়ী মরে।। হাম অভাগিনী এদঃথে দঃখিনী

अमाई अत्रश् जाथि। छ्छी मात्र कश्च रा मुश्थ উटिन जीवन जि॰मय (पिथा। ৮॥

रशनी।। वम्र ।। वम्र (थन्ड तम्भः कान्। हो मिर्ग (भागी গণ সুষড় সুজান।। জ।। আবীর উড়ায়ত গায়তগীত। গা য়ল মদ্ন পরাভব চিত।। ক্রিভুবন ভুলল দেখি অপ্রক্রপ। शृज्ञक (एवमन गरेमी भ पन । अभवती कृति (क्यात नवर्षे। বিকশিত কিসলয় বকুলক সৰু ৷৷ হেরি দ্বিজ গঙ্গারাম মন ভেলভোর। রাধা শশি মুথি চাঁদ চকোর॥ ১॥ বসস্তা। বরজ কিশোরী ফাও খেলতরকে। চুয়া চন্দ্রন আ वीज (भाषाव (एयं अ)। भित्र जात्य ॥ अ॥ का अ शाथ का त कित्र छोश्ति सितिय ताग्य नारो स्थानिक नार्म काशयाज (विश्विर रेसएक (अवरम ठाम मुकाई। मानाज। এक স্থী ফাস্ত হাত করি দেয়ত কান নয়ান। ব্কভানু কিশোরী मूल् बाल् धात्र मात्र माग्य वयान ॥ जाखत अक मधी बीए बीए कित काश लागाए जावीता। कमित काथ लाइ কান নয়ন বেরি বেরি দেয়ত হাঁহা করত কৰীরা।। ই।। वमस्य। निधुवान माथव (थन उत्राक्षा बुक् वनिकाका सम्ह भाग यात्रा। कानुका अपि अनिम्त्री यात्रा गुथ गुएउ

থনী করি কত ভঙ্গে ॥ ফাশু রঙ্গে গোপী চৌদিগে বেঢ়ি या। भागम जारक (पर्केका अअक्षिम् विद्या। कि अ (थिनि उ

কিছিল ।। খতু পতিরাধা মাধব সঙ্গে। বিবিধ বিলাস ছে রি রসরঙ্গিত আবীরে অকণশ্যামঅঙ্গে। ধ্রা। অকণিত শ্যাম কলেবর দরপণরাইক পৃতি বিশ্ব লাগি। ভরমহি আনরমণী মনে জানিয়ে মানিনী ভেল বিবাগী।। রসিক সুনাগর রাইক মান হেরি মিনতি করত কর জোড়ী। পীত বসন গলে সাধই পদতলে রাই রহল মূথ মোড়ী।। পিয় সহচরী যত কত বুঝায়ত সুথ সঞে কাহে বিপরিত। বিশ্ব হরি দাস কহত কাহে রোখলী পুেমক এছন রীতা। ৪।।

বসস্থা। সুন ধনী মানিনীমান নিবারো। আবীরে অকণ শ্যান অঙ্গ মধ্যে পর নিজ পুতি বিশ্ব নেহারো।। গ্রা! তুহুঁ এক রমণী রসবতী শিরমণি কোন ঐছে জগমাহ। তুহুঁরি সমুথে শ্যান আন সঙ্গে বিলস্ব ঐছন রস নিবরাহ।। ঐ ছন সহচরী বচন শ্রবনে ধরি সরম ভরমে মুখ ফিরি। ইয়েৎ হাসি মনে মান তেয়াগল উল্লিভি দুহুঁ দুহুঁ হেরি। পুনঃ সব জন মিলি করয়ে বিনোদ কেলি পিচকারী লই নিজ शास्त्र । विक्र इतिहास आवीत सामाश्वर सकन संशोधन

शिखान वार्थाट् युन्न ॥

थनानी।। लाल हिर्श्वालय मधी युन्छ भाकुन हमा। अ।। দর্যথম কাঞ্চন কি মনোহর রতন জড়িত সুরক। তহি দিড়ি भवन जुन्दव निविधिन को जजन ॥ भारेनि भिरवास्त्र नाम निक् व विभिक्त वस् अस्। पान ना ना निक नुभिर्य ना गठ বিচ২ হিরা তরঙ্গ।। তিহু কলপ তক ছাঁহা শীতল বিবিধ মন্দ শরীর। তাঁহালতালটকত তারক কুসুমিনী পরসই यभूनाकिनीत् ॥ २॰ म (भात हकत हा उक (काकिना जात कीत्र। नवरनञ्जनयन किरणात्री नवत्रक् भित्रिश्रव श्रीत्र।। उ रा निन्छ। विभाश (मञ्क कावि द्वीरक सम्भागाः। ভাঁহা নাড়িনি কুসুময় চরকত শ্যামর উরল পটায়॥ গো त्री भागमनवर त्रक भावि मोजस्य थकु जाँ । निवाभी ज पुक्षकी ज मात्रिनी यात्रिनी मुत्रर कार्जि॥ कुरक्ष भूष्य युष ত ঝুলা যত সহচরী পত্ মোর। ক্ফ দাস কোঁ বুজবাস पिर्ड नागनी नयन किरणात्र॥ ३॥

#### वासक मक्ता॥

কামোদ।। সাজল কুসুম সেজি পুন সাজই জারই জারল বাতি।বাসিতখপ্রকপুর বাসইতৈ গেয়োমদন ভ্রাতি। আজু রাই সাজহ বাসক সেজি। মদন মনোরথে ধায়ল অঙ্গে অনঙ্গ নাহি তেজি।। ঘন২ অভরণ অঙ্গে চঢ়ায়ই ফণে২ তেজই তাই। সচকিত নয়নে চমকি ক্ষণে উঠই হের ইতে নিজ তনু ছাই।। কাতর বচনে সম্ভাসই সহচরী কাহে বিলম্ব অতকান। গোবিন্দ দাস কহই অবনাশুনিয়ে সঙ্গে ত সুরলী নিম্বান।। ১।৷

কেদার ।। উজোর রাতি সেজিনব কিশ লয় বাসিত তামুল্
বারী । এহি উপচারে আজু হরি ভেটব ঐছন মরম হামা
কি ।। স্থাহে কীফল বেশ বনানি। কানু পরশ্মণি পরশক্
বাধল অভরণসোভিন মানি।। গু।। দুহুঁ কুণ্ডল দুহুঁ কৃষ্ণণ
কি কিণী দুহুঁ ২ নূপুর রাথি। মৃগমদ সিন্দুর লোচনে কাজর
পদ যাবক রতি সাথি।। সোতনু পরশে পুলক জনু বাধত
ইথে লাগি চমকে পরাণ। গোবিন্দ দাস কহয়ে ধনী ধনী
কানু মরম তুহুঁ জান।। ২ ।।

खें कि ती।। यनरे नील जनीलिह सित्य महिल भूति। वि श्वान । त्रिश्च ताम लिया थंत कृत्या कि तृति मिलत कान।। (एथ मथी भाभ छुथी के छाँए। इति खिलमात विह तिल धायुक भाकि कित्र मयाकाँए।। कि।। मनिश्च मत्नात्र १४ छुल मत्नाज्य देवता वत्र मायाक। मिनिय्य हात्र जात जनुलाभ (य खजत पृत कक भाक।। ध्रती भयत वकु त्मार्स्ट् (मार्स्ट्रे कुमूम मयत जी के काम। भाविन्स पाम कर्म् भर्म (भूम भरू प्रमा प्रमायार्स्ट गाँभ।। ७।। পানশী।। তোহারি সম্বাদে আনিতে মাধ্ব কাননে যামনু তীর। এক কলাবতী পথেতে ভেটল ধরল মাধ্ব চীর।। করে কর ধরি ভুজে ভুজ বেঢ়িলৈ গেল আপন গেহ। সহ জে ভুমরা মধুপানে মাতল পাই কমলিনী লেহ।। তোহা রি বচনে রহল এধনী পুনকি পায়ব কান। পস্ত হেরিহ নিন্দ নাহি আয়ত নিশি গয়ো ভয়ো অবসান।। দূতীক বচন শুনি তেই ধনী মনে পড়ি গয়ো ধন্দ। অধ্য বান্ধুলী মলিন ভই গেয় বৈছন দিবসক চন্দ।। ৪।।

শ্রীকৃষ্ণের উৎ কণ্ঠা।।

তুপালী।। রাতিছোটী অতি ভির রজনী। কতিথণে সায়
ব কুপ্তর গমনী।। ভীম ভুজকম শরণা। বাটহি সক্ষট কো
মল চরণা।। এবিহি তুমা লায় করে। লা লা আবিহিনে
রঙ্গিনী কক অভিসার।। গ্রা। গগণে সহান নহী পক্ষা। কত
কত বিহিনি উপজায়ত শক্ষা।। রোধল দশ দিশ নিশি ভা
বিয়ারা। চলতহি খলহি চলই নাহিপারা।। রাজলি পাট
লি ভুলায়লি। আয়ত মান বিভানুত নোলি।। বিদ্যাপতি
কবি কহই। প্রেম লুবধ জন পরাভব সহই॥ ১।।
বরাড়ী।। দরশন দেহ সুনরৌ রাই। তুয়া বিদ্বেদে দাকণ
দুঃখ পাই।। আকুল বিকল প্রাণকি হইল শরীরে। কি করি
বিসয়া ব্থা কালিন্দীর তীরে।। কি করিব কোথা যাব
নাহিক উপায়। রাধার বিহনে মনে আন নাহি ভায়।। দশ

मिन मैन। (मिथ जुनुशी विश्व। कि जात ताथिया जात বিফল জীবনে।। কি ভেলি কোথা গেলি রসবতী গোরী। (मथा मिया ताथ পार्गनवीन किल्माती ॥ (रुन (वला जिल (गणा तमवजी ताथा। भूत्र नम्यातथ म्यामक माथा।। पूछ् দুহু নেলি রসকেলি হাস। এসব কৌতুক গায় ললিতা माना। र॥

## শীরাধার উৎকৃথিতা।।

गाकात ।। (मथ मथी जिंदिक त्रांकि। जाथ तकनी विरू राजि॥ मन मिश जक शिय (जन। जा शर्मा ए हैं र शन।। जव হ হির নামিলল রে। বিহি মোরে বলঞ্রে।। ধা। কাছে वानाशन (वना । विघछन कानूक मत्मना ॥ काल् क नर् हेरू गाती। धनि जनि स्थारम कुल नाती॥ किल्ल धत्रवभागा किविक त्र कृ विवास ।। भाविन मात्र यव जान। जावल् माभिन्य कान॥ ३॥

वीतागा।। कानक मस्मिट्य क्या बनायन जायन किलि निक् ঞ। মাধবী পরিমলে ভোরি তনু জারলফু করে মধুকর পু अ॥ स्थ्रन मर्ह्ती भार्य नामिनन कान। निनंत्र ती जिला রীতি অনুরোধে অতএ সেরহত পরাণা৷ ধা। কানুক বচন অমিয়া রসে সেচন বেচনু তনু মন জাতি। নিজ কুল দুষ্ণ ल्या मानन (७ (७व अष्टन माछि॥ श्यि कर किराग गमन (ताथल किकल हल विश् (शश् (शाविक मान कर्ड करि

সতা জানত কানকি কেজন নম লেজ

উপ্তরী। ভুজগ ভরল পথ কুলিশ শত্র কত্র বিঘিনি বিথার। বাম চরণে ঠেলি কুলবর্তী গৌরব কুঞ্জে করনু অভিসার। সজনী কিফল পাপ পরাণ।যামিনী আধ অ বিক উইয়াত অবহু নামিলল কান।। গ্রায়ত্ত মনোরথ তত ভেল অনরথ কানু পিরীতি অভিলাষে। নাজানিএ কোন কলাবতী বান্ধল ভাঙু ভুজিন্দিনী পাশো। দাকণফুল শর কুঞ্জে বিথারল মন্দিরে শুক্ জন গারী। গোবিন্দ্র দাস কংক অদু হু সংশয় নিরসলরসিক মুরারি।। ৩।।

जुरे।। क्लाके कच्म (जाराष्ट्र नन्मन रागाति छल्छ ति কস্ত। অবইতে যামিনীকো গজগামিণী আগে আগে। রলপস্থ।। সজনী কাহে বনাইন বেশ। কুসুমক সেজি সা कि निभिक्षागिति जाक्ष पेपरा जात्राभय ॥ आ। कु अत्राम বেয়াধি সমাধ্य ধরনী শয়ন করি সেবা। চচ্চ মনোরপ ঐছে নাহি ছোড়ত নিকৰণ মন মথ দেবা।। কুল সঞ্চে জী वन तक्व कि याग्न अफ़ित्रक् (भूम कि भक्षा। भाविन माम कर कान भिन्नी जिनार किवन युवजी कन हो।। 8 ॥ थानभी।। भाषव कि कर्व (भावत नाती। एक जन नयन नय (न রছে সুন্দরী নব যৌবন মুদি ভারি॥ গ্রাদিবসক মাথে বাহির নাহি হোয়ত দিনকর কিরণ তরাসে। ননীক পুত नी यन जाजल जिलाशयन जिलव मुकुल भोजवारम ॥ थ এহি বচন শুনল যব সাধব শুতল কুঞ্জ কুটীর। গর২ অন্তর वहन नाहि आयु अत्रर् नयुनक नीत्र।। महहती (भार्ती कर्त

ধরি মাধ্য মারত আনন চনাে দার্কণ সদন দ্বিজ্ঞন তনু দ্গা ধল গোবিন্দ দাস পরবন্ধ ।। ৫ ।।

विश्र वव्या।।

শ্রীরাগ। সুথে থাকিতে বিছিলাগলরে তুলনু কানু আশ আশে। আপন কুমতি পরিতাপছরে দারুণ মদন হুতা শো। নাবোলনাবোলস্থী সম্বাদহরে নাহি মোর কেহ্ অভিলাবে। মুঞ্ পাপিনী যদিজানিতুছরে পিরীতি পরি নামে। স্বপনেহু সাধ নাকরিতুহরে শুনইতে পুরুথক নামে। ১।

সুই। কানুসে কছবিকর জোরি। বোল দুই চারি শুনার বি নোরি। বিফল পায়ত পিয়ারসবসী। অনুপম রূপ পি য়হ সি হু সি ।। হামুছন নাটুটত লেহা। সুপুরুথ বচন পাষাণক রেহা।। তনএ বিদ্যাপতি সাই। নাকর মিনতি মন্তে মিল্লব মাধাই॥২॥

শরাড়ী।। জন্ম হেমলতা সমু সোধনী তুহু ঘন শ্যাম তমা ল। বিহিওন জানল প্রেম ঘটায়ল দুহু ক পরশ রসাল।। মাধব তোহে সম্বাদল বালা। তুয়া রস বিহনে অবহু তনু জারল ওক কুল কণ্টক জালা।। গ্রা মরমক বেদন সহই নাপারিয়ে শুতিরহু বরণী শ্যানে। লোচন খগুন নীরে নিরপ্তন দিন রজনী নাহি জানে।। সখী পরবোধ শ্রবণে নাহি শুনই অনুক্ষণতোহারি সমাধি। গোবিন্দ দাস কহই কান কি নাজানহ দাকণ বিরহ বেয়াধি।। ত্যা मुहै।। हित्र नश्नी (छिक्ष निक्र मित्र अवहें छ म्हिंछ ठामा। छिथत हाँ ए विशाध निराक्ष भागात्र कित्र पक रा मा।। माध्य छाट्ट कि वालय आन। विषम कुमूम मित्र भा जत जुत्र धनी जनि (छिक्ष हे भत्रापा। आ ।। भाजिम हात्र छात्र हिश्र जात्र हे कत कक्षण (छेल वक्ष। महात्री कारत छात्रि छन् भाए हे भारत धत्र पित्र भक्षा। कालिकी कृल कर घ कानम नाथ्य नश्रम अक वाती। भाविक्र राम कहहे छव माध्य केट इह्य वत्र नाती।। 8।।

বিভাস। পস্থ নেহারি বারি ঝক লোচনে অধর নিরস
যন শ্বাস। করতলে বদন সহনে অবলম্বই গুণি২ জীবন হ
তাশ।। শুন মাধব কাহে আশা আশালি রামা। সগরিহু
যামিনী জাগি পোহায়লি কামিনী সক্ষেত ঠামা।। ধ্রা।
হরি২ বোলি ধরণী ধরি রোয়ই রোধল গদ২ ভাষা নীল
গগণ হেরি তোহারি ভরম করি বিহি সঞ্জে মাগই পাখ।
লখ আশো আশে লখই নাপারই বহত কি নাহি নিশ্বাস।
তোহারি নাম গুণে পুনঃ তনু পুলকই পরীখত গোবিনদ
দাস।। ৫।।

### খণ্ডিতা॥

বিভাস।। হই বিদায় চললি হরি পাতরে চন্দাবলী পর বোধী। কেশর কুঞ্জে ভ্রিতে চলি যাওতরাইক কৃত অপ রাধী।। এহরি পবেশল কঞ্জ কি মাঝা ভাহানাছি রাই মাই

ভেল ফাপর জানল পড়ল মকাজ।। কুসুমিত সেজ যম্না জলে ভাসতগড়িযায় কপুরক বাতী। মলয়জ মাল সুবা সিতভাষুল এদোহে মহী গড়ি যাতি॥ কুঞ্জ বাহিরে দেখ অঞ্জন ভাজনপড়ি রহু দরপণ সাত। জত নখই বিদারি পত্ गर्। ডারলনীল জরজ রহ্ঁপাঁতি।। গত নিশি রাইক জভদঃখ ভইগেওএসব দেখল সাখি। দেশু শেখরে কহে এই কি হেরবি মাধব রাই গেও তুয়াপর রোখি॥ ১॥ ললিতা৷ পুভাতে উঠিয়া বিনোদ নাগর চলিলা নাগরী পা भ। मुरम पून्र युगन लाहन मुर्थ मृष्र श्रामा। कशान उश রে সিন্দুর বিন্দু অধরে কাজর দেখি। হিয়ার মাঝারে ভালকা তিলক নথ চিহ্না তাহে সাথি।। গলায় দিয়াছে বিনা সূতে মালানাগরী দিয়াছে সাধে৷ এসব ভূষণ অঞ্ তে করিয়া ভেটিতে আইলারাধে ৷৷ হাসিতে২ রসিক না গর চুলিলা রেয়ের পাশ। দেখিয়া জুলিছে অন্তর পুড়িছে क्रश्या (जिथा प्राप्ता ॥ २ ॥

মথারাগা। আওত পর বঞ্চক সঠ নাগর শত ধরিয়া। রমণী পদ যাবক পরিসর বক্ষসি পর ধরিয়া। অকণাকণ নয়নামুজ আধ মুদিত অলসে। ভালপরি সিন্দুর অঞ্জন সহ বিলসে।। নীলাম্বর পরিহিত কটী লম্বিত পদ আগে। দশনাক্ষত অকণ অধরে ভুজকঙ্কন দাগে।। যাষা স্থীবার হি বার নিয়তে নাহি আওএ। যৈথনেশুনে তৈথনে দূতী শ শি শেথর বাওএ।। ৩।। মথারাগা। তকণাকণ নয়ন ব, জ ঢুলু ২ আখি জলসে।
দেখিয়ো ২ পড়িবেই সুতি রহ যাই দিবসো। নীলোৎ পল
মুখ মণ্ডল ঝামর কাহে ভেলা মদনজ্বে তনু তাতল জাগ
রে নিশি গেল ॥ নথে নথক্ষত ক্ষত বক্ষসি দেওল কোন
নারী। কটকে তনু ক্ষত বিক্ষত তোহে ঢুড়ইতে গোরী ॥
নীলাম্বর তুহু পহিরনী পিতাম্বর কাহে ছোড়। অগুজ সহে
পরি বরতিত নন্দালয়ে ভোরি ॥ অঞ্জন কাহে গণ্ডম্বলে
হাদি থণ্ডন অধরে। উত্তর পুতি উত্তর দিতে পরাজয় শাশি
শেখবে ॥৪ ॥

বিভাস।। পদনথ হৃদয়ে তোহার। অন্তর জ্লত হাসার।।
অধরহি কাজীর ভোর। বদন মলিন ভেল নোর।। হামু উজা
গর রাতি। তুয়া দিঠি অকণিম কাঁতি।। সবে নহ তনু তনু
সক্।হামু গোরী তুহু শুগামর অক্।। কাহে সিলাভক্ষ
কান। তুহু হামু একই পরাণ।। অতএ চলহ নিজ বাস।
কহ তহি গোবিন্দ দাস।। ৫ ।।

श्रेष्ठ ॥ काँशनथ हिन्न हिन्न जुङ मुन्दती वनत कुक्क म दि र । साकत जत्रम भत्रम कि म गक्षिम सन म् गम भद्द विद्या जामिनी मसू मत्न नागन शका। जाभकाभ द्वाथ प्राथ विन् मानिम दिन्न जक्षी दिन्नि मन्द्र ॥ आ। त्यात्रीक एति देव ति मम मानिम जित्रभत यात्रक जात्न। काञ्चक विन्द्र हेन्द्र मुथ निन्द्रमि मिन्द्र कि जनुमात्न।। त्वाहाति महात्र का निम्निम जिन्द्र कि जनुमात्न।। त्वाहाति महात्र का निम्निम जिन्द्र कि जनुमात्न।। त्वाहाति महात्र का

मूहै।। महज़है (माद्गी द्वार्थ जिन लाहन कमदी नाथहि की । हमस भाषा पहन जनुमानि अस्म मुकाक दिन।। मुन्द दी जाज़ जुङ हिं विजया यव हाम महत जुसा निज किस द दिस्ति कारह जाथ जया आ । का निस कृ हिन जा ह जुजियम महत्व जाक महा। भाषाभिक दिश्य (द्वार्थ ना ह गान जहां मुन्द सम निख्या। महन मन जव जुङ जी सा सर्व नसान है कि ज प्रतारा। हा।

अरङ्ग कठिन (उन अङ्ग (पाय नाहि याहै॥ यानाशिनश्रन भा য়ন ঘন বরিথয়ে নিশি দিশি অন্তরে রাখা। তাকর মনে যদি कक्षा ना उপजार इ তব कि स्य की वत्न भाषा ॥ अन्य छत्र भ নিয়া নিধি সন্তত অন্তরে লেখই সোর।ভনই সুরারি পাণ পতি ইহ তনু জীবন তোর ৷৷ ৯ ৷৷

ভূপালী।। অন্তরে জানিয়ানিজ অপরাধ। করজোড়ে মাধ্ব भागाय भवनाम।। नश्य गणाय मान्र गमर वाती। वाहे हत्रां श्रेमात्र शानि ॥ हत्र ग्रेशन श्रित क्ष श्रित्र रात्र । (दाइर वहन कर्डे नाभादा। मानिनी नार्ड्ड नार् व्याम। পদতলে লুটয়েনাগর কান।। চরণ ঠেলি ঠেলি জাওতরাই। वनताम माम कर्रे मूथ ठारे॥ ३०॥

(भारिनी।। त्राइक क्षय जाव वृक्षि भाषव श्रम् श्रमी लागिया। पूरे करत पूरे शम शति त्र माध्य छवर विमुथी ভেল রাই।। পুনঃহি মিনতি কক কান। হাম তুহা অনুগত তোহে ভালজানত কাহেদগধ মঝুপাণ ॥ জা। তুহু यদি সু मती मयु मुथ नाष्ट्रवि हाम या अव कान ठाम। जुरावित জীবন কোনে কাজেরাথব তেজব পাপ পরাণ।। এতেক মি नि यव कतले व्याधव उवल् नास्त्रल वयान। भाविन मामिष्ड्यान यान्ड् (दाइँ२ हल्कान॥ ))॥

স্থী উক্তি। কালা॰ডা।। তা সুনরী অবতহি ত্যেজসিকা ন। সুথ ময় কেলি নিকুঞ্জে যব বৈঠবি তব কাঁহা রাখৰি जान ॥ डेइ नागत रत तमिक कला एक हत्र भाक्षि गिष्

রামকেলী ৷৷ রাইক অনাদর হেরি রসিক বর অতিমানে করল পয়ান। নয়নক নোরে পথ নথই নাপারই পীতবাসে মুছই বয়ান।৷ হরি২ নিজ অপরাধ নাজানি। সোহেন কম বতী কতি লাগি নিরসল কাহে কয়ল মুঝে মান ।। ধা।।
মোহে উপেথী রাই কৈছে জীয়ব সোদুংখ করি অনুমান।
রসবতী হৃদয় বিরহজ্রে জারব ইথে লাগি বিদরে পরাণ।।
রাই সম্ভাষণে সুধারস সিঞ্চনে তনু তিরপিত কব মোর।
গোবিন্দ দাস যব যতনে মিলাগুব তবে যশঃ গাঁওব

(मनकात ।। त्राईक म॰ वामरका आनि सिखव এमन य। थिछ (कर नाई। मान जत्रम जरत हाम हिन आग्नन भाग तरकाठ हुठाई।। हित्र आश्रम विश्वम नाहि मानि। हामाति अमर्भ स्म त्राई के एह जी ग्रव भनी जानि एउ जरत शत्राणी।। आ। एक जन गद्धन जाद्धन व्यक्त निज्ञ शिव विविध विधारन। हामाति कात्र (भनी अजमु १ अ मह जिल्ला कात्र कात्रम ज्यारन ।। त्राहिक खगगान (मा जित्र श्रम एकव भाग भन्नान। (मा विम्ह हा म करह रिश्र ज भन्न हिएक त्राईमान मिनव कान ।। ५०।।

#### गान॥

শীরাগ।। সুন্দরী মান করসি কোন কাজে। এত পরমাদে পুসাদ নাজানসি জীউ ধরসিকোন লাজে।। গ্রা পহুঁ ভুজবলে গিরি উপাড়ল ছাতি ধরল উহু মাথে। সোতনু ভোহারি বিরহে যদি জারল বাঁশী রহল নাহি হাতে।। ভূমি শয়ন তনু অনুগত কেবল নাফুরই বচন বয়ানে। পালটিতে পাশ শক্তি নাহি ঐছন জীবইতে সংশয়কানে।। নাকর বিশ্বস্থ নিতি মিনী অনুগত নাকর নৈরাশে। শ্যান্দাস পত্ অতি বিরহাতুর শুনই সুধানুথী হাসে॥ ১॥

# সথা পতি শীরাধার পুতু ্যক্তি ॥

শ্রীরাগ।। হরিপরসঙ্গনাকর মজু আগে। হামু নছে নায়রী তুয়া মাধব লাগে।। দ।। যাকর ঘরমে বৈতে বর নারী। তা সনে পিরীতি দিবস দুই চারি।। পহিলহি নাবুঝল এতসব বোলা। কপ নেহারি পড়ি গেনু ভোর।। আন ভাবিতে বিহি শ্রান ফল দেল। হার ভরমে ভুরুষ ভেলা। এসখী এসখী যব রহ জীব। হার দিগে চাহি পানী নাহি পীব॥ হামু যব জানিতুঁ কানুক রীত। তবে কিয়ে তাসঞে বাঁধয়ে চিত।। হরিণী জানয়ে পুনঃ কুটুষ বিবাদ। তবুলু ব্যাধনীত শুনি তে কক্ সাধ।। ভনই বিদ্যাপতি শুন বরনারী। পানী পী মেকিয়ে লাকি বিচারি॥ ২॥

विशागणा। जिस्त लाइन डाभित काइन उपयुक्त जान कर करन । अक नलनी मूथ मलन कर स्याप कि देश लागि निम्हिन इत्सा । अ। आ सा विश्व क्या कर का कि श्री कि के जां कि । खन गन उज्जी का कि। खन गन उज्जी का कि। जाशित की विज्ञ की विज्ञ की विज्ञ भाग कर मुगक मुनी कि। मी शक कि। जा कि की विज्ञ की विज्ञ में पहिना मुगक के कि शक्य पहिना मुगक के कि शक्य में पहिना मुगक में विज्ञ की के शक्य में पहिना मुगक में विज्ञ के कि शक्य में पहिना में कि में विज्ञ के कि शक्य में पहिना में कि में विज्ञ की कि शक्य में मुग्न कि नी विज्ञ । का गह शक्य विज्ञ पहिना में कि नी विज्ञ । का गह शक्य विज्ञ पहिना में कि नी विज्ञ । का गह शक्य विज्ञ पहिना में कि नी विज्ञ । का गह शक्य विज्ञ पहिना में कि नी विज्ञ । का गह शक्य विज्ञ पहिना में कि नी विज्ञ । का गह से कि निम्हित की विज्ञ कि निम्हित की विज्ञ कि निम्हित की विज्ञ कि निम्हित की निम्हित की विज्ञ कि निम्हित की विज्ञ कि निम्हित की निम्हित क

কুসুন ননতোষই নিশি রহু কমলিনী সঙ্গে। চম্পক এক যদি নাহি চুম্বই ইথি লাগি নিন্দই ভূষে ।। পাঁচ পঞ্চ ওণ দশ ওণ চৌওণ আট দ্বিওণ সখী মাঝে। চম্পতি পতি অতি আকুল তোবিনু আসিতে নাপারইলাজে ॥ ৩॥

विश्वाशामा कि कत्रव उश जा मान वु जा मिक यमि कर गा नाहि मौता मुन्दत कुल भील श्रीनवत युवक कि कत्रव (ला চन शैरन।। एर मथी वृतिरश कर्मिक कर्ते जाया। अहन वर् अग अक (माय ना मई अक (माय वक्ष अग ना मा।। अ।। गतन সহোদর ওকপত্নী হর রাজ বদন উকারা। বিরহ হ তাসন বারিজ নাশন শীলগুণে শশি উজিয়ারা ॥ পরস্তে অহীত্যতন নাহি নিজস্তেকাক উছিষ্টরসপাণী। সোসব অব ওণঢাকলএকল পিক বোলত মধুরিম বাণী ৷৷ কানুক পিরীতি কি কহবরে সখী সব ওণ মূল ভাম্মো কল শিশবদিশত২ তবহি পুতিত নাহি বোলে ॥ পুনঃপরি রম্ভন চুম্বন কোরে করি সঙ্কেত কর বিশোয়াসে ৷ আন त्रभी भव भागि विश्व विश्व भार्य कर्तन निर्देश । जन লহু অধিক সোতনু দাহই রতি চিন দেখি পুতি অহে। ম্পেতিক পূর পেড় যদি নামিল তবহি মিলব হরি मद्या 8 ॥

থানশী ॥ নবীন নলিনী দল জিনি তনু কোমল আগর জেপ ই অঙ্গে। চমকি চমকি হরি উঠয়ে কত বেরি হাত্ত মদন তরঙ্গে॥ সুন্দরী তুত্ বড় হৃদয় পাষাণ। তয়া গুণ অন্তরে

भनिष्ठ नित्र उत्र जशहराज जाकृत कान ॥ अ॥ देवेटल जक उल भए (नश्तरे नय़त्न भवाय घन नाय। यारे वारे कति সঘনে জপয়ে হরি চম্পক দলে দেই কোর।। দূতীক বচন শু নি রম্ণী শিরোমণি বচনাম্ত কৰ্পান। গোবিন্দ দাস कर्श्व विविच हन मुन्दवी कानु (जनविष्ट्रे निमान।। १।। ধানশী॥ হরি ববে তুহুঁ ভেলভাগী। রাতি দিবস হরি আন নাহি ভাবয়ে কাল বিরহ তুয়া লাগি ॥ ধা । চপক দা ম হেরি সঘনেই মুরছই লোচনে বহে অনুরাগ। তুয়া রূপ वास्त्र जारग निवस्त धनीर (जाश्रावि माश्राण ।। नाथर ধনী বোলমে মধুর বাণী তছু পানে নাপাতই কান। ব্থভানু निन्नी जशरू त्राजि मिनि जत्राम नार्वाणरू जान ॥ ता वणरू ধা বলই নাপারয়ে ধারা ধর বহে নোর।রসিক পুরুখ মণি

লোটায় ধরণী কোকহু আরতি তোর।।৬।।

ত্রিরাধারকামিনী কানুকহল কত মোহে। কোমল কেলি
কুত্হলে কামিনী কোরে কঠিন ককতোহে।। ধা।। কালি
লগী কূল কাম কাননে কুসুমিত কুঞ্জ কুটীরো কাম কলহ
করি কপট কলাবতী কোজানে করব অথিরে। করইতে
কোরে করবি কুচ কঞ্চুক কর কিশলয় কর বারি। কুটিল
কটাক্ষ কুসুম শরে কোপিনী কিয়ে ককণা হামারি। কর
ইতে কোরে কাপি করয়ে কেলি কোকিল কুজিত ভাষে।
কালি কু ক্বেন কৈতবে কি কহল কহতহি গোবিশ্ব

বানশী।। কিশলয় সেজি শুতল নব নাগর জুরং মনোরথ বানে । উঠই পড়ই পছ নেহারই ক্ষণে ক্ষণে তোহারি থে য়ানে ।। সুন্দরী কি কহব তোহারি সোহাগ। ঐছন এতিন ভূবনেনাহি দেখলবৈছন তুয়া অনুরাগ।। গ্রামোই পুরুথ শতি তুয়া গুণে আরতি অতিশয় সহজ মভাব। অক পরশ্ রস মিলন দূরে রহু দেখবি দরশনলাভ।। সোপহুঁ মিন তি অতি শুন বর যুবতী থরং শ্যাম অঙ্কের মালা। অথর সুধারস যৌবন সরবস পুরহ নাগর বালা।। রসময় নাগর তুহুঁ রস নাগরী এমধু নিশি পরকাশে। দ্বিজ রাজনের ভণে তেজহ কঠিন পনে প্রহ কানু মন আশো। ৮ ।। ধানশী।। মাধব রাধা সাধিনা তেল। কতহুঁ যতনে কত

यानणी।। भाषव त्राधा माधिना जिल। कछल् यछत् कछ भारकोद्ध वृक्षा यान उवल् छछत् नाहि एन ॥ क्षा । जाहा ति भारत छन्द्य यहि मुन्द्र ती ध्वत् भू प्रद्य पृष्ट भागि। जा हात्रि भित्रों छि कि ति कि कि ति भान है एमा जवना भू हता गी॥ जाहा ति मत्मण जा युन ध्वत् मुहे ता है के जाएग। का शि कमन मूथी भान हि ना एहत्र है तह है विमुध विद्या शा । या वृ विकृतिण मात्र छहु अछत्र कान मिहा स्व भाग शा विन्द्र माम कह अनुभाद वृक्ष है जा शि मिथा तह कान।। भा।

## কলহান্ত রিতায়

भाहिती। कुक्षमिकमई मानितीयाई। अवती उ लाइति मधी मुथहाई।। हलई उ अक्ष्महनई नाभावि। इलर न्याति গলয়ে ঘন বারী।। টুটল মান ভেল বিরহ তরক। গৃহ মাঝ বৈঠল সহচরী সঙ্গ। কহইতে অন্তর গদ্ধ ভাষ। বিমুপ হই সব ছোড়ল পাশা। চন্দু শেথরে কহে অনুচিত মান। রাখিতে ভেজলি কাহে নাগর কান।। ১।।

मूरे।। आक्षल (श्रम शिक्लिक् लि नाहि (एक् पू (मावक् वल्ल कि कान। आफ्र मार्थ वाफ्र कि जाम कि जाम अक्ष कि जाम कि जाम

পাস্কার।। চরণ নথ রমণিরঞ্জন ছাঁদ। ধরণী লোটায়লগো কুল চাঁদী। রোথে তিমির হামু বৈরিকে জান। রতনক তৈ श्नि रेगिन्निक जान ॥ एतिकर श्रेषु (लाइत्स त्यात । कठ क श्नि मिनिक कत्रल श्र्णे त्यात ॥ लागल कृप्तिन क्यल हानू मान । ज्यत नाहि निक श्रेष कठिन श्रेता था। नाती जनत्य हानू नार्किल जागी। कि (जल हामानि कत्रम जजागि।। करह क्वि तक्षन छन वत्र नाती। श्रिम जिस्सा त्रक ल्वथ मुताती॥ 8 ॥

ধানশী।। পরবস দেহ থেহ নাহিবারে। নিলজ জীউ লেহ লাগি কান্দে।। জা। সঠ সঙ্গে হঠনাকরহ আন। মানরহ ক পুনঃ যাউক পরাণা। এসখী ছিএছিএ কহইতে লাজ। শুনি উপহাসব যুবতী নাঝা। পরিজন কিএ পিরীতি অনু রোধে। দুরজন কিএ সুজন পরবোধে।। কুলবতী বল্লভ না গর কান। গোবিন্দেশ্য ইহ রসগান।। ৫ ।।

বিভাষ ।। চরণেধরি হরি হার পিন্ধায়ল যতনে গাঁথিনিজ হাত। সোনাহি পহিরণু দূরহি ডারণু নানিণী অবনত মা থা। স্থাহে বিহি মোরে বিপরীত ভেল। দগধ মান মজু বিদগধ মাধর রোথে বিসুথ ভৈ গেল।। গ্রা! গিরিধর নাহ বাহু ধরি সাধল হামু নাপালটি নেছার। হাতক লছমী চরণেহি ডারণু অবকি করব পরকার।। সোবহু বল্লভ সহ জই দুল্লভ দরশন লাগি মনবুর। গোবিন্দ দাস যব আনি মিলায়ব তবহি মনরথ পূর।। ৬।।

সুই।। শুনইতে কান মুরলী রব মাধুরী শ্রবণনিবারণ তো র। হেরইতে কপ নুমুন যুগঞাপনু তব নোহে রোখলি

ভোর॥ সুন্দরী তৈথনে কহলম ভোয়। ভরমহি ওসঞ লেই বাদায়লিজনম গোঁডায়বি রোয়া। গ্রাবিনু গুণ পর थि शतक क्रा लालाम कार्ड (मांशलि निज (म्हा । मिन्र (थाई मार्कशलाविन क्रम्यानाक्षक् (थ्रा।। याउक् হৃদয় পেন তক্রোপলি শ্যান জলদরস আপো। সোনিজ নয়ন নীয়ে পুনঃ সিঞ্চ কহতহি গোবিন্দ দাসে ॥৭॥ বিষেট্র। স্বর্ণ বর্ণ বিবর্ণ ভৈ গেও পূর্ণ বিশ্বমুখী তূর্ণ নিরস লরে। নয়ন পক্ষজ নোরে ভি গেলহিয়াক অম্বররে॥ মান্ ভেল তুয়া পাণ গাহক নহিলে উপেক্ষসী নায়ক যোভেল সোভেলঅবহু অধ্বিনী আপনা সম্মরেয়ে। যতহু মনমাহা কোপ উপজতো ততহি কোপ করিতে সমোচিত। পায়ে পরিণত যোজন হোওত তাহেকি তেজিয়েরে। হিতকহিতে অহিত নানসি সুহাদগণে তুহুঁ বৈরি জানসি অতএ দেখি শুনিরবেরহিনাহিউত্র দিয়েরে॥ যাবিনু সত তিলেক হোওত সেতোয়ে মিনতি কয়ল কত্ত২ কণ্ডল কর জোর गणिक् जावत वत्री लुढे।लदा ॥ ঐছে इढे भूनः भानि दिवर्र লি কান্ত বদন নিতান্ত নাহেরলিরে। চন্দু শেথর ভনয়ে ভা সিণী পিরীতি তাঙ্গলীরে॥৮॥

সুই।। স্থা নাহি বোলহ আর। হাম ফল পায়নু তার।।
সহজই মতি গতি বাম। তৈছন ইহ পরণাম।। যৈছে গরবে
হিয়াপুর। সোসব হোওল চুর।। অবহু বা রহু যাও প্রাণ।
সমচিত করলহু মান।। তৈছে রহুয়েমঝ দেহ। সহ ক্রম্

আবথেহ।। তুহু যদি নাপূরবি আশ। কি করব বলরাম দাস।। ১।।

সুই।। তিল এক সয়নেম্বপনে যোলকু বিনে চমকিং কৰু কোর। ঘন২ চুষনে গাঢ় আলিঞ্জনে নিঝোরে ঝোরে বহু 'নোর।। সজনী সোযদি কৰু নিঠুরাই। নাজানিয়া কোবিধি নিধি দেই লেওল সোসুথ করিবিছুরাই॥ গ্রাতুহ কাছে বিরস বচনে মুঝে মারসি ডারসি শোক কি কূপে। মূর ছিতজনে যাতন নহে সমোচিত জগজনে কহ্ব কি ৰূপে।। ভাঙ্লমান সবল জন গঞ্নে পিরীতিং করি বাধা। রসিক সুনাহ আপনে সুথ পাওব এবড়ি নর্মে মঝু সাধা ॥ भाग्य छाम रूपरा ध्रित रिश्वेव का विन्ती विष रूपनीता। পামরী গোবিন্দ মরি যাওব সাজি আনল তছু তীরে॥১. विजान।। कि कि कि निकार्गिकानी श्राम रेशर्ये राज्य स्थान है। ज कॅं। शरा (मर्ग। अष्टन वहन कानू यव खनव जीवान नावा अव থেহা।। তাহে তুহুঁবিদগধ নারা। অনুচিত দেহ যদি ছো ড়বি মরমহি বিরহ বিথারি॥ কানুক চিতরীত হাম জান उ कवल नरु निर्वेदाई। जुल यि जार नाथ भारि দেয়সি তবহু রহত সুখ চাই।। ঐছন বোলনা বলসি সুন্দ্ রী কাছে পরমাদসি এই। গোবিন্দ দাস সপদি তোহে अञ्यमि উদ্বেগ বাঢ়।ই॥ ১১॥

গাসার॥ মান কয়লিতো কয়লি কলহে কাহে কান্সি বৈঠরহ তুহু ভওনে। সোকাঁহা যাওব আপহি আওব পুনহি লোটা ওব চরণে ।। সুন্দরী বচনে করিও বিশ্যাস।
সজল নয়ানে হরি ধরণী লোটা ওত চিতেরহল নঝু পাশা।
ক্র ।। বেণু ধেনু তেজি সকল স্থাগণ পরি হরি নীপ মুলে
বসই। হরিং বলি শিরে কর হানই তুয়া নাম করিয়া নি
শাসই ।। তুয়া নাম লাগি কত বেরিং মঝু ঘরে আওব
হামে হরি সাধব লাখ। রায় শেখরে কহে তবে তুহুঁ
জানত কাহে করত হুতাশা। ১২।।

বালা ধানশী।। হরি বড় গরবি গোপী মাঝে বসই। সোই
করবি বাহে বৈরি নাহ সই।। পহিলহি বৈঠবি শ্যাম করি
বাস। সক্ষেত জানায়বি হামারি পরণাম।। যব হরি হরথি
পুছয়বি ভায়। ইঙ্গিতে নিবেদন জানায়বি নোয়।। মৃগ
মদ করে মাখি দরশায়বি হেম। কর উলটায়বি পুছইতে
থেম।। যবিচিতে দেখবি বড়ি অনুরাগ। তৈখনে জানায়বি
হাদর জনু লাগা। স্থাগণ গণইতে তুহুঁ সে সেয়ানী।তো
হে কিশি খায়ব চতুরিম বাণী।। ইথে বিণু ভোরবি বিদ্যা
পতি ভাগ। মান রহুক পুনঃ যাউক পরাণ।। ১৩।।

ভূপালী ।। রাইক বিনয়বচন হু নি সহচরী চললহি নাগর
আগে। দূকর তাকর বদন ছেরি শ্রামরমানল আপন সো
হাগে ।। চটপটি ধূলী ঝাড়ি উঠি বৈঠল হুরি দূতী আন প
থে গেল। দূতী২ করি বহু তফুকারল শুনি দূতী উত্তর নাদে
ল।। পুনহি বোলাওতকান। দূতীকহত হামে কোন বোলা
ওত নাগর কহতহি হাম।। ধ্রা। ইহা কাহাবৈঠলি নোহে

বোলাওলি লুরিতে কহত তুহুঁ মোয়। শ্যামা সথী মোহে লুরিত বোলাওত পিছু আশি মিলব তোয়। ক্ষেণেরহুঁ রহুঁ বলি পত্ব আগরল কাতরে রহুঁ মুখ চাই। আছুক বাত তুহুঁ কিয়ে জানসি মোহে উপেথল রাই।। দূতী কহত তুয়া কৈছনে পিরীতি রীতি বুঝই নাপারি। সো যদিমাম ভরমে তোহে রোথল তুহু কাহে রোথলি ছোড়ে। আপন দোথজানসি যদি হৃদিমাহা কাহে বাড়াওলি বাত। গোবিন্দ দাস তোহারি লাগি সাধব আপ চলহ মজু সাথ।। ১৪।।

শোহিনী। দুতীক বচন শুনিরসিক শিরমণি আওল তা কর সাথ। দুর সঞ্ছে হেরি সোবর নাগরী অবনত করি রহু মাথ। কর যোড়ি সাবই কান। হাম তুয়া কিন্ধর পড়ি চরণ তল তেজধনী দাকণ মান।। গ্রা এতকহি নাগর অ স্তর গরহ চরকিহ পড়ুনোর। হেরি সুধানুখী আকুল অতি সোমুথ হেরি বিভোর।। ছলহ নয়ান শ্যাম কর কিশলয় ধরি কহে গদহ ভাষ। জলদ গোপাল বিপু তৈছে উদয় ভেল কহ যদু নন্দন দাস।। ১৫।।

গান্ধার ।। রাই হেরল যব সোমুথ ইন্দু। উছলল মন মাহা আনন্দ সিন্ধু ॥ ভাঙ্গল মান রোদনহি ভোর। কানু কমল করেমুছই নোর।। মান জনিতদুঃথ সব দুর গেল। দুহু মুথ দরশনে আনন্দ ভেল।। ললিতা বিশাখা আদি যত সথী গণ। আনন্দে মগন গেল দেখি দুইজন।। নিকুঞ্জের মাথে

### ভাবি বিরহ ৷৷

তাত্র সম্বাদ। বালা ধানশী ।। নাজানি কোন মথুরাসে আয়ল তাহে হেরি জীউ মোর কাঁপ। তবধরি দক্ষিণপয়ো ধর ফুরয়ে নোরে নয়ন দুহু কাঁপ।। সথীহে অব কুশল সত নাহি মানি। বিপদহু লাখ তৃণকরি মানিয়ে কান বিছেদ হোরে জানি।। জা। কি ঘর বাহির মতি নারহে থির জাগরে নিদ নাভায়। গঢ়ল মনোরথ তৈথনে টুটল কি স্থা করব উপায়।। কুসুমিত কুঞ্জে ভুমর নাহি গুপ্তই সঘনে রোয়ে সুকশারী। গোবিন্দ দাস আনি স্থা পুছহ কাহে এত বিঘনি বিথারি।। ১।।

मुहै। नामहि जाजू त ज्रृत नी ठाभग्न (माई जाग्न तुज भाषा घरतर (घाषरे अपन जमक्र का नि निका निम माजा। मजनी त्रजनी (भारायन का नि। त्र हर डेभाग्न रेयह नर्ह् भाजत मनिरत तर नम्मानी ।। आ। (या गिनी हतन मातन করি সাধব বাঁধব ধামিনী নাথ। নক তক চাঁদ বেকতরত্ব অম্বর থৈছে নহে পরতাত।। কালিন্দী দেবী সেবি তাত্বে তাথব রাথব নিজ অনুতাতে। কিয়ে সমন আনি ত্বরিতে মিলায়ব গোবিন্দ দাস অনুমাতে।। ২।।

वत्राणी॥ श्रिनाकि जात्व अश्रुत्र । ছाডिव शाकुल वाम জীবনে কি আর আশা বধভাগি হইল অক্র রা। জ্ঞাছাড়িব (गाकुल हम्मु भवारा मविव नम मविदिक (व्यक्ति) यरभा দা। গোপীর মরণ দৈবে অনুমান করি সভে সভার আগে अतिरिक ताथा।। आत्रना स्थिनिव रिगु आत नारमिथिव कानू আর নাকরিব নাস বেশ। এমন ব্যথিত থাকে কানুরে বুঝা इशा तारथ विधि विस्न नाइ उपरम्भ ॥ मथुत्रा नागत्री यङ ভাহাকৈল পয়োবত বরজ রমণী অনাথ। গোবিন্দ দাস कर् क्राय अमुःथ जर् अवभा विलिय श्राय नाथ ॥ ७॥ সুই।। পাতরে তুহু চলবি মথুর। পুর যবহু শুনল বুজনারী। বিরহ্ক ধ্যে ঘুন নাহি লোচনে মোছত উৎপল বারী ॥ মাধ্বভালেতুহুঁবুজ অনুরাগী। অবসৰ বল্লভী জুলু বির হানলেকোপনঃ ইহ বধ ভাগি॥ জ।। গিরিবর কুঞ্জ কুসুম मश्कानन कालिन्हों (किल कम्य। यन्त्रि (गार्श्व नगत সরোবর কো কাহা কৰু অবলম্ব। বুজপতি লেই অতএ চলু আকুল সংহতিদাম সুদাম।গোবিন্দ দাস কহ যব अछि वह मेकि ठन उवतागा। 8॥

আহিরী। যাবৎ জীবন ব্রঙ্গে বঞ্চিব ভোমাব সঞ্জে লেহ

दिन वहें जिन्तारा। मृत (गंध मृत जारम शहिन रोवन तरम जवह हि छिन त्याह भारम ॥ भाग नाथ श्रवार कि यात स्थान वार्ष वहें धृनि लाक मृत्य यन छिनि राग भोकात भित्री जि विर्वात ॥ आ। रमाहे यमूना जल वमन हत्व काल मत स्थी जारा मंड रिक्ना। रमाहे मृक् जि यत जुङ तम हत्विवत रगाभीत मांडक भूती रगना।। रगाभीत कवगा छिन रभून जांथि यमूनि नाकर वहन रहें मृत्य। रमिया भिजत रमोन वृक्षिया कारजत हिन्न माध्य करह मृत मृश्यो।। द ॥

### ভবন বিরহ্।।

थाननी ।। इति त्र निकक्ष त्रममस (मर । किएत (जबव नवीन मित्र ।। भाभ जकृत किरस छ। जान। मव मूथ वाति त्व छन् केन्द्र किरस किरा प्रा महत्वनाभफ़ है। यि थित्न तथ भत्र काई नाष्ट्र ॥ अभी कानूक यि मूथ छाइ। जाँ छत्र गर्दिक वात्र पना ह ॥ यि अथा कानूक यि मूथ छाइ। जाँ छत्र गर्दिक वात्र पना ह ॥ यि अथा कानूक विभिन्न त्वा शि त्र है। कत्र है एउ यक्त किरव कि कि हो। अवह विभिन्न को छ तह मुक्ता छ। का विन्त का कह लाजक अछ।। )।। वता छी।। मथुतात भर्थ मथी कि किथा स्मात्र यास मथुभूत । भर्थ नहे छल का का जान। भिया स्मात्र यास मथुभूत । भर्थ नहे छल का का जान । अ গতি পিয়ার মোর সে গতি হামার।গোপাল দাস কহে পিয়া সে তোমার॥২॥

পট মপ্তরী !৷ নাদেথই রথ আর নাদেথই ধুলি ৷ নিশ্চয় জা
নিনু মোরে বিহি পুতিকুলি ৷৷ কহিতেই মূরছিত রাই
ভূমি তলাে শ্বাস রহিত দেখিসথী কক কোলে ৷ উচ্চেঃ
শ্বরে কালিদ কহে ওহে রাই পাণা কানহি এছে কহি কহে
ঘনশাাম ৷৷কোইই করত হৃদি শিরেষাত কোইকহত ইহ
বজর নিপাত ৷৷ এছন নির্থিতে রাই মুখ চালেদ ৷ পাওল
জীবন প্রেম সুগঙ্কে ৷৷ তৈখনে এছন বিরহ সম্বাদ। রাধামো
হ্ন প্রু রস মরিজাদ ৷৷ ৩ ৷৷

माथुत्र ॥

শীরাগ।। হরি কি মথুরা প্রী গেলা। আজু পোকুল শূন ভেলা।। দ্রা। রোদতি গঞ্জর শুকে। পেনু পায়ত মাথুর মুখে।। সাগরে তেজব পরাণ। আন জনমে হব কান।। কানু যব হোয়ব রাধা। তব জানব বিরহক বাধা।। হেন বুলি নিককণ পাতা। গোবিন্দ দাস গুণগাঁশা।। ১। শীরাগ।। কে মোরে মিলাইয়া দিবে সে চাঁদ বয়ান। আঁথি তিরপিত হবে জুড়াবে পরাণ।। কে মোরে আনিয়া দিবে নন্দ সুত কান। অমূল্য রতন দিব বাঁটিয়া পরাণ।। কেহত নাকহেরে আইল তোর পিয়া। কতনা রাখিব চিৎ নিবার পর্ণারে নিলজ তিরি জাতি॥ কতদূরে পিয়া মোর করে পরবাস। সমতি নাহেশএ কহে বলরাম দাস।। ২॥ मुरु। मशीर्भातिशिशा जिंग् नागिलल कृलिम रिशा। नथत (थारा अनु दिन दिनथीर । नरान जाधुरा (उल शिरा পথ পেথি।। যব হাম বালা পিয়া পরি হরি গেল। কিয়া দোষ কিয়া গুণ বুঝইনা ভেল।। অবহাম তরণী বুঝনু রস্ जाय। छन कि नाहि तुवाइया भाषा। जनस्य विम्याशिक শুন বরনারী। ধৈরজ ধর চিতে মিলিবে মুরারি॥ ৩॥ लिभाकात् । जायम जाम ताम तम जास्त गास्त गास्त (शल। शूत्रनाती गण शूत्रल मतातथ व्यापन वन मन ভেল।। ১ ৷৷ আয়তপৌষ ঋতু সার সমীরণছিমকর ছিম অনিবার। নাগরী কোরে ভোরি পহুঁ নাগর করব কোন পরকার॥ ২ ॥ মাঘ নিদাঘ কোন পাতি২ আয়ব আতপ বিকাশ-শিক্ষাপ্র নিশাপতি ছোড়ল কানু বিনু अवल् ल्जामा। जा काखरा अविर नागत अवगिका গুয়া থেলত রঙ্গে। বিরহ্ পয়োধি অবধি নাহি পায়ই দূরতমদন তরকে 11811 আয়ত চৈত চিতক বান্ধব পাতু পতि नव পরবেশ। कानन कुनुभ कुनुभ नात श्वानन कानू त्रक्ल शत्राम्भ ॥ १॥ भाषव भाषा भाष विवि भाषण शिक कुल शक्षम गान। मधुकत (वाल जीवन क्रीप मानज (कान गिलाश्वकान ॥ ७॥ (क्रिटेशिक्टे महरू भव विभिने

ধানশী।। পিয়ার ফুল বন পিয়ার ভুমরা। পিয়া বিনা ঘুরি ফিরিতেপু নাথায় তারা।। নোয় দি জানিতান পিয়া যাই বেছাড়িয়া। হিয়ার ভিতরে পাণদিয়া রাথিতান বাঁবিয়া।। কেনন দাকণ বিবি মোর পাণ নিলা এছার পরাণ কেন অবহু রহিল।। মরম ভিতরে মোর রহি গেল দুঃখ। নিশ্চ য় মরিব পিয়ার নাহেরি চাঁদ মুখ।। এইখানে করিত কে লিবসিয়া নাগর রাজ। কেবানিল কিবা হইল কে পাড়িল বাজ।। সোপিয়া পিয়াস আমি আছি একাকিণী। এছার শরীরে আছে নিলজ পরাণী।। চরণে ধরিয়া কান্দে গোবিল্দ দাসিয়া। মুই অভাগিয়া আগে যাই মরিয়া।। ৫।। সরাটো ।। এই মামারী ভালে আয়ার লাগিয়া পিয়া

যোগি যেন সদাই ধেয়ায়। হেন পিয়াবিনু হিয়াফাটিয়া নাপড়েগো নিলজ পরাণ নাহি যায়।। আমারে করিয়া কোলে শয়নে স্বপন দেখে যামিণী জাগিয়া পোহাই।আ মারে ছাড়িয়া পিয়া মথুরা রহল গিয়া কৈছনে দিবস গোঁ য়াই।। আমারে লইয়া সঙ্গে কেলিকৌতুকরকে ফুলতুলি বিহরম বন। কিশলয় ফুল তুলি শেজ বিছায়লি রস পরি পাটির কারণ।। অনেক দিবস হইল পিয়া কেনে নাআই ল কার মুখে নাশুনি সম্বাদ । গোবিন্দ দাস চলু শ্যাম

मुहै॥ कर्हेर७ भात्री भारत जित्र लाहन भूत्रि भएन তছু ভোরি। কাহিনী নাবোলত শ্যাম নাহিত গো নিমিথ তেজলি গোরা।।রাইক বিগতি দেখি সহচরী আকুল কর তহি বিবিধ উপায়। কোই কোরে আগরি বসনে মুথ মো एके सानदा काश्वर एश गारा।। (मानाभ न्वथ थनी (गारी। भागमकनाम सावरा यव रिशठेन यमनि देशिन उनु स्मादि॥१ भानमी॥ बाइक भिष मना निजमशी मुत्थ छनि हन्दावनी রোই। নিজ তনু ভারি ভূমে গড়ি যাওত ভূতলে কুন্তল (काई।। ताईक (প्राम श्रुमिश नन्स नन्सन आ अव कर्त्रिश আখা সে সব মনোরথ বিহি কৈল অন্যমত এতদিনে ভেল নৈরাশ ৷৷ এতবলি পুনঃ২ শিরে কর হানই মূরছিত इत्रल (गर्माना अम्या (म्वी मथी (कात्रक् लिखन अत अत अत्रयन्यान ॥ वङ्क्राल (ठउन शाइन न निनो मुथो (ছाउन भीर्य नियाम। ताइक नियुष्ड (लाई हलू महहती कई शूक (याजग माम।। ৮।।

সুই।। যেথানে পড়িয়াছে রাই। চন্দাবলী তথা যাই।।
রাইক হেরতবয়ান। ধর ঝর ঝরতনয়ান।। যই ছলে জীবই
রাই। ঐছন রচহ উপায়।। এতকহি কহিনাপারি। মুরছি
পড়ল তনু ডোরি।। পুরুষোম অনুরোধে। তগবতী দেহি
পর বোধে।। ১।।

ভাটিষারী। বেখানে সতত বৈসেরসিক মুরারী। সেখা निविधिश् भारतमाम मुहेठाति॥ भारत जास्त्र व जाउत्। দিহ পিয়া ঠাম। জনম অৰ্ধি মোর এই পর্ণাম। নিজগণ গণইতে লিহে মোর নাম। পিয়া মোর বিদগধ বিহি ভেল বাম।। নিচয়ে মরিব আমি সে কান উদেশে। অপসর जानि किष्टू माशिश् मत्मर्भ ॥ फिरन अकवात शर् लिए भात नाम। यक्न मुनर् केरत मिर् जन मान।। विम्यानि কহে শুন বরনারী। ধৈরজধর চিতে মিলব সুরারি॥১°॥ शाननी।। विज्ञ जानल यि एक (थायाय्व थायाय्व আপন পরাণ। তুয়া অনুচরী সখী কই নাজীবই সবছ কুৰ व সমাধান।। সুন্দরী মাধব আয়ব গেছ। তোহারি দশা প্রবণে যব শুনব তবকি করব সোই দেছ।। জাপনক या एवं त्रभगे कृत या जिन्दा विश्व भागमेत इन्ह । जगजित পুলক কলক তুয়া ঘোষৰ কমল সৰন্ধ।। সফল কমল দেই কন্লা পতি প্জহ আরাধহ মনমথ ছেব। গোপাল

माभ जाम তব পূর্ব রাখা মাব্ব (সব ॥ ১) ॥ जुड़े ॥ रेजथरन जाजन जथी पूड़े ठाति । जतिजहि निनन त সিক মুরারি।। তাহারে পুছল বুজ কুশল কি বাত। কৈছনে नम् यमग्री गाउ।। किष्ट्रां कान्य हत्र क्ष्रां। कि ছ्य मथा गए। भूवज वनु ॥ किष्ट्र यमुना उथालिश् नी त। किहान माती मुक वालक छोत्र॥ किहान चाहरम वुक কুল নারী।কৈছনে আছয়ে রাই হামারি॥ইহ সব পুছত গদগদ ভাষ। মুরছি পড়লতহি গোবিন্দ দাস।। ১২ ॥ वबाजी।। कबज्रान हाम वद्यान बङ् थित । अङ्निमि (नाह (न श्वजिहि नीव।। विशिविजिनिम वश्हे यनभाग। मित्नर् ক্ষীণ তনু জীবন হু তাস।। এহরি অবহু অবধি বহি যাই। বিঘটন সপতি সূরতি জনি রাই॥ গ্রা কমলিনী কিশলয়ে সেজি বিছাই। সহচরী মেলি সূতায়লি তাই ॥ শতত্ত্ব মদন দহন তানু তেল। সোতানু পরসো ভষম তৈ গেল।। চলন পরশে চমকি ঘন উঠই। দিনে২ হিমকর কিরণে भूत्र हि भरी लुप्टेश। (गाविन माम कर्श्या ग्राथन कान। जुनि তহি গোক্লে করহ পয়ান ॥ ১৩॥

বরাড়ী।। মাধব তুল্ঁ যব নিককণ তেল। মিছ অবধি দিন গণি কত রাথব বুল বধু জীবন শেল।। গ্রা। কেল্ যমুনা জল কেহ্ ধরণীতল কেল্হ লুটই কুঞ্জ। এতদিনে বিরহ্ মরণ পথ পেথনু তাহে তিরি বধ পুন পুঞ্জ।। থোরসরো বরে তপত জন আকল আকল শফরী পরাণ। জীবন

गत्रग गत्रग थक जीवन गाविन्स मात्र जात्व जान ॥ ১৪ ॥ সুই।। কতয়ে বেরি বেরি রচব শেজিরি সরস সরসিজ পাঁ তি। শীতল বীজনে সলিল সেচনেকতনা পোহায়বরাতি।! कछ्य हम्पन कत्रव (ज्ञान छव् ना कुषा यव ज्ञा छेठेय श्रुनः २ जवल मार्का क्षा महन जतक ॥ खनर नित्रम्य নিঠুর চিৎ। তোসঞে নেহ্ করি খোয়লি সুন্দ্রী প্রাণ (मई शद्राधि।। अ।। (थन्हि जक्न (थन्हि अपन (थन्हि अरुव्यी (कात । कु युन कु छन नु वेरे जुन्मती क छ थ न मी वर् **भारता कल्या मधीगग कराया (दामन किटल विल উরে** তারি। কুন্তল তোরই বসন ফারই বিহিকে দেবই গারি॥ ধরণী উপর নিচল কলেবর পড়িয়া আছ্য়ে ভোরি। কা হিনি নাকহে শ্বাসনা বহে নিমিথ তেজল গোরী ॥ কোই नुष्टे कारे षुष्टे शागशिय मधी जाथि। कि कल् वनदाम थवन कार्तिम माथी ॥ ७० ॥

কানোদ।। তোহি রহল মধুপুর। বুজ কুল আকুল দুক্ল কলরব কানুহ করি ঝুর।। যশমতী ননদ অন্ধ সম বৈঠই সাহসে চলই নাপার। স্থাগণ বেণু ধেনুসব বিসরণহ নগ র বাজার।। কুসুম তে জি অলি ভূতলে লুঠত তক্ষ গণ নলিনসমান। সারীসুক পিক মৌউরী নানাচত কোকিলা নাকরতহি গাণ।। বিরহিনী বিরহ কি কহব মাধ্ব দস দিন বিরহ হ'তাস। সোইযমুনাজল হোষল অধিক ভেল কহ গান্ধার।। মাধব অবলা পেথলু মতি হীনে। সারস্থ শবদে
মদন অতি কোপিত তাদিনেই ভেল ক্ষীণে।। গ্রারহত
বিদেশ সন্দেশ নাপাওয়ত কৈছে জীবই বুজ বালা। সে
হেন সুন্দরী রূপে গুণে আগরী জ্বারল বিরহক জ্বালা।। উক বিনে শেজি পরশ নাহি জানত সোই লুঠত মহা কামে।
পূণিনিক চাঁদ টুটি পড়য়ে জনু ঝামর চম্পক দামে।। সো দিন অবধি অবহু আশ আশলু তে ধনী রাথয়ে পরাণে।
ভণয়ে বিদ্যাপতি নিককণ মাধব শুনইতে হরল গেয়া নে।। ১৭।।

यथात्राग॥ वृक्षिनु मत्रमिक जाव। भूत्रमव (भूम जृति मूथ म ম্পদ ছোড়ি বরজ কাহে যাবাাধ্যাস॰পতি পুরপতি ভূপতি মহামতি তাহাঁ কাহাঁ পশুপতি ভান। তাল দল শিক্ষাব॰ भी भूतली तवरेश कछ ताज निभान।। का लिन्ही उदेवदे निक ট ছায়েবাস নিজতনু হেরিতে সেনীরে। হিঁয়া অটালিকা পরি রতন পরিয়ঙ্ক পরি মুকুর ষড়িত কতপুরে ॥ তাহা নব পল্লব বল্লভ বিজই দুল্লভ বনফুল মাল। ইহাকত চামর দাসে ঢুলায়ত ভূষিত মতিপুবাল।। আতীর নাগরী নির ওণ পরাধিনী যতনেই কাননে মেল। ইহা কত প্রনারী ষতন্ত্রী পথপরি কুবজা ভূরি সুথ নেল। ভালে ভুত্ मन पिन (गाया अलि (गाकुल गों ज रेजि कर्ना। राभ घत বুজপূরে আগ দেই আইলে তাপই নিরবধি দহনা॥ ১৮ ताहैक (भाष प्रभा छनि माथव लाइन सत्तर् भागि। ज्यवन्छ

সাথে কর অবলম্বন বদনে নাম্বরের বানী ।। ধৈরজ পরি হরি দূতী বদন হেরি পুছতই গদ২ রায়। দুই এক দিবসে হাম যাওব দূতী পুবোধ বি তায়॥ ১৯ ॥

#### ১ ভাবোল্লাস॥

মঞ্জ কামোদ ৷৷ উলশিত মজু হিয়া আজু আওব পিয়া দৈবে কহলশুভবাণী।শুভশ্চকযত অঙ্গেই বেকত অত্য়ে নিচয় করি সানি॥ সখীহে বহু বিপদ দুর গেল। সুখ সম্পদ পদ বিহি মিলায়ব এছন গতি মতি দেল।। ধ্রা মঞ্জল কলস তহি নব পল্লব রোপহ ঠামহি ঠাম। গুই গণ গণক আনি কর ভূষিত স্থারত আয়ত জনি শ্যাম 11. হরিদ দাড়িম দরপণ অঞ্জন দ্বি ঘৃত রতন পুদীশে। সুব রণভাজন লাজই ভরি ভরি রাখহ নয়ন সমীপে ॥ নব নব त्रिक्ती (एक् क्लाक्लियमन ज्या किति भाजा। योगर হরি নিজগ্হে আয়ব গোবিন্দ দাস মন্দোভা॥ ১॥ তিরোত ধানশী ॥ যব হরি আয়ব গোকুল পূর। ঘরে২ নগরে বাজবজয় তূর।। রসাবেশে ধায়ব রমণীক ঠাট। চৌদিগে বেড়ব চাঁদকি হাট।। আলিপন দেয়ব মোতিম হার। মঙ্গল কলস করব কৃচভার ॥ সহকর পল্লব চূত্তক (एव। गाधन (कवि यत्नात्रथ (नव।। धूलमील रेनविए) कत्रव গিয়া আগো। লোচননীরে করব অভিশেকে ॥ আলিস্থন न कर कारका कर है जिए तथा कि है है गत लाएगी।

### পদ ক**প্পলতিকা**। ভাব সন্মিলন।।

रिग्ड़ी।। पृष्ट् गृथ रहत्रहेर पृष्ट् ख्ल खात । पृष्ट् क नया।
सन तरह जानना तात ।। पृष्ट् जन शुनकि गान गान जात।
हेर प्रतान कर हान ।। निन्धि पृष्ट् जन । निकुक्ष मिन्
स भारत किन विनान । पृर्द् ह पृर्द् दह नरदा छम पान।

## ভাব সন্মিলনের রসোদ্গার।৷

कारभाम।। जजनी जाजू भाषत भिनव जभारत। इंट् जनभ जकन ज्न जारत।। आ। शा शिन प्रमान (एना। शूड्निट् कू भन्दाभारा।। जजनी जानत्म शाभू शिं (श्राया) (जारा। त्रिक्नाशत मूख कत्निट् (कारा।। पिनट् जर्राम जनू त्ज न शिंत हुत। बेड्रा बेट्रा निर्वाण मजुश्रुत।। ।।

### निद्यम्न ॥

সূই।। শুন্থ মাধব কি কহব আন। তুলনা দিতে নাহি
পিরীতি সমানা। জা।পূর্বক ভানু যদি পশ্চিমে উদয়।
সুজনক পিরীতি কবহু দূর নয়। ক্ষিতি তলে লিখি যদি
আকাশের ভারা। দুই হাতে সিঞ্চি যদি সিন্ধুক বারা।।
ভনই বিদ্যাপতি শিব সিংহ্রায়। অনুগত জনেরে ছাড়িতে
নাজয়ায়॥ ১॥

যথারাগ।। কি বলিতে জানু মুঞি কি বলিতে গারি। একে

গুণ হীন আর পরবশ নারী।। ধ্রা তোসার লাগিয়া মো র যত ওক্জন। সকল হইল বৈরি কেহনয় আপন।। বাঘে র মাঝে যেন হরিণীর বাস। তার মাঝে দীঘল ছাড়িতে নারি শ্বাস।। উদয় আদিত্যে কহে মনে ঐ ভয় উঠে। তোমার পিরীতি থানি তিলেক পাছে টুটে ॥২॥ সুই।। শুন শুন শুন হেরসিকরায়। তোমারে ছাড়িয়া যে সুথে আছিলাম নিবেদিয়ে তুয়া পায় ৷৷ কিজানি কিজণে কুমতি হইল গরবে ভরিয়া গেণু ৷ তোমা হেন বন্ধু হেলায় श्वारायुविया युविया मनु ॥ जनम ज्यि गाराव (गार्। গে সোহাগিনী বড় আমি। প্রিয় স্থীগণ দেখে পূাণ সম পরাণবন্ধুয়া তুমি ৷৷ স্থীগণ ক্ছে শ্যাম সোহাগিনী গর বে ভরল দে। হামারি গরব তুন্ত্ বাড়াওলি অব টুটাওব কে।। তুহারি গরবে গরবিনী হাম গরবে ভরল বুক। তে দাস কছে এমতি লইলে পিরীতি কিসের সুখা। ৩॥ ষথারাগ।। বন্ধু তোমার গরবে গরবিনী আমি ৰূপসী তো খার ৰূপে। হেন মনে করিও দুটি চরণ সদা লইয়া রাখি বুকে।। অন্যের আছ্য়ে অনেক জনা আমার কিবল তুমি। পরাণ হইতে শতু২ গুণ পিয়তম করি মানি 11 নয়নের অঞ্জনঅঙ্গের ভূষণ ভুষিসেকালিয়ে চাঁদা। জ্ঞান দাসে কয় তোমারি পিরীতি অন্তরে২ বান্ধা ॥ ৪ ॥

শুই।। মাধ্ব এক নিবেদন তোয়। মরম নাজানিয়ে মানে

গোপীসনেবিলসহতাহেমুই পাইআ-ন। সোমবু অন্তরে (कारो मुथ (शंखंडरियष्ट् नाहिक किंहु मन्ता। अकेशरि এক বাত মুথে বলবি নাকরবি চিতকি ভিত। চন্দাবলী তোহে কতহি সমাদরে কৈছন প্রেম কি রীত। সো যদি নিগৃত পোহা দেই পদ্যুগে কৈছে করব জতন এব ৷ গোবিন্দ ए। ज कर्ट् जार्ट् भागा छव माजी ट्रेशा शम (अव।1 c ।1 শুন সুন্দর শ্যাম বুজ বেহারী! হুদি মনিরের রাখি তোমা রে হেরি।। ওক গঞ্জণ চন্দ্রন অঙ্গ ভূষা।রাধাকান্ত নিতা ন্ত তব ভরশা।। সমশৈল কুল মান দুর করি। তব চরণে মারণা গত কিশোরী ।। আমি কুৰুপা গুণহিণী গোপ না ती। अभि क्षम त्रक्षन भारून व॰भी भारी ॥ आभि कुलि। কল্কী সৌভাগ্য হিনী । রসপণ্ডিত রশিক চূড়ামণি॥ গোবিন্দ দাস কহে শুন শ্যাম রায়। তুয়াবিনে মোর মন্ আন নাহি ভায়॥৩॥

ই।। বন্ধু কি আর বলিব আমি। যে মোর ভরম ধরম কর
ম সকলি জানহে তুমি।। যে তোর কৰুণা নাজানি আপনা
আনন্দে ভাষিএ নিতি। তোমার আদরে সভে স্থেই করে
বুঝিতে নাপারি রীতি।। নায়ের যেমন বাপার তেমন তে
মতি বরজ পূরে। সখীর আদরে পরাণ বিদরে সে সব গো
চর তোরে।। সভীবা অসভী ভোরে মোর মতি তোমারি
আনন্দে ভাষি। তোমারি বচন সালস্কার মোর ভূষণে
ভূষণ বাসি।। চণ্ডাদানে বলে শুনহে সকলে বিনয় বচন

সার।বিনয় করিয়া বচন কহিলে তুলনা নাহিক আর ॥ ৭ अहे।। वक्रु कि आत विविव आभि। भत्रशिकीवर्ग जनस्मर् পাণনাথ হইও তুমা৷ তোমার চরণে আমার পরাণে বান্ধি ল পেনের ফাসি। সব সম্পিয়া একমন হইয়া নিশ্চয় হই লাম দাসী।। ভাবিয়া দেখিলাম এতিন ভুবনে আর কেহ মোর আছে।রাধাবলি কেহ সুবাইতে নাই দাঁড়াব কাহা त्र काष्ट्र ॥ अकुला अकुला मुकुला (भाकुला आभना विनव কায়। শীতলবলিয়া মারণ লইলাম ওদুটি কমল পায়।। नार्छन नार्छन ছলে অবলা অথলে যে হয় উচিত তোর। ভাবিয়া দেখিলাম প্রাণনাথ বিনে গতি যে নাছিক মোর॥ স্থাথির নিমিথে যদি নাহি দেখি তবেসে পরাণে মরি। চণ্ডীদাসে কয় পরেশ রতন গলায় গাঁথিয়া পরি ॥৮॥ শুই ৷৷ সুন্দরী আমারে বলিছ কি৷ তোমার লাগিয়ে ভা विराय् विवन इइयाहि ॥ श्रित नष्ट मन मना উচাটन स्राख नाहिक পाই। गगण जुवन मिगर गण ममाई (मिथिया वाइ।। अन वित्नामिनी (श्रामव काँ हिनी शवारार वाका। এक हे शता ( प्र जिनर जान पार्म वार्य याका॥ त। যথারাগা। রাই তুমি সে আমার গতি। তোমার কারণে রসতত্ত্ব লাগি গোকুলে আমার স্থিতি ৷৷ নিসিদিসি সদা নসি আলাপনে মুরলী লইয়া করে। যমুনা সিনানে তোমা র কারণে বসি থাকি তার তীরে॥ তৌমার ৰূপের মাধু রিদেখিতে কদম তলাতে থাকি। শুনহ কিশোরী চারি

দিগ হেরি যেমত চাতক পাথি।। তব ৰূপগুণ মধুর মাধু সদাই ভাবনা যোর। করি অনুমাণ সদাকরি গাণ তব প্রেম হইয়া ভোর।। চণ্ডিদাসে কয় এছন পিরীতি জগতে আর কি হয়। এমত পিরীতি নাদেখি কখন ইহা নাক্হি লেনয়।। ১°।।

ধানশী।। কানু কহে রাই কহিতে ডরাই ববলী চরাই মুই।
রাখালীয়া মতি কিজানী পিরীতি লেহের পশরা তুই।।
ফিরি বনেই ধবলীরসনে পিরীতি কিজানী রাই। যেগুণে
আমারে বেগ্রেছ কিশোরী তার শোধ দিতে নাই।। তুমি
মম বুজি সর্ব কর্ম সিজি সকল সুথদ্ধাম। আমি সব
পরিশ্রমনিবারি লইএ বাঁশীতে তোমার নামা। পুণয় অধি
ক আতঙ্গ গুণীরাই তোমার পুশঙ্গ বিনু। কান্তকহে কানু
হইবে খালাস গৌর হইলে তনু।। ১১।।

গাদ্ধার ।। তেজি কাল বরণ করিব ধারণ তোনার অঙ্কের কান্তি। তুয়া নাম লয়ে আকুল হই য়ে অগ্রাজনে হব শান্তি।। মেলী ভক্তগণ করিব কীর্ত্তন রাধাহ ধুনি করি। ক্ষণেহ মূর্ছা হইবে ষথন অচেতনে রবপড়ি॥ ষবে ভেবে তবভাব হবে পেম ভাব মভাব ছাড়িবে দেহ। তের্জিব শীধর হবোদগুধর রাখিতেনারিবে কেহা। অমূল্য রতনতব প্রেম ধন অ্যাচকে দিব আনি। বিরচন্দে কয় তবেসে খালাস পাইবে পেনের খিনী॥ ১২॥

### পদ কণ্পলতিকা। ভক্তের পার্থনা।

তৈরবী ।। ভজহ রে মন নন্দনন্দন অভয় চরণার বিন্দ ।
দুলহ মানুষ জনম সত সঙ্গে তরহ এভব সিন্ধু ।। জ্বাভ
আতপ বাত বরিখনে এদিন যামিনী জাগি। বিফলে সে
বিনুক্পন দুরজন চপল সুখনব লাগি। এন্ধপ যৌবন ভবন
ধন জন ইথে কি আছে পরতিত। কমল জল দল জীবন টল
মল সেবহ হরিপদ নিতা। শ্রবণ কীর্ত্তন মারণ বন্দন পাদ
সেবন দাসী। পূজন স্থীগণ আত্ম সম্প্রণ গোবিন্দ দাস
অভিলাশী ।। ১ ।।

যথারাগ।। পতিত পাবনী ধনী জীরাধা ঠাকুরাণী বারেক ক্পাকরিতে যুয়ায়। দূরেণ পেলিছ মোরে রাখিছ সখীর মেলে নিছাকাজে এজনম যায়।। কি কহিব মহিমা ত্রিভূ বনে নাহি সীমা বুজেন্দুনন্দন মন মোহিনী। এতেকমহিমা শুনি মারণ লইনুপুনি বুজকুল উদ্ধার কারিণী।। মোরে কি এমন হব জীরাধার চরণ পাব সখী সঙ্গে কুঞ্জেকরোবাস। অন্ধ কৃপ গৃহ মাঝে ডুবি রৈণু নিছাকাজে নিবেদন গোৰি নদ দাস।। ২।।

मग्राशः॥